जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 14 नवम्बर, 2026

RAJ/P/2026/5326

KEDIA आरण्यम

ADDRESS. LIFESTYLE. STATUS.

कल की रेट

₹20,000 वर्ग गज

नीमकाथाना की पहली गेटेड टाउनशिप

NO MIDDLE MEN

आज की रेट
प्लॉट ₹18,000 वर्ग गज

FIXED PRICE

1 दुकान की कीमत: ₹16.50 लाख

2 दुकानों की कीमत: ~~16.50x2 = ₹33 लाख~~ ₹25 लाख



KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com
www.kedia.com

T&C Apply*

RERA No.: RAJ/P/2023/2387

10 लाख का डिस्काउंट

अब सिर्फ कुछ ही यूनिट बाकी



KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

FLAT STARTS
~~74 Lacs~~ @64 Lacs

KOTHI STARTS
~~1.18 Cr~~ @1.08 Cr

AJMER ROAD, JAIPUR
RERA No.: RAJ/P/2023/2387



Kedia's THE KOTHI
भव्य•उत्कृष्ट•श्रेष्ठ

KOTHI STARTS
~~50 Lacs~~ @40 Lacs

SIRSI ROAD, JAIPUR
RERA No.: RAJ/P/2021/1523



A Project By Kedia
THE KUNBA
बड़े परिवारों के लिए

SHOP
~~30 Lacs~~ @20 Lacs

KOTHI STARTS
~~70 Lacs~~ @60 Lacs

PRATAP NAGAR , JAIPUR
RERA No. RAJ/P/2022/1900



KEDIA'S
Corporate Club
RESIDENTIAL APARTMENTS

2BHK
~~37 Lacs~~ @27 Lacs

3BHK
~~45 Lacs~~ @35 Lacs

VAISHALI EXTENSION, JAIPUR
RERA No.: RAJ/P/2017/178

KEDIA®

1800-120-2323

info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737

SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

पुरुष का नारी के समान कोई बंधू नहीं। –महाभारत

''तेरा सनातन - मेरा सनातन, हमारे वाला भगवान - उन वाला भगवान'' - इस बहस पर एक तथ्यात्मक टिप्पणी

आजकल 'सनातन' शब्द टीवी डिबेट, सोशल मीडिया और राजनेताओं, धर्माचार्यों, कथावाचकों के भाषणों में बहुत ज्यादा इस्तेमाल होने वाला शब्द बन गया है। हर कोई अपने हिसाब से इसकी परिभाषा देता है। इसी से 'तेरा सनातन' और 'मेरा सनातन' वाली स्थिति बन गई है। अब तो बात यहाँ तक बिगड गई है कि भगवानों को भी 'हमारे वाले' और 'उन वाले' कहा जा रहा है।

सनातन का मूल अर्थ क्या है?

शब्दकोश और शास्त्रों के अनुसार सनातन का अर्थ है - जो हमेशा से है, जिसका न आदि है न अंत। मनुष्यों के संदर्भ में यह शाश्वत जीवन जीने की पद्धति है। यह किसी एक व्यक्ति, पंथ या किताब पर आधारित नहीं है। गीता में कृष्ण ने कहा - - मैं सनातन हूँ। सनातन एक 'व्यक्ति' नहीं, एक 'प्रवाह' है।

ऐतिहासिक तथ्य यह है कि सनातन की शक्ति एकरूपता में नहीं, विविधता में एकता में है। कोई मूर्ति पूजता है, कोई निराकार को, कोई प्रकृति को ही ईश्वर मानता है। छह आस्तिक दर्शन - सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा, वेदान्त - सबकी चर्चा अलग है। शंकराचार्य, रामानुज, माधव, कबीर, नानक - सबकी व्याख्या अलग थी, पर सब सनातन के अंदर माने गए।

शैव, वैष्णव, शाक्त, स्मार्त, सौर - इन पंथों ने एक-दूसरे को कभी 'विधर्मी' नहीं कहा। खानपान में कोई मांसाहारी, कोई शाकाहारी। एक जैसा सनातन इतिहास में कभी था ही नहीं।

'तेरा-मेरा' क्यों हो रहा है? इसके दो मुख्य कारण हैं - राजनीति और बाजार।

राजनेताओं ने सनातन को वोट बैंक की पहचान बना लिया है। ''हम सच्चे सनातनी'' कहकर दूसरे को नकली, सनातन विरोधी घोषित करना आसान हो जाता है।

इसका दूसरा उपयोग बाबाओं, कथा वाचकों के प्रवचनों में होता है। हर बाबा को अपनी अलग पहचान बनाने के लिए कहना पडता है कि ''मेरी वाली व्याख्या ही असली है।'' विभाजन वाली बात सोशल मीडिया पर ज्यादा वायरल होती है। 'सब धर्म एक हैं' वाली बात को कोई शेयर नहीं करता।

सनातन की असली परंपरा क्या है?

सनातन में धर्म को समझने के लिए बहस की परंपरा ही सनातन है। उपनिषद से लेकर शंकराचार्य तक, 'वाद-विवाद' को ज्ञान का रास्ता माना गया। विरोध को अपराध नहीं माना गया।

ऋग्वेद कहता है - सत्य एक है, ज्ञानी उसे अलग-अलग तरह से बताते हैं।

सनातन धर्म के 10 लक्षण गिनाए जाते हैं यथा -- धैर्य(धृति), क्षमा, दम(मन पर नियंत्रण), अस्तेय(चोरी न करना), शौच अर्थात पवित्रता, इंद्रिय निठाह, धी(सद्बुद्धि), सही ज्ञान, सत्य और अक्रोध। संसार के सभी प्रमुख धर्मों में यही नियम धर्माचरण के हैं। किसी के कपडे, टोपी या नारे से सनातन की पहचान कभी नहीं रही।

जब तक सनातन को वोट और व्यापार/बाजार/मीडिया द्वारा का हथियार बनाया जाएगा, ''तेरा सनातन-मेरा सनातन'' चलता रहेगा। जब इसे ''जीवन जीने की कला'' माना जाएगा, तब झगड़ा खत्म होगा।

समस्या सनातन में नहीं, ''एक्सक्लूसिविटी'' में है - सनातन को मेरे-तेरे में बांटने में है। ''मेरा सनातन ही असली है, बाकी सब अधर्मी हैं'' कहना स्वयं सनातन के मूल सिद्धांत के खिलाफ है।

कट्टरता की काट के 5 सिद्धांत

शास्त्रों में बार-बार जिन 5 बातों पर जोर है, वही कट्टरता की काट हैं:-

1. एकं सत् विप्रा बहुधा वदन्ति (ऋग्वेद 1.164.46)- बहुत से रास्ते हैं, सिर्फ मेरा रास्ता सही कहना गलत है।

2. सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया- इसमें हम और वो नहीं, सबकी मंगल कामना है।

3. वसुधैव कुटुम्बकम् (महोपनिषद 6.72) - पूरी पृथ्वी एक परिवार है। इसीलिए भारत में पारसी, यहूदी, ईसाई सबको शरण मिली।

4. अहिंसा परमो धर्मः (महाभारत) - पहले शब्दों की हिंसा, फिर बहिष्कार, फिर शारीरिक हिंसा। गीता के 16वें अध्याय में क्रोध, निष्ठुरता, अज्ञान को आसुरी गुण कहा गया है।

5. जिज्ञासा और संवाद- प्रश्न पूछो, तर्क करो, बहस करो। कट्टरता सवाल बंद कर देती है, सनातन सवाल से शुरू होता है।

जब हम इन 5 सिद्धांतों को भूलकर सनातन को सिर्फ बाहरी पहचान - टोपी, तिलक, नारा, झंडा - बना देते हैं, तब झगड़ा शुरू होता है।

राजनीति में सनातन का इस्तेमाल ------ 1980 के दशक से राजनीति में ''सनातन'' शब्द का इस्तेमाल बढ़ा है। 2014 के बाद चुनावी भाषणों में ''सनातन, हिंदू आस्था, मंदिर'' जैसे शब्दों का उपयोग बहुत अधिक बढ़ा है। इनका उपयोग सहज भाव से नहीं, विभाजनकारी भाव से किया जाता है - जैसे हम सनातन को बचाने वाले हैं, वो सनातन को गाली देते हैं।

इससे मतदाताओं को जाति, क्षेत्र से ऊपर एक 'सनातन' पहचान में लाने का प्रयास होता है और शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी, महंगाई, पेपर लीक जैसे असली मुद्दों से ध्यान भटकाया जाता है। सीएए, मंदिर निर्माण, गो-रक्षा कानून, एंटी-कन्वर्जन कानून आदि को सनातन मूल्यों की रक्षा बताकर विरोध करने वालों को 'सनातन विरोधी' घोषित करना आसान हो जाता है।

आज कट्टरता के 3 रूप

पहला - सिर्फ मूर्ति पूजा ही सनातन है, जबकि स्मार्त, आर्य समाज, निरंकारी सभी खुद को सनातनी कहते हैं।

दूसरा - दूसरों को दुश्मन मानना - ''अगर तुम ये नहीं मानते तो तुम सनातन विरोधी हो'', जबकि परंपरा में नास्तिक चार्वाक को भी बहस में जगह मिली।

तीसरा - हिंसा को जायज ठहराना - सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग, बहिष्कार, मारपीट, जो शास्त्र विरुद्ध है।

सनातन के नाम पर कुछ बाबाओं की प्रमुख आवाजें:-

आज बाबा रामदेव, जगदुरु रामभद्राचार्य, धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री, मोहन भागवत, विश्व हिंदू परिषद - सबकी भाषा में एक समानता है - भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करो, धर्मांतरण रोको, जनसंख्या संतुलन के लिए हिंदुओं को 3-4 बच्चे पैदा करने चाहिए।

दूसरा पक्ष कहता है - भारत संविधान से 'पंथनिरपेक्ष' है, हिंदू राष्ट्र की मांग संविधान के खिलाफ है। जनसंख्या वाला बयान एक धर्म को टार्गेट करता है और महिलाओं के शरीर पर नियंत्रण की बात कहता है।

एक पक्ष सनातन को ''पॉलिटिकल आइडेंटिटी'' बनाता है, दूसरा उसके 'खतरे' बताता है। जनता भ्रमित होकर असली मुद्दों से हटकर आपसी झगड़ों में फंस जाती है।

निष्कर्ष:- सनातन में कट्टरता की परंपरा कम है क्योंकि इसमें किसी एक मुखिया का फतवा नहीं है। शंकराचार्य ने बौद्धों, जैनों से शास्त्रार्थ किया। हारने वाला अपना मत बदल लेता था, मारा नहीं जाता था।

चूंकि 80-90 प्रतिशत लोग गीता-उपनिषद नहीं पढते, केवल व्हाट्सएप के 30 सेकंड के वीडियो से ज्ञान लेते हैं, इसलिए कट्टरता फैलती है।

जब तक सनातन को वोट और व्यापार/बाजार/मीडिया द्वारा का हथियार बनाया जाएगा, ''तेरा सनातन-मेरा सनातन'' चलता रहेगा। जब इसे ''जीवन जीने की कला'' माना जाएगा, तब झगड़ा खत्म होगा।

-अतिथि सम्पादक,
महावीर सिंह, पूर्व आइ ए एस

राशिफल शनिवार 14 नवम्बर, 2026



पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत-2083, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 8:14 तक, शूल योग रविवार प्रात: 6:22 तक, बव करण दिन 10:03 तक, चन्द्रमा रात्रि 3:11 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति- सूर्य-तुला, चन्द्रमा-धनु, मंगल-सिंह, बुध-तुला, गुरू-सिंह, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज रवियोग रात्रि 8:14 से आरम्भ होगा। शुक्र मार्गी प्रात: 5:55 पर होगा। आज सौभाग्य पंचमी व्रत, पांडव और लाभ पंचमी, ज्ञान पंचमी है। आज डाला छठ पर्व का दूसरा दिन है।

श्रेष्ठ चौघड़िया- शुभ 8:10 से 9:30 तक, चर 12:11 से 1:31 तक, लाभ-अमृत 1:31 से 4:12 तक।

राहुकाल- 9:00 से 10:30 तक, सूर्योदय 6:50, सूर्यास्त 5:32



मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक-मांगलिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।



सिंह

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज रचनात्मक कार्यों में समय व्यतीत होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।



धनु

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। आज परिवार में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।



कन्या

घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



मकर

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।



मिथुन

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।



तुला

आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



कुंभ

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।



कर्क

व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी।



वृश्चिक

घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



मीन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान की ऐतिहासिक उपलब्धि



नंदिनी भार्गव



मोहन लाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व एवं राज्य सरकार की प्रभावी नीतियों के परिणामस्वरूप राजस्थान अक्षय ऊर्जा, विशेषकर सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहा है। प्रदेश में अब तक 51.6 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता तथा 45 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित हो चुकी है। अक्षय ऊर्जा उत्पादन, सौर ऊर्जा क्षमता स्थापना तथा प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) योजना के क्रियान्वयन में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है। राज्य सरकार की प्रतिबद्धता है कि सौर ऊर्जा की अपार संभावनाओं का उपयोग कर प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जाए तथा किसानों, युवाओं और निवेशकों के लिए विकास एवं रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएं।

राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियां, विशाल भू-भाग और वर्षभर उपलब्ध रहने वाली प्रचुर सूर्य की रोशनी इसे सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए विशेष रूप से अनुकूल बनाती हैं। राज्य सरकार इन संभावनाओं को साकार करने के लिए बड़े सौर ऊर्जा पार्क, रूफटॉप सोलर, पवन ऊर्जा, बायोमास तथा ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है। प्रदेश का लक्ष्य वर्ष 2030 तक लगभग 125 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता विकसित करना है। इसके साथ ही भारत सरकार के वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट जीवाश्म रहित ईंधन आधारित स्थापित विद्युत क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में राजस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

राज्य में अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के तीव्र विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा अनुकूल नीतिगत वातावरण तैयार किया गया है। मेगा अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के लिए भूमि उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से राइट टू यूज नीति जारी की गई है। वहीं, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 के माध्यम से अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने वाले उद्यिमयों एवं निवेशकों को विभिन्न प्रोत्साहन और सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इन पहलों से प्रदेश में बड़े निवेश आकर्षित होने के साथ ही ऊर्जा क्षेत्र में आधारभूत संरचना का विस्तार हो रहा है। राज्य में स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता में सौर ऊर्जा का महत्वपूर्ण योगदान है। सौर ऊर्जा के अतिरिक्त उत्पादन का प्रभावी उपयोग करने तथा बिजली की अधिकतम मांग के समय ग्रिड प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के विकास की कार्ययोजना भी तैयार की गई है।

सौर ऊर्जा उत्पादन में लगातार हो रही वृद्धि का सकारात्मक प्रभाव प्रदेश के कृषि क्षेत्र पर भी दिखाई दे रहा है। राज्य के 28 जिलों के किसानों को दिन के समय कृषि कार्यों एवं सिंचाई के लिए बिजली उपलब्ध करवाई जा रही है। राज्य सरकार ने वर्ष 2027 तक प्रदेश के सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध करवाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इससे किसानों को सिंचाई के लिए सुविधाजनक समय पर बिजली मिलेगी तथा कृषि कार्यों में निर्भरता और अनिश्चितता कम होगी।

राज्य सरकार का प्रयास है कि ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि का लाभ केवल औद्योगिक एवं शहरी क्षेत्रों तक सीमित न रहे, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि क्षेत्र को भी इसका प्रत्यक्ष लाभ मिले। इसी सोच के अनुरूप सौर ऊर्जा परियोजनाओं को कृषि क्षेत्र से जोड़ने और किसानों को ऊर्जा उत्पादन में भागीदार बनाने की दिशा में पीएम-कुसुम योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। राजस्थान की धरती पर सूर्य की प्रचुर रोशनी अब किसानों के लिए चुनौती के बजाय आर्थिक समृद्धि और आत्मनिर्भरता का नया माध्यम बन रही है।खेतों में स्थापित हो रहे सोलर पंप और कृषि भूमि पर विकसित किए जा रहे सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश की खेती को नई दिशा दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) का उद्देश्य किसानों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना, सिंचाई के लिए स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध करवाना, डीजल पर निर्भरता कम करना तथा कृषि क्षेत्र में विकेंद्रीकृत सौर ऊर्जा उत्पादन को प्रोत्साहित करना है। पीएम-कुसुम योजना को तीन प्रमुख घटकों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक घटक के माध्यम से किसानों को उनकी आवश्यकता और परिस्थितियों के अनुरूप सौर ऊर्जा से जुड़ने के अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं।

घटक- : कृषि भूमि से बिजली उत्पादन और नियमित आय का अवसर

योजना के घटक- के अंतर्गत किसान अपनी बंजर अथवा अनुपयोगी कृषि भूमि पर 500 किलोवाट से 2 मेगावाट तक क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए किसान स्वयं निवेश कर सकता है अथवा किसी परियोजना विकासकर्ता के साथ साझेदारी कर सकता है। किसान अपनी भूमि विकासकर्ता को पट्टे पर देकर भी नियमित आय अर्जित कर सकता है। संयंत्र से उत्पादित बिजली संबंधित विद्युत वितरण निगम (डिस्कॉम) द्वारा राज्य विद्युत नियामक आयोग की ओर से निर्धारित दर पर खरीदी जाती है।

राजस्थान में इस घटक के अंतर्गत परियोजना के लिए प्रस्तावित भूमि निकटतम विद्युत सब-स्टेशन से पांच किलोमीटर के दायरे में होनी आवश्यक है। खेती योग्य भूमि पर ऊंचे ढांचे पर सौर पैनल स्थापित कर उनके नीचे खेती जारी रखने की व्यवस्था भी की जा सकती है। इससे एक ही भूमि का उपयोग कृषि और ऊर्जा उत्पादन दोनों कार्यों के लिए संभव हो पाता है।

घटक- : डीजल पंपों से मुक्ति और सौर ऊर्जा से सिंचाई

राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक किसान सिंचाई के लिए डीजल पंपों पर निर्भर रहे हैं। डीजल की बढ़ती लागत और उपलब्धता से जुड़ी समस्याओं को देखते हुए योजना का घटक- किसानों को सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई की सुविधा उपलब्ध करवाता है। इसके तहत ऑफ-ग्रिड क्षेत्रों में स्टैंडअलोन सोलर कृषि पंप स्थापित किए जाते हैं। सामान्य योजना प्रावधानों के अनुसार 7.5 हॉर्स पावर तक के सोलर पंपों के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता उपलब्ध है।

घटक- : कृषि बिजली कनेक्शन का सौरकरण और अतिरिक्त बिजली से आय

योजना का घटक- पहले से ग्रिड से जुड़े कृषि पंपों को सौर ऊर्जा से जोड़ने पर केंद्रित है। इसमें व्यक्तिगत पंप सौरकरण और फीडर स्तर सौरकरण की व्यवस्था की गई है। व्यक्तिगत पंप सौरकरण के तहत किसान अपनी सिंचाई की आवश्यकता पूरी करने के बाद अतिरिक्त उत्पादित बिजली निर्धारित व्यवस्था के अनुसार डिस्कॉम को बेच सकता है। वहीं, फीडर स्तर सौरकरण के माध्यम से कृषि क्षेत्र को दिन के समय बिजली उपलब्ध करवाने की व्यवस्था को मजबूती मिलती है। इससे कृषि क्षेत्र की ऊर्जा जरूरतों को स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा के माध्यम से पूरा करने में मदद मिलती है।

पीएम-कुसुम योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में राजस्थान ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। राजस्थान में पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत कृषि भूमि पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का उल्लेखनीय उदाहरण जयपुर जिले की कोटपूतली तहसील के भालोजी गांव में देखने को मिला है। यहां 3.5 एकड़ कृषि भूमि पर एक मेगावाट क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया। इस परियोजना की वार्षिक बिजली उत्पादन क्षमता लगभग 17 लाख यूनिट बताई गई है। भालोजी गांव की यह परियोजना इस बात का उदाहरण है कि किसान अपनी अनुपयोगी अथवा कम उपयोग में आने वाली भूमि का बेहतर इस्तेमाल कर उसे आय का अतिरिक्त स्त्रोत बना सकते हैं। इससे कृषि क्षेत्र में ऊर्जा उत्पादन की नई संभावनाएं विकसित होने के साथ ठाामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिल रहा है।

राज्य में सामान्य किसानों के लिए न्यूनतम 0.4 हेक्टेयर भूमि स्वामित्व की सीमा अधिसूचित की गई है, जबकि अधिसूचित जनजातीय क्षेत्रों के लिए अधिसूचित जनजाति के किसानों के लिए यह सीमा 0.2 हेक्टेयर निर्धारित की गई है। इसके अतिरिक्त सोलर पंप स्थापित करने की सुविधा केवल कुएं और ट्यूबवेल तक सीमित नहीं रखी गई है। किसान निर्धारित शर्तों के अनुसार अपने खेत में बने फार्म पॉन्ड, वॉटर टैंक और डिग्गी के लिए भी सोलर पंप स्थापित कर सकते हैं।

सौर पंपों की स्थापना में आने वाली शुरुआती लागत को कम करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की ओर से वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। अक्षय ऊर्जा का विस्तार केवल बिजली उत्पादन बढ़ाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई से डीजल पंपों पर निर्भरता कम होती है, जिससे जीवाश्म ईंधन की खपत और उससे होने वाले प्रदूषण में कमी लाने में मदद मिलती है।

इसी प्रकार कृषि भूमि पर विकेंद्रीकृत सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना से स्थानीय स्तर पर बिजली उत्पादन को बढ़ावा मिलता है। कृषि फीडरों के सौरकरण से किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध करवाने की संभावनाएं मजबूत होती हैं। वहीं, ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के माध्यम से सौर ऊर्जा के अतिरिक्त उत्पादन का उपयोग आवश्यकता के समय किया जा सकता है। इससे बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता और ग्रिड प्रबंधन को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

राज्य सरकार का मानना है कि योजनाओं की सफलता का वास्तविक आकलन केवल स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या से नहीं, बल्कि उनके समयबद्ध क्रियान्वयन, नियमित संचालन और लाभार्थियों तक वास्तविक लाभ पहुंचने से होता है। इसी दृष्टिकोण के अनुरूप सोलर पंपों के रखरखाव, तकनीकी सहायता, अतिरिक्त बिजली की खरीद तथा भुगतान प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाना आवश्यक है। किसानों को योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और अनुदान से संबंधित सही जानकारी उपलब्ध करवाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

भारत सरकार ने पीएम-कुसुम योजना की कार्यान्वयन अवधि 31 मार्च 2027 तक बढ़ाई है। इससे स्वीकृत परियोजनाओं को पूरा करने और योजना का लाभ अधिकाधिक किसानों तक पहुंचाने के लिए अतिरिक्त अवसर उपलब्ध हुआ है। राज्य सरकार का प्रयास है कि केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं और नीतियों के समन्वय से प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन को नई गति मिले तथा किसानों की आर्थिक स्थिति और अधिक सुदृढ़ हो।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार ऊर्जा क्षेत्र में दीर्घकालिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध ढंग से कार्य कर रही है। 51.6 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता और 45 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता की स्थापना प्रदेश की इसी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वर्ष 2030 तक लगभग 125 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता विकसित करने का लक्ष्य राज्य को देश के ऊर्जा परिदृश्य में और अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार कर रहा है।

राजस्थान की धरती ने सदैव विपरीत परिस्थितियों में भी अन्न उत्पादन की क्षमता का परिचय दिया है। अब यही धरती सूर्य की अपार ऊर्जा से प्रदेश के विकास की नई इबारत लिख रही है। खेतों में फसलों के साथ ऊर्जा की नई फसल उगाने की यह पहल किसानों को अन्नदाता से ऊर्जादाता बनाने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार का संकल्प है कि अक्षय ऊर्जा की इन संभावनाओं का लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र, प्रत्येक वर्ग और विशेष रूप से किसान परिवारों तक पहुंचे तथा विकसित एवं ऊर्जा आत्मनिर्भर राजस्थान के लक्ष्य को साकार किया जा सके।

-नंदिनी भार्गव, इंटर्न -
मोहन लाल, एपीआरओ,
डीआईपीआर

ग्लोबल साउथ के नेतृत्व की ओर बढ़ता भारत



डॉ. सुरेन्द्र सिंह शेखावत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने वैश्विक राजनीति को नई दिशा दी है। अब भारत केवल अंतरराष्ट्रीय निर्णयों का सहभागी नहीं, बल्कि विकासशील देशों की आकांक्षाओं को वैश्विक विमर्श के केंद्र में लाने वाली एक प्रभावशाली शक्ति बनकर उभर रहा है।

इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक वैश्विक राजनीति में व्यापक परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद स्थापित अंतरराष्ट्रीय शक्ति-संतुलन नई चुनौतियों से गुजर रहा है। पश्चिमी देशों के परंपरागत प्रभुत्व के समानांतर एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील देश विश्व व्यवस्था में अपनी न्यायसंगत भागीदारी की मांग कर रहे हैं। ऐसे ऐतिहासिक संक्रमण के दौर में भारत एक नई भूमिका के साथ सामने आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने न केवल अपनी वैश्विक प्रतिष्ठा को सुदृढ़ किया है, बल्कि उन देशों की आवाज़ बनने का प्रयास भी किया है, जो लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय निर्णय प्रक्रिया में अपेक्षित प्रतिनिधित्व से वंचित रहे हैं।

आज प्रश्न केवल यह नहीं है कि भारत ग्लोबल साउथ का नेतृत्व कर सकता है या नहीं। अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या भारत विश्व राजनीति को एक ऐसी नई दिशा दे सकता है, जिसमें आर्थिक सामर्थ्य के साथ मानवीय संवेदनशीलता, राष्ट्रीय हितों के साथ वैश्विक उत्तरदायित्व और प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग को समान महत्व मिले?

भारत की सभ्यतागत चेतना में इस प्रश्न का उत्तर निहित है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' भारत के लिए केवल एक सांस्कृतिक उद्घोष नहीं, बल्कि उसकी विदेश नीति का व्यापक दार्शनिक आधार है। विश्व को एक परिवार मानने की यह दृष्टि आज उस समय अधिक प्रासंगिक हो जाती है, जब दुनिया युद्ध, आर्थिक असमानता, जलवायु संकट और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से जूझ रही है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की विशेषता यह रही है कि भारत ने अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए विश्व की प्रमुख शक्तियों के साथ संबंधों का विस्तार किया है। अमेरिका, रूस, यूरोप, जापान और पश्चिम एशिया के देशों के साथ सहयोग बढ़ाने के बावजूद भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक शक्ति केंद्र के अधीन नहीं होने दिया। यह स्वतंत्र दृष्टिकोण ग्लोबल साउथ के देशों के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि वे भी अपनी विकास संबंधी प्राथमिकताओं को वैश्विक शक्तियों की प्रतिस्पर्धा से स्वतंत्र रखना चाहते हैं।

वर्ष 2023 में भारत की जी-20 अध्यक्षता इस बदलती भूमिका का ऐतिहासिक उदाहरण बनी। नई दिल्ली शिखर सम्मेलन में अफ्रीकी संघ को जी-20 की स्थायी सदस्यता दिलाने में भारत की पहल ने वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में अफ्रीका की भागीदारी को संस्थागत आधार प्रदान किया। यह उपलब्धि केवल भारतीय कूटनीति की सफलता नहीं थी, बल्कि विकासशील विश्व के प्रतिनिधित्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन था।

इसी क्रम में भारत द्वारा आयोजित 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' शिखर सम्मेलनों ने विकासशील देशों को अपनी प्राथमिकताओं, समस्याओं और अपेक्षाओं को साझा करने का मंच उपलब्ध कराया। इससे यह स्पष्ट हुआ कि भारत वैश्विक दक्षिण के नेतृत्व को केवल कूटनीतिक प्रतिष्ठा का विषय नहीं, बल्कि साझा विकास की जिम्मेदारी के रूप में देखता है। भारत की बढ़ती आर्थिक शक्ति भी इस भूमिका को आधार प्रदान करती है। दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत का बढ़ता महत्व, डिजिटल तकनीक में नवाचार, आधारभूत ढांचे का विस्तार और विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहन देने वाली नीतियां विकासशील देशों के लिए उपयोगी अनुभव प्रस्तुत करती हैं।

विशेष रूप से डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के क्षेत्र में भारत ने उल्लेखनीय क्षमताएं विकसित की हैं। इसी प्रकार सस्ती दवाओं, टीका निर्माण, कृषि अनुसंधान, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और नवीकरणीय ऊर्जा में भारत की उपलब्धियां ग्लोबल साउथ के लिए महत्वपूर्ण संभावनाएं उत्पन्न करती हैं। कोरोना महामारी के दौरान 'वैक्सीन मैत्री' पहल के माध्यम से भारत ने अनेक देशों को टीके उपलब्ध कराए। यह उस भारतीय दृष्टिकोण की अभिव्यक्ति थी, जिसमें वैश्विक संकट के समय सहयोग को केवल आर्थिक लाभ की कसौटी पर नहीं आंका जाता। जलवायु परिवर्तन के प्रश्न पर भी भारत ने विकासशील देशों के हितों को प्रमुखता से उठाया है।

अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और मिशन लाइफ जैसी पहलें इस बात का संकेत हैं कि भारत पर्यावरण संरक्षण को केवल प्रतिबंधों और दायित्वों के रूप में नहीं, बल्कि तकनीकी नवाचार, जनभागीदारी और सतत विकास के अवसर के रूप में देखता है। भविष्य में स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी, हरित वित्त और ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भारत की भूमिका ग्लोबल साउथ के लिए विशेष महत्व रखेगी। हालांकि भारत के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। चीन ने बेल्ट एंड रोड पहल के माध्यम से एशिया, अफ्रीका और लैटिन अ

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 103 प्रभात जयपुर, शनिवार 14 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot



The Woman Who Saved Dostoevsky

She never remarried. When people asked why, her answer was simple in spirit, if not always in words: "Whom should I marry after Dostoevsky?"

What Every Saree Owner Should Know

The Pigeon That Brought a Pebble Every Morning

क्या भाजपा के पास पर्याप्त संख्या बल नहीं है, ''डीलिमिटेशन'' विधेयक पारित कराने के लिये?

क्या इसीलिये मानसून सत्र का विधिवत् अवसान नहीं हुआ, और शीतकालीन सत्र सिर पर आ गया है?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 नवम्बर। संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर, 2026 तक बुलाए जाने की संभावना है।

लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी सरकार, और खासकर अमित शाह, ने अभी तक मानसून सत्र को औपचारिक रूप से समाप्त नहीं किया है। वे परिसीमन विधेयक पारित कराने के लिए जरूरी संख्या जुटाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें बहुमत नहीं मिल पाया है।

लोकसभा का अभी तक सत्रावसान नहीं किया गया है। इस उम्मीद में कि शायद कुछ पार्टियाँ आपस में मिल जाएं और भाजपा को जरूरी संख्या मिल जाए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

राजनीतिक दलों को तोड़ने और अपने साथ मिलाने की इस ताजा कोशिश में, अमित शाह अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी/एन.सी.पी.) के दोनों गुटों को एकजुट करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि सरकार को मदद मिल सके।

- ऐसा कहा जा रहा है कि पवार की सहमति तो लगभग प्राप्त कर ली गई है, ''डीलिमिटेशन'' विधेयक पारित कराने के लिये, पर, सुप्रिया सूले अभी विधेयक को समर्थन देने के लिए राजी नहीं हैं।
- साथ ही राहुल गांधी ''वोट चोरी'' के मुद्दे पर अड़े हुए हैं, अतः ऐसा ही प्रतीत हो रहा है कि, शीलकालीन सत्र का भी वही हश्र होगा, जो मानसून सत्र का होता दिख रहा है।
- दूसरी ओर राहुल गांधी बार-बार दोहरा रहे हैं कि प्र.मंत्री मोदी, वोट चोरी के मसले पर उनसे सार्वजनिक बहस करें।
- निर्मला सीतारमन से प्रत्युत्तर में कहा, संसद का सत्र चल रहा है, अगर राहुल को बहस करनी है तो संसद में बहस करें, व्यर्थ ही प्र.मंत्री से वन-टू-वन सार्वजनिक बहस की ज़िद छोड़ कर संसद को गंभीरता से लें।

ताजा खबरों के अनुसार, सुप्रिया सुले इसके लिए तैयार नहीं हैं।

इससे पहले, अमित शाह ने तृणमूल कांग्रेस में भी तोड़फोड़ की थी, जहाँ पार्टी से अलग हुए सांसद पश्चिम बंगाल के एक अनजान और निष्क्रिय राजनीतिक दल में शामिल हो गए थे, लेकिन यह मामला अब भी अदालत में लंबित है।

अमित शाह समय-समय पर अपने करीबी मीडिया को यह बताते रहे हैं कि उनके पास परिसीमन विधेयक पारित कराने के लिए पर्याप्त संख्या है। लेकिन अब तक संसद का कोई विशेष सत्र नहीं बुलाया गया है और शीतकालीन सत्र का समय भी अब नजदीक आ गया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे का मुद्दा भी अब तक अधर में लटका हुआ है।

उम्मीद है कि राहुल गांधी और पूरा विपक्ष मिलकर 'वोट चोरी' के मुद्दे को लगातार उठाते रहेंगे। उनका आरोप है कि सरकार के इशारे पर काम करते हुए, मुख्य चुनाव आयुक्त ने लोकतंत्र को कमजोर किया है और वोट चोरी में शामिल रहे हैं।

राहुल गांधी के आक्रामक रुख, और किसी भी तरह का समझौता न करने के उनके इरादे को देखते हुए, इस बात की संभावना कम ही है कि संसद के शीतकालीन सत्र का हश्र मानसून सत्र से कुछ अलग होगा।

राजनीतिक घटनाक्रम पर करीबी नजर रखने वालों का कहना है कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी के साथ बहस करना चाहते हैं, लेकिन निकट भविष्य में ऐसा होता नहीं दिख रहा है।

कांजीरंगा के पास बस-ट्रक भिड़ंत में 26 की मौत

कांजीरंगा, 13 नवंबर। असम में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के निकट शुक्रवार को एक मिनी बस और कंटेनर ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में 26 लोगों की मौत हो गई तथा 20 अन्य घायल हो गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनमें से कई कॉलेज के छात्र थे, जो कक्षाएं खत्म

- मृतकों में अधिकांश कॉलेजों के छात्र थे जो घर वापस लौट रहे थे।

होने के बाद घर लौट रहे थे।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना उस वक्त हुई जब राष्ट्रीय राजमार्ग-715 पर कोहोरा रेंज स्थित हाथीकुली चाय बागान के निकट रंगाजान में बस की ट्रक से टक्कर हो गई। मुख्यमंत्री हिमंत बिश्वा शर्मा ने विश्वनाथ में एक आधिकारिक कार्यक्रम के दौरान कहा कि दोपहर में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के निकट एक बेहद दुखद दुर्घटना हुई। उन्होंने कहा कि मृतकों में कॉलेज के विद्यार्थी भी शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल कई लोगों का बोकाखाट सिविल अस्पताल और जोरहाट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। शर्मा ने कहा, ''मंत्री रानोज पेगू जल्द ही काजीरंगा जाएंगे और मैं भी कल वहां जाऊंगा।'' इससे पहले गोलाघाट जिले के एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने संवाददाताओं से कहा था कि हादसे में मरने वालों की संख्या तेजी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अकाली दल व भाजपा गठबंधन इसी माह नवम्बर में घोषित होगा?

दोनों पार्टियों का 2020 में काफी कटुतापूर्ण तरीके से सम्बंध विच्छेद हुआ था, फार्म लॉ के मुद्दे पर, पर दोनों पार्टियां इस विछोह के बाद गफलत में पड़ गई थीं, पंजाब की राजनीति में

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 13 नवंबर। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच चुनावी गठबंधन नवंबर में अंतिम रूप ले सकता है।

गठबंधन की शर्तों, जिनमें सीटों के बंटवारे का फार्मूला भी शामिल है, पर अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल और गृह मंत्री अमित शाह के बीच होने वाली बैठक में चर्चा होने की उम्मीद है। यह बैठक आज रात या शनिवार को नई दिल्ली में हो सकती है।

सूत्रों के अनुसार, बादल आज रायकोट में होने वाली रैली में शामिल होने के बाद दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

बातचीत में पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटें शामिल हैं। भाजपा, जो पहले गठबंधन में छोटे सहयोगी के रूप में केवल 23 सीटों पर चुनाव लड़ती थी, अब कहीं अधिक सीटें मांग रही है। खबरों के अनुसार, पार्टी 45 सीटों, यहां तक कि 50 से 60 सीटों की मांग कर रही है। बातचीत में संगठन के विस्तार और जनता के बीच अपनी राजनीतिक छवि तथा मुद्दों को मजबूत करने पर भी चर्चा होने की संभावना है। भाजपा के पंजाब चुनाव प्रभारी और जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल भी इस बैठक में शामिल हो सकते हैं।

यह गठबंधन सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के खिलाफ चुनावी मुकाबले की तस्वीर को काफी हद तक बदल सकता है। अकाली दल का पारंपरिक ग्रामीण और सिख आधार और भाजपा की शहरी व अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बढ़ती मौजूदगी मिलकर सत्ता विरोधी वोटों को एकजुट कर सकते हैं। इससे एनडीए एक मजबूत विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। हाल के चुनावी सर्वेक्षणों में दोनों ही

- हालांकि, अभी भी अगर दोनों पार्टियां अलग-अलग होकर चुनाव लड़ती हैं, तो दोनों का स्वतंत्र रुप से ''वोट शेयर'' काफी कम ही रहेगा।
- पर आशा की जा रही है, कि अगर दोनों गठबंधन कर चुनाव लड़ती हैं तो अकाली दल का ग्रामीण क्षेत्र का वोट बैंक व भाजपा का शहर व कस्बों का वोट बैंक मिलने से दोनों पार्टियों को काफी लाभ मिल सकता है।
- पर, क्या दोनों पार्टियां अपना वोट अपने गठबंधन के साथी को ट्रांसफर कराने में सफल रहेंगी?

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमिताभ बच्चन पुनः काम पर लौटे

लॉरैंस बिशनोई की धमकी के बाद, वे काफी सतर्क हो गये थे जनता के बीच जाने के बारे में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 नवम्बर। महानायक अमिताभ बच्चन वापस आ गए हैं, जहां उन्हें देखना लाखों दर्शक पसंद करते हैं, कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) के मंच पर।

अपनी सेहत पर ध्यान देने के लिए कुछ समय का ब्रेक लेने की घोषणा करने के कुछ सप्ताह बाद, महानायक इस लोकप्रिय क्विज़ शो के सेट पर लौट आए हैं। उनके लौटने से शो में एक बार फिर उनकी जानी-पहचानी ऊर्जा और मनमोहक मुस्कान देखने को मिल रही है।

- पर, पुनः काम पर लौटने से उनके प्रशंसकों ने चैन की सांस ली।
- तथा, इसी दौरान दिवाली का त्योहार आने से उनकी अनुपस्थिति स्वतः ही ''कवर अप'' हो गई है।

केबीसी के एक नए प्रोमो में बिग बी ने दिवाली के त्योहार के बाद दर्शकों का गर्मजोशी से स्वागत किया और अपने प्रियजनों के साथ त्योहार मनाने के बारे में बताया।

बिग बी ने कहा, ''आप सबकी दिवाली बहुत शानदार रही होगी। हमने भी अपने प्रियजनों के साथ दिवाली मनाई। लेकिन हमारा एक और घर भी तो है, केबीसी का मंच।''

सऊदी अरब की उड़ानें 30 नवम्बर तक रद्द

नई दिल्ली, 13 नवंबर। एअर इंडिया, आज शुक्रवार को ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इसके तहत रियाद और दम्मम के लिए आने-जाने वाली उड़ानों को 30 नवंबर तक के लिए

- एयर इंडिया और अकासा एयर ने घोषणा की।

सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, जेद्दा से जुड़ी सेवाएं 21 नवंबर तक रद्द रहेंगी।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जब इस क्षेत्र में उड़ान सेवाओं में लगातार रुकावटें आ रही हैं। इंडिगो ने 10 नवंबर को जेद्दा और मदीना आने-जाने वाली अपनी सेवाओं के निलंबन को 21 नवंबर तक बढ़ा दिया था। अकासा एयर ने भी गुरुवार को घोषणा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'प्र.मंत्री मेरा फोन ''टैप'' करवा रहे हैं'

राहुल गांधी ने आरोप तो लगाया, पर कोई सबूत पेश नहीं कर पाये

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 13 नवंबर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अपना फोन टैप करने का आरोप लगाया। ऑनलाइन बातचीत के एक सैशन के दौरान गांधी ने अपना फोन उठाकर दिखाया और कहा कि उनके पास प्रधानमंत्री के खिलाफ सभी सबूत इसी फोन में हैं। साथ ही, उन्होंने कई मुद्दों पर प्रधानमंत्री के साथ आमने-सामने की बहस (वन-ऑन-वन डिबेट) करने की अपनी चुनौती भी दोहराई।

उन्होंने अपना फोन दिखाते हुए कहा, ''सबूत इस फोन में हैं और प्रधानमंत्री को इसकी जानकारी है, क्योंकि वे मेरा फोन टैप करवाते हैं।''

- बारह दिन में सातवीं बार, प्र.मंत्री को चुनौती दी, कि वे (प्र.मंत्री) ''वोट चोरी'' के मुद्दे पर सार्वजनिक बहस करें।

हालांकि, विपक्ष के नेता ने इस सैशन के दौरान, फोन टैप किए जाने के अपने आरोप को साबित करने के लिए कोई ऐसा तकनीकी सबूत पेश नहीं किया, जिसकी इस आरोप की पुष्टि की जा सके।

उन्होंने यह आरोप इंस्टाग्राम पर आयोजित ''आस्क मी'' के दौरान लगाया। इस सैशन के दौरान उन्होंने अपने समर्थकों के सवालों के जवाब दिए और प्रधानमंत्री के साथ सीधी सार्वजनिक बहस की अपनी मांग दोहराई।

राहुल गांधी पहले भी फोन टैपिंग के आरोप लगा चुके हैं। उनका दावा था कि केन्द्रीय एजेंसियों द्वारा फोन टैप करने के लिए, ''पेगासस'' के जरिए, उनके और कई अन्य नेताओं के फोन की जासूसी की गई थी।

गांधी ने 2023 में आरोप लगाया था, ''मेरे अपने फोन में भी पेगासस था। बड़ी संख्या में नेताओं के फोन में पेगासस मौजूद है। मुझे खुफिया अधिकारियों ने फोन करके कहा है कि आप अपने फोन पर क्या बोलते हैं, इस बारे में सावधान रहें, क्योंकि हम आपकी बातें रिकॉर्ड कर रहे हैं।''

केन्द्र सरकार ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था।

शुक्रवार को उन्होंने फिर कहा कि आमने-सामने की बहस से यह हमेशा के लिए साफ हो जाएगा कि कौन विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहा है और कौन देश विरोधी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके पास प्रधानमंत्री के खिलाफ ''सबूत'' हैं।

शुक्रवार को दिए गए इस बयान के साथ, पिछले 12 दिनों में यह सातवां अवसर है, जब ˇ गांधी ने सार्वजनिक रूप से प्रधानमंत्री मोदी को बहस की चुनौती दी है।

कांग्रेस नेता बार-बार चुनावी प्रक्रिया, विदेशी प्रभाव और राष्ट्रीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

किश्तवाड़ के हत्यारे आंतकियों के पोस्टर जारी

किश्तवाड़, 13 नवंबर। दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स (एसपीओ) की हत्या के बाद किश्तवाड़ जिला पुलिस ने वांटेड आतंकियों के पोस्टर जारी किए हैं। साथ ही, उनकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने वाले को 30

- जानकारी देने वालों को 30 लाख रुपये के नकद ईनाम की घोषणा की।

लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की है।

इन आतंकियों की पहचान मोहम्मद अमीन उर्फ जहांगीर, रियाज अहमद उर्फ हजारी और मुदस्सिर हुसैन के रूप में हुई है। यह घोषणा तब की गई है, जब गुरुवार सुबह किश्तवाड़ में एसपीओ बबी चंद और रशपाल कुमार के गोलियों से छलनी शव मिले। ये दोनों बुधवार से लापता थे।

पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि अगर उन्हें इन आतंकियों के ठिकाने के बारे में कोई जानकारी हो, तो 9797900958 और 1995357494 नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जानकारी देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

एनवीडिया में हुआंग का स्थान लेने के लिये खोज शुरु हुई

इस खोज में तीन भारतीय टैक्नोलॉजी विशेषज्ञ भी ''शॉर्ट-लिस्ट''

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 नवम्बर। ''एनवीडिया'' ने अपने लंबे समय से मुख्य कार्यकारी अधिकारी रहे जेनसन हुआंग के स्थायी उत्तराधिकारी की तलाश शुरू कर दी है। हुआंग ने विवाहेतर संबंधों से जुड़ी कई खबरों, जिनमें एक कथित चीनी जासूस के साथ संबंध भी शामिल है, को लेकर हो रही जांच के बीच इस्तीफा दे दिया है। इस घटनाक्रम ने चिप बनाने वाली इस कंपनी के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है।

चिप बनाने वाली इस कंपनी ने कहा है कि उसका निदेशक मंडल (बोर्ड) ऐसे किसी भी उम्मीदवार (चाहे वह कंपनी के भीतर का हो या बाहर का) पर विचार करने के लिए तैयार है, जो हुआंग की जगह लेने की चुनौतीपूर्ण जिम्मेवारी संभाल सके। हुआंग ने ही एनवीडिया को आर्टिफिशल इंटैलिजैंस के क्षेत्र की एक बड़ी ताकत बनाया था। विश्लेषकों और निवेशकों का मानना है कि दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों में से एक की कमान संभालने वाले व्यक्ति को टैक्नॉलजी की अच्छी समझ होनी चाहिए, उसके पास एक स्पष्ट विज़न होना चाहिए और उसे वित्तीय मामलों की भी अच्छी समझ होनी चाहिए। इसकी वजह यह है कि एनवीडिया न केवल ए.आई. के क्षेत्र में एक प्रमुख निर्माता है, बल्कि ए.आई. बूम में एक बड़ा निवेशक भी रही है।

एक बहुत बड़ी कंपनी चलाने का अनुभव भी इस पद के लिए जरूरी माना जा रहा है, ताकि नियामक संस्थाओं की जांच (रैगुलेटरी स्क्रूटनी), भू-राजनीतिक तनाव और ए.आई. बूम के कारण आए आर्थिक उतार-चढ़ाव से निपटा जा सके।

हुआंग के पद छोड़ने के बाद एनवीडिया ने कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी (चीफ फयनैंशियल ऑफिसर) कोलेट क्रैस को अंतरिम सी.ई.ओ. नियुक्त किया है। इस बीच, कंपनी का बोर्ड अन्य उम्मीदवारों पर

- ये तीन भारतीय हैंः संजय मेहरोत्रा, जो वर्तमान में ''चिप्स'' बनाने वाली कम्पनी माइक्रॉन के सी.ई.ओ. हैं। निकेश अरोड़ा, जो 2018 से सैन डिस्क कम्पनी के सी.ई.ओ. रहे हैं, ने इस चिप्स निर्माता कम्पनी को एक ट्रिलियन की कम्पनी बनाने में नेतृत्व प्रदान किया, तथा चिप्स निर्माता कम्पनी को ए.आई. में पदार्पण कराया, तथा थॉमस कुरियन जो गूगल कम्पनी में, क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर, एन्टरप्राइज़ सॉफ्टवेयर व ए.आई. सर्विसेज़ का काम देखते हैं।

विचार कर रहा है। इनमें भारतीय मूल के तीन लोग भी शामिल हैं।

हुआंग के ये संभावित उत्तराधिकारी इस प्रकार हैं:

संजय मेहरोत्रा : मैमरी चिप बनाने वाली कंपनी ''माइक्रोन'' के चीफ एग्ज़िक्यूटिव ऑफिसर संजय मेहरोत्रा एनवीडिया के शीर्ष पद के संभावित उम्मीदवारों में से एक हैं। उन्हें चार दशक से अधिक का अनुभव है और उन्होंने एनवीडिया के साथ मिलकर काम किया है। एनवीडिया माइक्रोन के उत्पादों का इस्तेमाल करती है।

मेहरोत्रा 2017 से अमेरिका की सबसे बड़ी मैमरी चिप निर्माता कंपनी माइक्रोन का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कंपनी को ए.आई. सिस्टम के लिए एक प्रमुख सप्लायर के रुप में विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। माइक्रोन से पहले, मेहरोत्रा ने 1988 में फ्लैश- मैमरी क्षेत्र की अग्रणी कंपनी ''सैनडिस्क'' की सह-स्थापना की थी और 2016 में कंपनी की बिक्री होने तक उससे जुड़े रहे। उन्होंने 2011 से सैनडिस्क के सी.ई.ओ. के रूप में काम किया और इसे फॉर्च्यून 500 में शामिल एक प्रमुख सेमीकंडक्टर कंपनी बनाने में मदद की।

मेहरोत्रा के नेतृत्व में माइक्रोन ने एनवीडिया के साथ अपने संबंध और मजबूत किए हैं और अपना ध्यान ए.आई. सर्वरों में इस्तेमाल होने वाली ''हाई-बैंडविड्थ मैमरी चिप्स'' बनाने पर केन्द्रित किया है। इस बदलाव ने कंपनी को लगभग एक ट्रिलियन डॉलर के वैल्युएशन तक पहुंचने में मदद की, क्योंकि ए.आई. इन्फ्रास्ट्रक्चर की मांग में भारी उछाल आया है।

निकेश अरोड़ा: ''पालो ऑल्टो नेटवर्क्स'' के सी.ई.ओ. निकेश अरोड़ा का नाम भी संभावित उत्तराधिकारी के रूप में सामने आया है। ''इकोनॉमिक टाइम्स'' की एक रिपोर्ट के अनुसार, निवेशकों ने उनका नाम इस पद के लिए सुझाया है।

अरोड़ा 2018 से पालो ऑल्टो नेटवर्क्स का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके कार्यकाल में कंपनी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सायबर सुरक्षा के क्षेत्र में अपना विस्तार किया है। उनकी आधिकारिक जीवनी के अनुसार, वे पहले सॉफ्टबैंक के अध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी भी रह चुके हैं। इसके अलावा, उन्होंने गूगल में एक दशक तक काम किया है।

तथापि, उनका अनुभव चिप विकास के बजाय, मुख्य रूप से सायबर सुरक्षा और तकनीक के अन्य क्षेत्रों में रहा है।

थॉमस कुरियन : ''एक्सियोस'' की एक रिपोर्ट के अनुसार, गूगल क्लाउड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थॉमस कुरियन के नाम पर भी एनवीडिया के शीर्ष पद के लिए विचार किया जा सकता है।

कुरियन गूगल में क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर, एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर और ए.आई. सेवाओं की देखरेख करते हैं। इससे उन्हें उन बड़े ग्राहकों और टैक्नॉलजी के साथ काम करने का अनुभव मिला है, जो एनवीडिया के कारोबार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने बेंगलुरु मैट्रो पिंक लाइन का उद्घाटन किया

बेंगलुरु, 13 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज शुक्रवार, 13 नवंबर को बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया। पीएम मोदी के साथ इस मौके पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके

- कर्नाटक के मुख्यमंत्री शिवकुमार भी उद्घाटन में प्रधानमंत्री के साथ थे।

शिवकुमार भी नजर आए। प्रधानमंत्री ने सीएम डीके शिवकुमार का हाथ पकड़कर मेट्रो को हरी झंडी दिखाई।

बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन कलेना अग्रहारा से तावरेकेरे तक जाएगी। इस रूट को करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है।

बेंगलुरु मेट्रो में पिंक लाइन के शुरू होने से कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इससे लोगों को इस रूट पर रोजाना आने-जाने में आसानी भी होगी और यात्रा के समय के भी कम होने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री मोदी और कर्नाटक के मुख्यमंत्री इस उद्घाटन समारोह के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजीविका का राष्ट्रीय सरस मेला अगले माह जयपुर में होगा : भजनलाल शर्मा

देशभर की स्वयं सहायता समूह महिलाओं को मिलेगा मंच : मुख्यमंत्री

जयपुर (कासं)। आगामी दिसंबर माह में जयपुर में राजीविका के राष्ट्रीय सरस मेले का आयोजन होने जा रहा है, जिसके माध्यम से देशभर की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस आयोजन में प्रदेश की समृद्ध कला से संबंधित स्थानीय उत्पादों को शामिल करने एवं प्रदेश की राजीविका महिलाओं की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए बैठकें आयोजित कर महिलाओं को प्रोत्साहित किया जाए।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को सीएमओ में राजीविका एवं डेयरी विभाग की समीक्षा बैठक ली।

- राजीविका उत्पादों की बिक्री के लिए विकसित हो रहा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म : सीएम
- राजीविका महिलाओं को उत्पाद बनाने से लेकर मार्केटिंग और ब्रांडिंग के मिले अवसर : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजीविका एवं डेयरी विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि ये सेक्टर ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक समृद्धि के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन के प्रभावी माध्यम हैं। ऐसे में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें उत्पाद निर्माण के साथ मार्केटिंग, ब्रांडिंग एवं बिक्री के अवसर भी उपलब्ध करवाए जाएं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 25 लाख लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है, जिसके तहत अब तक 20 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। महिला स्वयं सहायता समूहों को आजीविका के बेहतर अवसरों के साथ उनके उत्पादों की बिक्री के लिए बाजार उपलब्ध करवाना जरूरी है। ऐसे में राज्य सरकार महिलाओं के उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध करवाने के लिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म विकसित कर रही है। इससे उनके उत्पादों की पहुंच बढ़ेगी और आय के नए अवसर सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री ने सरस सखी योजना को ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता एवं आर्थिक समृद्धि की दिशा में अभिनव पहल बताया। उन्होंने कहा कि राजीविका एवं डेयरी विभाग संयुक्त कार्ययोजना को प्रभावी रूप से लागू करते हुए उत्पादों को एकीकृत विपणन नेटवर्क से जोड़े। साथ ही, उन्होंने सरस सखियों को संभाग स्तर पर प्रशिक्षण उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विजय बाजिया हत्याकांड : आरोपियों के रिश्तेदारों के ठिकानों पर पुलिस की दबिश

तीन ट्रैक्टर, जीप और कार जब्त किए पुलिस टीम ने

जयपुर। करधनी थाना क्षेत्र में हिस्ट्रीशीटर विजय बाजिया की कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या करने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों और उनके रिश्तेदारों के ठिकानों पर जयपुर ग्रामीण जिला पुलिस ने गुरुवार रात दबिश दी। इस दौरान तीन संदिग्ध ट्रैक्टर, एक डीआई जीप और एक कार जब्त की गई। पुलिस के अनुसार, हत्या की वारदात सात साल पहले हुई पिता की हत्या की रंजिश में अंजाम दी गई थी।

गौरतलब है कि तिबारिया (जयपुर ग्रामीण) निवासी विजय बाजिया की 11 नवंबर 2026 को करधनी थाना क्षेत्र में रावण गेट के पास कुल्हाड़ी से हमला कर हत्या कर दी गई थी। जयपुर पश्चिम पुलिस ने मामले में अनीश गोलिया, कमलेश गोलिया, युवराज चौधरी और दिनेश निठारवाल को गिरफ्तार किया है।

जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि जयपुर ग्रामीण एसपी नीरज पाठक के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने आरोपियों और उनके रिश्तेदारों के ठिकानों पर दबिश दी। मुख्य आरोपी अनीश गोलिया के घर से एक संदिग्ध ट्रैक्टर और एक डीआई जीप जब्त की गई। ये दोनों वाहन भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 106 के तहत जब्त किए गए। वहीं, अनीश के चचेरे भाई कमलेश के घर से दो संदिग्ध ट्रैक्टर और एक कार मिली, जिन्हें भी जब्त किया गया। पुलिस ने दिनेश निठारवाल और युवराज चौधरी के घर भी दबिश दी। वारदात में अन्य लोगों की भूमिका की जयपुर पश्चिम पुलिस जांच कर रही है।

पुलिस जांच के अनुसार विजय बाजिया और उसके भाई बजरंग ने वर्ष 2019 में कैलाश गोलिया की हत्या की थी। कैलाश, मुख्य आरोपी अनीश गोलिया के पिता थे। पिता की हत्या के बाद से अनीश और उसके परिवार में विजय के प्रति रंजिश थी। विजय और अनीश के परिवारों के खेत आसपास होने के कारण अक्सर आमना-सामना होता था। आरोप है कि विजय खेतों में आने-जाने के दौरान अनीश और उसके परिजनों को कैलाश की हत्या का जिक्र कर ताने देता था।

जयपुर पश्चिम डीसीपी प्रशांत किरण ने बताया कि करीब तीन महीने पहले भी दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हुआ था। इस संबंध में जोबनेर थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। बाद में दोनों पक्षों में राजीनामा हो गया, लेकिन आपसी रंजिश बनी रही।

पुलिस के अनुसार 11 नवंबर को अनीश और उसका चचेरा भाई कमलेश तिबारिया गांव में ग्वार बेचने जा रहे थे। रास्ते में उनकी मुलाकात विजय से हुई। आरोप है कि विजय ने फिर से अनीश को उसके पिता की हत्या का जिक्र कर धमकी दी। इससे नाराज होकर अनीश और कमलेश ने अपने साथियों युवराज चौधरी और दिनेश निठारवाल को बुलाया। इसके बाद चारों ने विजय की हत्या की साजिश रची।

आरोपियों ने वारदात के लिए नई कुल्हाड़ियां खरीदीं। इसके लिए 750 रुपये में कुल्हाड़ियां खरीदी गईं और 150 रुपये में उनके हत्थे लगवाए गए। आरोपियों ने सोशल मीडिया पर विजय की रील और तस्वीरें देखकर उसकी गाड़ी की पहचान की तथा गाड़ी के नंबर जुटाए। इसके बाद जोबनेर से जयपुर तक उसका पीछा किया। पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने 11 नवंबर की रात करीब आठ बजे करधनी थाना क्षेत्र में रावण गेट के पास विजय की गाड़ी रुकवाकर उस पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। हमले में उसकी मौत हो गई।

पुलिस जांच में सामने आया कि विजय बाजिया तिबारिया, बस्सी नागान का रहने वाला था। जयपुर के हाथोज स्थित रॉयल सिटी में जेपी प्रॉपर्टीज के नाम से उसका कार्यालय था और वह प्रॉपर्टी का कारोबार करता था। वह हाथोज में एक फ्लैट में नांगल लाठी निवासी सीताराम नायक के साथ रहता था।

जांच में यह भी सामने आया कि प्रॉपर्टी विवादों में विजय कई लोगों को पुराने हत्या के मामलों का जिक्र कर डराता था। पुलिस वारदात में अन्य संभावित आरोपियों और पूरे घटनाक्रम से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है।

राज्यपाल ने शोक जताया

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने असम के काजीरंगा में हुए भीषण सड़क हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से मृतकों की पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की है।

जयपुर की 300 साल की विरासत को समर्पित होगा पहला डिजाइन फेस्टिवल

जयपुर। जयपुर की ऐतिहासिक विरासत और भविष्य की पहचान को डिजाइन के नजरिए से समझने के लिए पहली बार जयपुर डिजाइन फेस्टिवल (जेडीएफ) का आयोजन 16 से 18 नवंबर तक जवाहर कला केंद्र में होगा। एसोसिएशन ऑफ डिजाइनर्स ऑफ इंडिया (एडीआई) के जयपुर चैप्टर की ओर से आयोजित इस फेस्टिवल की थीम 'जयपुर रीइमैजिन्ड बाय डिजाइन' रखी गई है। इसमें डिजाइनर, वास्तुकार, शिक्षाविद्, शिल्पकार और उद्यमी भाग लेंगे।

- 16 से 18 नवंबर तक जवाहर कला केंद्र में आयोजन होगा
- छह मंचों पर शहर के भविष्य, शिल्प, पर्यावरण, शिक्षा और तकनीक पर चर्चा होगी; शाम को लोककला, कविता और संगीत की प्रस्तुतियां



फेस्टिवल में शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, शिल्प, शहरी विकास, उद्यमिता और उभरती तकनीकों पर छह मंचों के माध्यम से विचार-विमर्श होगा। इनमें 'एजुकेशन बाय डिजाइन', 'सर्कुलर जयपुर', 'क्राफ्टिंग आइडेंटिटी', 'द सिटी वी मेक', 'डिजाइन इंडस्ट्री एंड एंटरप्राइज' और 'द फ्यूचर ऑफ डिजाइन' शामिल हैं। विभिन्न सत्रों में जीनान के.बी., मनीषा मोहन, संदीप सेठी, दिलीप बैद, गौरव शौरी, ममता मंसिंका, गीतांजलि कासलीवाल, नरेश नरसिम्हन, मनीषा शर्मा, लीला बोरडिया, आयुष कासलीवाल, अयाज बसराय और निवेदन राठी सहित अनेक विशेषज्ञ विचार साझा करेंगे।

16 नवंबर को कैलाश गौर लोकगीत, चंग और बांसुरी के माध्यम से जयपुर के 300 वर्षों का सफर प्रस्तुत करेंगे। 17 नवंबर को 'जल जंगल जमीन' कार्यक्रम में रोहित सिंह की कविताओं के साथ गौरव भटनागर और गौतम गुप्ता की संगीत प्रस्तुतियां होंगी। 18 नवंबर को ड्रम सर्कल इंडिया की सामूहिक प्रस्तुति के साथ फेस्टिवल का समापन होगा। आयोजकों के अनुसार फेस्टिवल में 10 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। इसका उद्देश्य जयपुर की सांस्कृतिक पहचान, सार्वजनिक स्थलों और शहर के भविष्य के निर्माण में डिजाइन की भूमिका को सामने लाना है।

24 साल पुराने मामले में जेल अधीक्षक बरी

जयपुर। न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-12, महानगर प्रथम ने कैदी को न्यायिक अभिरक्षा में लेने से इनकार करने और न्यायालय के आदेश की अवहेलना के 24 साल पुराने मामले में केंद्रीय कारागार के तत्कालीन अधीक्षक विनोद कुमार माथुर को बरी कर दिया है। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर पाया कि कैदी को जेल में दाखिल नहीं करने की जानकारी जेल अधीक्षक तक पहुंची थी। मामले के अनुसार 6 दिसंबर, 2002 को तत्कालीन अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने लखनऊ जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाए गए आरोपी दर्शन सिंह को न्यायिक अभिरक्षा में जयपुर केंद्रीय कारागार भेजने के आदेश दिए थे। अगले दिन 7 दिसंबर को कैदी को लेकर आए लखनऊ पुलिस के सिपाही ने अदालत में रिपोर्ट पेश कर बताया कि 6 दिसंबर की रात कैदी को जेल ले जाने पर मुख्य गेट पर तैनात गार्ड ने जेल बंद होने की बात कहकर उसे दाखिल करने से मना कर दिया।



राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शुक्रवार को राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार अग्रवाल ने मुलाकात कर दीपावली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान राज्यपाल ने भी उन्हें दीपावली के नव वर्ष की बधाई दी। इस दौरान दोनों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

गहलोत के आरोपों पर मंत्री दिलावर और बेढ़म ने पलटवार किया

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा सरकार जनता के बीच काम करने वाली सरकार है और काम ही उसकी पहचान है। हम विधानसभा से डरकर वॉकआउट करने या सदन से भागने वालों में से नहीं हैं। उन्होंने कहा कि गहलोत और कांग्रेस नेता भजनलाल सरकार के ढाई साल के कामकाज की तुलना अपने पांच साल के कार्यकाल से करने पर कोई ठोस जवाब नहीं दे पाए। गत 34 महीने बनाम पांच साल के कामकाज का हिसाब देने में भी कांग्रेस विफल रही। सरकार तीन साल पूरे होने पर अपने ऐतिहासिक कार्यों का विस्तृत रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखेगी।

- दिलावर बोले "हम विधानसभा से डरकर वॉकआउट या भागने वालों में से नहीं, हमारा काम ही पहचान"
- बेढ़म ने कहा "झूठे आंकड़ों के बजाय अपने पांच साल के काम का हिसाब दें गहलोत"

दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने तीन साल पूरे होने से पहले ही पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के मुकाबले कई गुना अधिक विकास कार्य किए हैं। पानी, बिजली, सड़क, कृषि, सिंचाई, महिला सशक्तीकरण और युवाओं को रोजगार सहित बजट घोषणाओं को पूरा करने का काम किया है। सरकार ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की तुलना में अधिकतर क्षेत्रों में डेढ़ से 28 गुना तक अधिक काम किया है। यह सरकार की कार्यकुशलता, स्पष्ट नीति और विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में भ्रष्टाचार रहित, पेपरलीक रहित और अपराध रहित सुशासन स्थापित किया गया है। हमारा काम बोलता है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस नेता झूठ बोलकर तथा नए-नए राजनीतिक पैंतरे अपनाकर माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। झूठे और भ्रामक आंकड़ों के सहारे जनता को गुमराह करने की कांग्रेस की कोशिश सफल नहीं होगी।

बेढ़म ने कहा कि गहलोत झूठे आंकड़ों के माध्यम से जनता को भ्रमित करने की साजिश करने के बजाय अपने पांच साल के शासन का हिसाब दें। भाजपा सरकार अपने काम और उपलब्धियों के आधार पर जनता के बीच जाएगी और प्रदेश के विकास की गति को निरंतर आगे बढ़ाएगी।

कोटा संभाग में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं और रेफरल व्यवस्था की समीक्षा होगी

जयपुर (कासं)। कोटा में प्रसूता श्रीमती प्रीति महावर की मृत्यु के प्रकरण को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार को विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने पूरे मामले के चिकित्सकीय पहलुओं की विस्तृत समीक्षा करने और कोटा संभाग में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं एवं रेफरल व्यवस्था को मजबूत बनाने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि प्रसूता की मृत्यु अत्यंत दुखद है और राज्य सरकार मातृ मृत्यु की प्रत्येक घटना को गंभीरता से लेती है। प्रसव के बाद महिला की स्थिति गंभीर रूप से बिगड़ गई थी। जांच में लिवर फंक्शन में अत्यधिक खराबी सामने आई। बाद में फुलमिनेंट हेपेटिक फेल्योर एवं मल्टी ऑर्गन डिसफंक्शन सिंड्रोम की स्थिति विकसित हुई। विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उपचार के बावजूद महिला को बचाया नहीं जा सका। हेपेटाइटिस-ए एवं हेपेटाइटिस-ई की जांच रिपोर्ट अभी प्रतीक्षित है।

खींवसर ने कार्यवाहक निदेशक आरसीएच डॉ. रोमेल सिंह को कोटा संभाग भेजकर मातृ स्वास्थ्य सेवाओं और रेफरल व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से दूरदराज एवं ग्रामीण क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं को समय पर उच्च चिकित्सा संस्थानों तक पहुंचाने की व्यवस्था मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने सेतु रेफरल सिस्टम को प्रभावी बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर गर्भवती महिलाओं को बिना देरी उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए।

देवनानी की राज्यपाल से मुलाकात

जयपुर। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को लोकभवन में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मुलाकात की। देवनानी ने बागडे को पुष्प गुच्छ भेंट कर दीपावली की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। देवनानी की राज्यपाल से यह शिष्टाचार भेंट थी।

नाम परिवर्तन

मैं, आर्मी न. 4189397X, हवलदार भादुर सिंह पुत्र नारायण सिंह, निवासी ग्राम बण्डवा, तह.रतनगढ़, चूरू-331802, हाल सर्विसरत 420 DSC-PL 56 एपीओ मेरे सर्विसरिकॉर्ड में मेरी माताजी का नाम किरण कँवर (KIRAN KUNWAR) और जन्मतिथि 08/03/1956 गलत दर्ज है। सही नाम किरण कँवर (KIRAN KANWAR), जन्मतिथि 01/01/1956 है। भविष्य में इसे ही सही माना जाये।

I have changed my name from Anviksha to Anviksha Yadav in future I known by this name for all purpose Address: C-44, Sita Nagar-II, Near 200 Feet Flyover Heerapura, Ajmer Road, Jaipur

पंचायत चुनाव : कांग्रेस ने भी शुरू की प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी, विधायक-जिलाध्यक्षों को जिम्मेदारी सौंपी

20 नवंबर को मतगणना तक होटल-रिसोर्ट में रहेंगे प्रत्याशी; चुनाव जीतने वालों को जिला प्रमुख-प्रधान के चुनाव तक रखने की तैयारी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। पंचायत राज चुनाव में प्रत्याशियों की बाड़ेबंदी को लेकर भाजपा के बाद अब कांग्रेस भी सक्रिय हो गई है। प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने पार्टी के मौजूदा विधायकों, विधानसभा प्रत्याशियों, जिला अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में प्रत्याशियों की गतिविधियों पर निगरानी रखने और उनकी बाड़ेबंदी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत तीन चरणों के चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों को अलग-अलग स्थानों पर सामूहिक रूप से ठहराया जा रहा है।

बाड़ेबंदी की जिम्मेदारी संबंधित क्षेत्र के विधायक, जिला अध्यक्ष और विधानसभा प्रत्याशियों को आपसी समन्वय से सौंपी गई है। कई जगह प्रत्याशियों को देव दर्शन के बहाने धार्मिक स्थलों पर ले जाया जा रहा है, तो कहीं पर्यटन स्थलों और होटलों में ठहराया जा रहा है। महिला प्रत्याशियों की मांग पर उन्हें अपने छोटे बच्चों को भी साथ रखने की अनुमति दी गई है। जिसकी वजह से पार्टी की महिला प्रत्याशी अपने साथ अपने छोटे बच्चों को भी बाड़े बंदी में लेकर जाती हुई दिखी।

20 नवंबर तक रहेगी बाड़ेबंदी

प्रदेश में 14 नवंबर को पंचायत राज संस्थाओं के चौथे और अंतिम चरण का मतदान होगा। इसके बाद जिला परिषद और पंचायत समिति के वार्ड सदस्यों के प्रत्याशियों को भी बाड़ेबंदी में भेजा जाएगा। आगामी 20 नवंबर को मतगणना के बाद हारने वाले प्रत्याशियों को घर भेज दिया जाएगा, जबकि जीतने वाले प्रत्याशियों को जिला प्रमुख और प्रधान के चुनाव तक पार्टी के निर्देशानुसार बाड़ेबंदी में रखा जाएगा।

शादी समारोह और धार्मिक आयोजनों के चलते होटल-रिसोर्ट की बुकिंग में भाजपा और कांग्रेस दोनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार कई जगहों पर कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशियों ने अच्छे होटल और अच्छे रिजॉर्ट की डिमांड की है, ताकि वह अपने परिवार के साथ ठीक तरह से समय व्यतीत कर सके, क्योंकि अगले 15 दिनों तक लंबा समय पार्टी के प्रत्याशियों को बाड़ेबंदी में बिताना है, इसलिए उन्होंने अच्छे रिजल्ट और अच्छे होटल की डिमांड की है।

- महिला प्रत्याशियों को बच्चों को साथ रखने की छूट दी पार्टी ने

निकाय चुनाव के अनुभव से कांग्रेस सतर्क

पिछले नगर निकाय चुनावों में महापौर, अध्यक्ष और सभापति के निर्वाचन के दौरान भाजपा पर लगाए गए आरोपों के बाद कांग्रेस इस बार जिला प्रमुख और प्रधान के चुनाव में कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। इसी कारण विधायकों, जिला अध्यक्षों, विधानसभा प्रत्याशियों और संगठन के वरिष्ठ नेताओं को बाड़ेबंदी की पूरी अवधि में प्रत्याशियों के साथ समन्वय रखने के निर्देश दिए गए हैं।

एसआईआर के बीच वोट रक्षक ऐप लॉन्च

इधर, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत कांग्रेस ने बूथ स्तर पर वोट रक्षकों की नियुक्ति की है। इन्हें मतदाता सूची से हटाए गए नामों और नए जुड़े नामों की निगरानी तथा गड़बड़ी मिलने पर निर्वाचन अधिकारी और बूथ लेवल ऑफिसर के समक्ष शिकायत करने की जिम्मेदारी दी गई है।

शुक्रवार को इसी अभियान के तहत बूथ स्तर पर वोट रक्षक ऐप भी लॉन्च किया गया। कांग्रेस इस व्यवस्था को अब पूरे देश में लागू करने की तैयारी कर रही है।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि Flat No. G-1, Ground Floor, मंगलम सिटी, ब्लॉक E, प्लॉट नम्बर E-6, हाथोज, कालवाड़, जयपुर, एरिया 1050 Sq. Ft. को श्री कपील कुमार पुत्र सुल्तान सिंह ने जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 28.03.2017 खरीद किया था। उक्त सम्पत्ति को उनके द्वारा TATA Capital Housing Finance Limited के यहां ऋण की एवज में बंधक रखा था। उक्त ऋण की अदायगी नहीं करने पर उक्त TATA Capital Housing Finance Ltd. ने उक्त सम्पत्ति को वजरिये नीलाम करके सेल सर्टिफिकेट रजिस्टेशुदा दिनांक 16.12.2022 श्री आशीष मित्तल पुत्र नरेश चंद के हक में जारी कर दिया। श्रीमती रजनी कुमारी सोनी धर्मपत्नि सुनील ने उपरोक्त वर्णित फ्लैट खरीदने के लिये एक इकरारनामा उक्त आशीष मित्तल से किया है तथा उसके आधार पर श्रीमति रजनी कुमारी सोनी धर्मपत्नि सुनील HDFC बैंक की सी-स्कीम शाखा से ऋण प्राप्त कर उक्त सम्पत्ति HDFC बैंक की सी-स्कीम शाखा में बंधक करेगी। यदि उक्त संपत्ति के बावत् किसी भी व्यक्ति, कंपनी, संस्था अथवा अन्य किसी को कोई आपत्ति हो तो वो इस Notice के प्रकाशन के सात दिन के भितर अपना दावा मय दस्तावेज के प्रस्तुत करे अन्यथा सम्पावधि निकलने के पश्चात् उक्त संपत्ति को क्रय करके बैंक के हक में बंधक कर दी जायेगी। भवदीय

धीरेन्द्र मोहन माथुर अधिवक्ता, मो. नं.-9116632826
374, वसुन्धरा कॉलोनी, क्रॉती नगर जैन मंदिर के पास, टोंक रोड, जयपुर।

अपील की सुनवाई के लिये नियम दिन की प्रत्यर्थी को सूचना

(आदेश 41 के नियम 14)

न्यायालय श्रीमान उपखण्ड अधिकारी महोदय पावटा जिला-कोटपूतली-बहरोड़ राजस्थान

बिशन सिंह बनाम ग्राम पंचायत भैंसलाना वगै.

अपील विरूद्ध आदेश ग्राम पंचायत भैंसलाना, दिनांक 07.02.2025 बाबत् नामान्तरण संख्या 2845 आराजी हाल खसरा नम्बर 709/0.30, 721/0.61, 722/0.65, 684/0.47 हौ0 वाके ग्राम भैंसलाना तहसील पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड़ राजस्थान

अपील नं.

वनाम ग्राम पंचायत भैंसलाना जरिए सचिव ग्राम पंचायत भैंसलाना तहसील पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड़ राजस्थान, अनिता कँवर पत्नि स्व. मोहन सिंह, समुद्र सिंह पुत्र स्व. मोहन सिंह, रुकमण कँवर पुत्री स्व. मोहन सिंह समस्त जाति राजपूत निवासी भैंसलाना तहसील पावटा जिला कोटपूतली-बहरोड़ अपीलान्ट में आपके विरुद्ध अपील पंजीयन किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 18.11.2026 के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो और जो इस अपील से सम्बन्धित सभी वारदात प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आपस उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे, जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखि / सुजराई का अपील या प्रतिअपील आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या सुजराई के अपील या प्रतिअपील के समर्थन में साक्ष्य के रुप मे निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपवद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ठ करें।

आपको सूचित किया जाता है यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होगे तो अपील की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

यह अपील तारीख 13/11/2026. को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत

उपखण्ड अधिकारी
पावटा (कोटपूतली-बहरोड़)

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, अजमेर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर-DEV/AJMER/TRUST/2026/1194

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि प्रार्थी श्री श्री अमर सिंह मीना, पुत्र श्री प्रभुलाल, ग्राम-पोस्ट रानीपुरा, तह. -उनियारा, जिला-टोंक ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास

कन्हैया जनकल्याण एवं धर्मार्थ ट्रस्ट, सन सिटी, डाईट रोड, जिला-टोंक (राजस्थान) के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 04-11-2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 21/01/2027

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग अजमेर

कार्यालय नगर निगम जयपुर

(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)

क्रमांक :- जसअ/2026/297 दिनांक: 05.11.2026

ई-निविदा सूचना सं. अधि0 अभि0 (मु0) 31/2026-27

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि0 अभि0 (मु0) से सम्बन्धित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org.com, eproc.rajasthan.gov.in एवं State Public Procurement Portal Government of Rajasthan की वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in व http://Shpp.raj.nic.in के UBN No:-JMC2627SLOB00755 पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/26/13212

अधिशाषी अभियन्ता (मु0)
नगर निगम जयपुर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

केन्द्रीय छात्रवृत्ति फ्रेश वर्ष 2026 हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रण हेतु सूचना

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, नई दिल्ली की केन्द्रीय छात्रवृत्ति योजना फ्रेश 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। राजस्थान बोर्ड के ऐसे परीक्षार्थी जो Top 20 पर्सेंटाइल की सूची (परीक्षा वर्ष 2026 की **Top 20 Percentile की सूची एवं दिशा निर्देश बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध है**) में आते हैं, ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। प्रत्येक वर्ग में दिव्यांगो (PwDs) का 5% आरक्षण है। राजस्थान बोर्ड द्वारा घोषित परिणाम उच्च माध्यमिक परीक्षा 2026 में **Science, Commerce and Humanities** से परीक्षा उत्तीर्ण कर कॉलेज/विश्वविद्यालय में नियमित अध्ययन कर रहे विद्यार्थी आवेदन के लिए पात्र हैं। विद्यार्थियों को शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली के National Scholarship Portal के लिंक www.scholarships.gov.in पर छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। Top 20 पर्सेन्टाइल राजस्थान बोर्ड द्वारा जारी परिणाम पर आधारित है। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करना ही चयन का आधार नहीं होगा। छात्रवृत्ति हेतु विद्यार्थियों का चयन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के निर्धारित मापदंड के अनुसार होगा। केन्द्रीय छात्रवृत्ति 2026 के लिए चयनित विद्यार्थी ऑनलाईन आवेदन करने संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु हेल्पलाइन नं. 0120-6619540 पर संपर्क कर सकते है। अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट www.scholarships.gov.in देखी जा सकती है।

नोट :- एनएसपी के माध्यम से छात्रवृत्ति वितरण के लिए खाता संख्या की आवश्यकता नहीं है। छात्रवृत्ति सीधे लाभार्थी के आधार से जुड़े बैंक खाते में वितरित की जाएगी।

सचिव

नम्बर मिलाइए 8890333139



सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

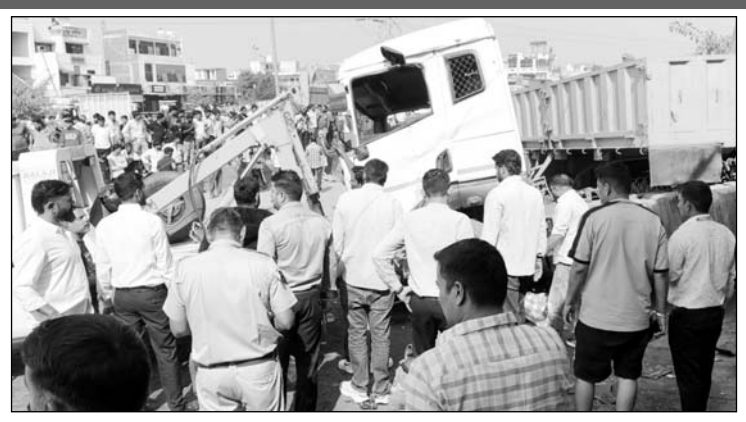
जयपुर-दिल्ली हाईवे पर बेकाबू ट्रोले की टक्कर से 2 लोगों की मौत, तीन घायल

मुरलीपुरा क्षेत्र में रोड नंबर-14 स्थित अनाज मंडी के पीछे तेज रफ्तार ट्रोले ने पांच वाहनों को टक्कर मारी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर-दिल्ली हाईवे पर मुरलीपुरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर तेज रफ्तार और बेकाबू ट्रोले ने एक के बाद एक पांच वाहनों को टक्कर मार दी। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि ट्राला चालक सहित तीन लोग घायल हो गए। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि एक कार पूरी तरह क्षितग्रस्त हो गई और एक व्यक्ति ट्रोले के पहिए के नीचे फंस गया। दूसरे घायल ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। घायलों को कांवटिया अस्पताल और अन्य निजी अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है।

डीसीपी पश्चिम प्रशांत किरण के अनुसार हादसा दोपहर करीब 12 बजे मुरलीपुरा थाना इलाके में रोड नंबर-14 स्थित अनाज मंडी







मुरलीपुरा इलाके में रोड नंबर 14 की सर्विस लेन में तेज रफ्तार ट्रोले ने लगातार 5 वाहनों को रौंद दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन से हटवाया।

- **हादसे में एक व्यक्ति की ट्रोले के पहिए के नीचे दबने से मौके पर मौत हो गयी, जबकि दूसरे ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया**

के पीछे वाले गेट के सामने हुआ। जहां दौलतपुरा टोल की तरफ से अजमेर रोड की ओर जा रहा ट्रोला सर्विस लाइन पर अचानक बेकाबू हो गया। उसने तीन चारपहिया और दो दोपहिया वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में सीता विहार, मुरलीपुरा निवासी रमेश (60) और फागी के रेनवाल निवासी हनुमान सहाय (40) की मौत हो गई।

जयपुर पश्चिम डीसीपी प्रशांत किरण ने बताया कि ट्रोले ने सर्विस लाइन पर एक के बाद एक पांच वाहनों को टक्कर मारी। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार सामने आया है। दुर्घटना की सूचना पर मुरलीपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू करवाया। स्थानीय लोगों की मदद से वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। ट्रोले के पहिए के नीचे फंसे व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि कार में फंसे दूसरे व्यक्ति को बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने दोनों शव अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए हैं। घायलों में ट्रोला चालक भी शामिल है।

पुलिस के अनुसार ट्रोले ने सबसे पहले सर्विस लाइन पर खड़ी इको कार को टक्कर मारी। इसके बाद दुकान के फुटपाथ पर खड़ी एक्टिवा स्कूटी को चपेट में लिया। फिर बाहर खड़ी वैगनआर कार और टाटा-407 सहित अन्य वाहनों को टक्कर मार दी। इस दौरान सड़क पर मौजूद लोग भी इसकी चपेट में आ गए। एक कार बुरी तरह चकनाचूर हो गई। ट्रोला टू-व्हीलर ऑटो पार्ट्स की दुकान के सामने बने चबूतरे से भी टकराया और वहां खड़ी स्कूटी को क्षतिग्रस्त कर दिया।

दुकानदार विष्णु गर्ग ने बताया कि वह दोपहर करीब 12 बजे अपनी दुकान पर बैठा था। इसी दौरान ट्रोला सामने से आया और पहले एक वाहन, फिर दूसरे वाहन को टक्कर मारते हुए पैदल जा रहे व्यक्ति को कुचल दिया। उनके अनुसार पैदल चल रहा व्यक्ति किसी गांव से आया था और वाहन से उतरने के बाद सड़क पर जा रहा था। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ट्रोले ने उनकी दुकान के पास खड़ी दो मोटरसाइकिलों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया।

टू-व्हीलर ऑटो पार्ट्स दुकान के संचालक राकेश शर्मा ने बताया कि ट्रोले की रफ्तार इतनी तेज थी कि एक बार लगा कि वह दुकान में घुस जाएगा। ट्रोला दुकान के आगे बने चबूतरे से टकराया और बाहर खड़ी स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। चबूतरा होने के कारण दुकान में मौजूद लोग बाल-बाल बच गए। उन्होंने बताया कि उनकी आंखों के सामने हादसे में लोगों की जान चली गई। पुलिस के अनुसार वह घटनास्थल के पास ही काम करता है। ट्रोले के नीचे फंसे व्यक्ति को निकालने में उसने मदद की। उसने बताया कि व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। स्थानीय लोगों ने घायलों और मृतकों को अपने वाहनों से अस्पताल पहुंचाया। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस और एंबुलेंस के मौके पर पहुंचने में देरी होने की बात भी कही।

स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि हादसे से पहले दो स्कूटी सवारों और ट्रोला चालक के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई थी। बताया जा रहा है कि स्कूटी सवारों ने ट्रोला रुकवाने के लिए उस पर पत्थर फेंका था, जिसके बाद चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा। प्रत्यक्षदर्शी विष्णु गर्ग ने भी इस तरह की चर्चा होने की बात कही। हालांकि पुलिस ने अभी तक पत्थर मारने या विवाद होने की पुष्टि नहीं की है। डीसीपी प्रशांत किरण ने बताया कि घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जांच के बाद ही हादसे के सभी कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

गौरतलब है कि 3 नवंबर 2025 को इसी क्षेत्र में लोहा मंडी चौराहे पर एक ट्रेलर ने 14 लोगों को कुचल दिया था। शुक्रवार को हुए हादसे के बाद एक बार फिर इस मार्ग पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार और यातायात व्यवस्था को लेकर सवाल उठे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां जाम और भारी वाहनों की तेज रफ्तार के कारण हादसों का खतरा बना रहता है। इस हादसे पर उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि जयपुर-सीकर रोड पर 14 नंबर स्थित अनाज मंडी रोड पर हुए भीषण सड़क हादसे में जनहानि का समाचार अत्यंत दुखद है। उन्होंने बताया कि घायलों को समुचित चिकित्सकीय उपचार उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। साथ ही दिवंगत आत्माओं की शांति, शोकाकुल परिजनों को दुख सहन करने की शक्ति व घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

ट्रक की टक्कर से महिला की मौत, भतीजा-भतीजी घायल

जयपुर । दौलतपुरा टोल प्लाजा से पहले शुक्रवार दोपहर तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई, जबकि उसका भतीजा और भतीजी घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। हेड कांस्टेबल गणेश के अनुसार विश्वकर्मा के 14 नंबर निवासी सरोज (45) शुक्रवार दोपहर करीब 2:15 बजे अपने भतीजे निशांत (18) और भतीजी आरती (26) के साथ बाइक पर अमरसर स्थित काली माता मंदिर दर्शन के लिए जा रही थीं। बाइक निशांत चला रहा था। दौलतपुरा टोल प्लाजा से पहले तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से तीनों उछलकर सडक पर गिर गए और घायल हो गए।

सार-समाचार

सहकारी बैंकों के लिए 10576 करोड़ रुपए के पूंजी सहायता पैकेज की मांग

जयपुर/शिलांग । ऑल इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक एम्प्लाइज फैडरेशन की केंद्रीय समिति की दो दिवसीय राष्ट्रीय बैठक 14-15 नवंबर को मेघालय को-ऑपरेटिव अपेक्स बैंक सभागार, शिलांग में होगी। मेघालय को-ऑपरेटिव अपेक्स बैंक एम्प्लाइज यूनियन के स्वर्ण जयंती समारोह पर आयोजित बैठक में महासचिव सीएच वेंकटचलम, रवि कुमार तथा देशभर के प्रतिनिधि शामिल होंगे। राजस्थान से फैडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूरज भान सिंह आमेरा भी बैठक में भाग लेंगे। आमेरा ने बताया कि बैठक में 102 जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों की कमजोर वित्तीय स्थिति पर चर्चा कर 10,576 करोड़ रुपए के पूंजी सहायता पैकेज की मांग उठाई जाएगी। गत 31 मार्च 2025 तक 50 में से 41 घाटे वाले बैंकों में से अधिकांश पांच राज्यों राजस्थान, मध्यप्रदेश, पंजाब, बिहार और महाराष्ट्र में हैं। वहीं 38 बैंकों का सीआरएआर 9 प्रतिशत से कम है तथा सकल एनपीए बढकर 38,709 करोड़ रुपए पहुंच गया है। बैठक में सहकारी बैंकों में पेशेवर अधिकारियों की नियुक्ति, ऋण सीमा बढ़ाने, डिजिटल बैंकिंग सुविधाओं से जुड़ी शर्तों में छूट तथा भूमि विकास बैंकों के लिए पुनरुद्धार पैकेज की मांग भी उठेगी। भूमि विकास बैंकों का कुल बकाया 22,430 करोड़ रुपए और सकल एनपीए 39 प्रतिशत है। इसके अलावा शहरी सहकारी बैंकों के कर्मचारियों के वेतन, भर्ती, पदोन्नित, पेंशन और ग्रेच्युटी की सुरक्षा, नाबार्ड की नीतियों तथा सहकार सारथी प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से सहकारी आंदोलन के निजीकरण की आशंकाओं पर चर्चा होगी।

अजय यादव का जन्मदिन मनाया



जयपुर । भाजपा जयपुर शहर जिला उपाध्यक्ष अजय यादव का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उन्होंने सुबह खोले के हनुमानजी मंदिर में दर्शन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद गौशाला पहुंचकर गायों को हरा चारा एवं गुड़ खिलाया और गौसेवा का संदेश दिया। जन्मदिन पर बड़ी संख्या में शुभचिंतकों, समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया तथा मिठाई खिलाकर और गुलदस्ते भेंट कर बधाई दी। कार्यकर्ताओं ने उनके सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर पूर्व महापौर कुसुम यादव, हनुमान सैनी, टीकम यादव, अनिल यादव, सत्यनारायण शर्मा, नरेश शर्मा, उमेश शर्मा, नरेश विजयवर्गीय, पिंकू शर्मा, अक्षय यादव, विष्णु मीणा, सुभाष सैन, योगेश सोनी, सियाशरण शर्मा, मनीष बिवाल एवं संजय सैनी उपस्थित रहे।

दीपक पालीवाल को पीएचडी की उपाधि



जयपुर । जयपुर निवासी दीपक पालीवाल को मैंगलोर विश्वविद्यालय की ओर से पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग में मी-टू मार्केटिंग के महत्व विषय पर शोध कार्य पूरा कर यह उपलब्धि हासिल की है। उनका शोध मैंगलोर विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन विभाग में प्रो. पुत्तन्ना के. के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शोध के दौरान दीपक पालीवाल ने भारतीय दवा उद्योग में मी-टू मार्केटिंग की भूमिका और इसके व्यावसायिक महत्व का विस्तृत अध्ययन किया। शोध में उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि मी-टू मार्केटिंग को केवल किसी उत्पाद की नकल या प्रतिकृति बनाने की रणनीति के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह बाजार में प्रवेश करने की एक महत्वपूर्ण रणनीतिक प्रक्रिया है। उल्लेखनीय है कि दीपक पालीवाल ने इससे पूर्व उदयपुर स्थित भूपाल नोबल्स कॉलेज से बी.फार्मा तथा मणिपाल विश्वविद्यालय से एम.फार्मा की डिग्री प्राप्त की है।

मर्म चिकित्सा के गूढ़ रहस्य बताए



जयपुर । राजस्थान सरकार के आयुर्वेद विभाग एवं राष्ट्रीय आयुष मिशन की ओर से आरटीडीसी होटल गणगौर में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसमें आयुष चिकित्सकों के ज्ञानवर्धन एवं कौशल विकास पर जोर दिया जा रहा है। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. नितिन गोयल के संयोजन में मर्म चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. पीयूष त्रिवेदी ने विशेष सत्र लिया। उन्होंने आयुर्वेद ग्रंथों में वर्णित मर्म चिकित्सा के महत्व, मर्म बिंदुओं की पहचान, वर्गीकरण और उपचार की तकनीकों की जानकारी दी। व्यावहारिक अभ्यास भी करवाए, जिससे मौके पर एक रोगी को लाभ मिला। उल्लेखनीय है कि डॉ. त्रिवेदी पिछले 35 वर्षों से मर्म चिकित्सा के क्षेत्र में प्रशिक्षण एवं उपचार कार्य कर रहे हैं। प्रशिक्षण में सुरक्षित उपचार और मर्म चिकित्सा को क्लिनिकल प्रैक्टिस में शामिल करने पर भी जोर दिया गया।

त्योहारों पर चलाई 137 स्पेशल ट्रेन

जयपुर । दीपावली और छठ पूजा के त्योहारों पर यात्रियों को सुगम रेल यात्रा उपलब्ध कराने के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे ने व्यापक व्यवस्थाएं की हैं। रेलवे की ओर से देश के विभिन्न गंतव्यों के लिए 137 स्पेशल ट्रेनों के 971 फेरों का संचालन किया गया है। साथ ही नियमित ट्रेनों में अतिरिक्त डिब्बे भी जोड़े गए हैं, जिससे यात्रियों को सीट उपलब्धता में राहत मिली है। छठ पूजा के लिए विशेष रूप से 65 स्पेशल ट्रेनों के 382 फेरे अधिसूचित किए गए हैं। रेलवे यात्री भार और मांग की लगातार समीक्षा कर रहा है। आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त स्पेशल ट्रेनों के संचालन की भी तैयारी है। इसके अलावा यात्रियों की मांग के अनुरूप तत्काल ऑन डिमांड ट्रेनें भी चलाई जा रही हैं। बड़ी संख्या में विशेष ट्रेनों के संचालन के बावजूद उत्तर पश्चिम रेलवे ने 96 प्रतिशत समयपालन हासिल किया है।

टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित 3761 मरीजों के लिए वरदान साबित हुआ ''मिशन मधुहारी''

जयपुर (कासं)। टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चों एवं मरीजों को बेहतर उपचार और नियमित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान सरकार का मिशन मधुहारी महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेश के सभी 41 जिलों में संचालित इस मिशन से अब तक 3,761 मरीज जुड़ चुके हैं। विश्व मधुमेह दिवस (14 नवम्बर) के अवसर पर यह पहल मरीजों को नि:शुल्क उपचार और बेहतर जीवनशैली के लिए सहयोग उपलब्ध करा रही है।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि मिशन के तहत प्रदेश में 205 स्वास्थ्य संस्थान सूचीबद्ध हैं, जिनमें 138 संस्थानों पर मरीजों का नामांकन किया जा रहा है। इनमें 65 जिला अस्पताल, 61 उप जिला अस्पताल, 7 सैटेलाइट अस्पताल और 5 मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। अब तक 2153 मरीज कम से कम एक बार फॉलोअप ले चुके हैं।

मरीजों को नि:शुल्क इंसुलिन, ग्लूकोमीटर, टेस्ट स्ट्रिप्स, ब्लड शुगर मॉनिटरिंग लॉगबुक, इंसुलिन पेन और मासिक फॉलोअप की सुविधा दी जा रही है। मिशन से जुड़ने के बाद 92 प्रतिशत मरीजों को बेसल-बोलस इंसुलिन उपचार मिल रहा है, जबकि पहले यह अनुपात केवल 28 प्रतिशत था।

राठौड़ ने बताया कि मधुनेत्र एआई के माध्यम से अब तक 2219 मरीजों की डायबिटिक रेटिनोपैथी स्क्रीनिंग की जा चुकी है। यह सुविधा 10 स्वास्थ्य संस्थानों में संचालित है। राज किडनी केयर के तहत किडनी संबंधी जांच के साथ डायबिटिक फुट और न्यूरोपैथी की स्क्रीनिंग भी की जा रही है। मधुरंग कार्यक्रम के माध्यम से करीब 1000 लोगों को आपसी सहयोग और अनुभव साझा करने के नेटवर्क से जोड़ा गया है। मधुमन कार्यक्रम में मरीजों के वेलबीइंग इंडेक्स का औसत स्कोर 78.9 रहा है। वहीं, मधुवाणी 104 हेल्पलाइन के माध्यम से मरीजों को सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

सेहत की पाठशाला कार्यक्रम के तहत स्कूली बच्चों में मोटापे की पहचान के लिए कमर की माप और बॉडी मास इंडेक्स के आधार पर स्क्रीनिंग शुरू की गई है। इसके अलावा मिशन से 205 सरकारी स्कूलों और 41 कॉलेजों को जोड़ा है, ताकि विद्यार्थियों में टाइप-1 डायबिटीज के प्रति जागरूकता विकसित की जा सके।

सूने मकान से लाखों के गहने और नकदी चोरी

जयपुर । जवाहर सर्किल इलाके के मालवीय नगर में दीपावली पर सूने मकान को निशाना बनाकर चोर लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के गहने और नकदी चोरी कर ले गया। वारदात के दौरान बदमाश मकान के मुख्य गेट का लॉक तोड़कर अंदर घुसा और महज 20 मिनट में चोरी कर फरार हो गया। चोरी की पूरी घटना घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।

जांच अधिकारी एएसआई मुरारी लाल ने बताया कि मालवीय नगर के डी ब्लॉक निवासी निमिष चतुर्वेदी (54) ने चोरी का मामला दर्ज करवाया है। परिवादी नोएडा की एक कंपनी में नौकरी करते हैं और उनका परिवार जयपुर में रहता है। दीपावली पर परिवार के सभी सदस्य 2 नवंबर को रिश्तेदारों से मिलने नोएडा चले गए थे, इस दौरान मकान सूना था। बदमाश ने इसका फायदा उठाकर घर को निशाना बनाया और लॉक तोड़कर अंदर घुस गया। उसने अलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ली। परिवादी 12 नवंबर को नोएडा से वापस जयपुर लौटे तो मकान के ताले टूटे मिले। जांच करने पर पांच जोड़ी सोने के कान के टॉप्स (एक जोड़ी डायमंड, एक जोड़ी मोती और तीन जोड़ी सोने के), सोने की चार अंगूठियां, सोने की तुलसी माला, सोने का हुक और सोने का पेंडल चोरी होना सामने आया।

थार सवार बदमाशों ने फायरिंग की, महिला के पैर में गोली लगी

आरोपियों ने पुरानी कहासुनी के बाद दी थी जान से मारने की धमकी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । शिवदासपुरा थाना क्षेत्र के पदमपुरा में पुरानी रंजिश के चलते एक परिवार पर थार सवार बदमाशों ने फायरिंग कर दी। आरोपियों ने घर के बाहर पहुंचकर दो-तीन राउंड गोलियां चलाईं। इस दौरान बचने के लिए भाग रही एक महिला की जांघ में गोली लग गई। वारदात के बाद आरोपी थार लेकर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित परिवार की शिकायत पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीछा करने के दौरान सामने आया कि आरोपियों ने सवाई माधोपुर जिले के सूरवाल थाना क्षेत्र में भी एक व्यक्ति पर फायरिंग की थी। इस मामले में तीनों आरोपियों को राउंडअप किया गया है। उनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त थार और देसी कट्टा बरामद किया गया है।

- **वारदात के बाद सवाई माधोपुर में भी की फायरिंग, तीन आरोपी पकड़े**
- **पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से देसी कट्टा और थार गाड़ी बरामद की**

थानाधिकारी राजेश गौतम ने बताया कि पदमपुरा निवासी पिंटू सांसी (26) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि करीब 15-20 दिन पहले वह शिवदासपुरा कस्बे में शराब की दुकान पर गया था। वहां शराब खरीदने की बात को लेकर गणेश कीर से कहासुनी हो गई और दोनों के बीच झगड़ा हो गया। इसके बाद गणेश कीर अपने साथी शंकर मीणा और गंगू पंडित के साथ मिलकर उसे और उसके परिवार को आए दिन धमकाने लगे। आरोपियों ने जान से मारने की धमकियां भी दीं। तीन-चार दिन पहले उसके छोटे भाई कैलाश के साथ भी आरोपियों ने झगड़ा कर मारपीट की थी।

परिवादी के अनुसार 11 नवंबर की रात गणेश कीर, शंकर मीणा और गंगू पंडित अपने एक अन्य साथी के साथ थार गाड़ी में सवार होकर उसके घर पहुंचे। घर के बाहर आते ही गाड़ी में बैठे बदमाशों ने परिवार पर दो-तीन राउंड फायर किए। इस दौरान बचकर भागने की कोशिश कर रही पिंटू की पत्नी की जांघ में गोली लग गई। हमले के बाद आरोपी थार लेकर मौके से फरार हो गए।

फायरिंग की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को उपचार के लिए एसएमएस अस्पताल में भर्ती करवाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी। पुलिस ने हमलावरों की तलाश में टीमें रवाना कीं। इधर पुलिस टीम आरोपियों का पीछा कर रही थी। इसी दौरान जानकारी मिली कि थार सवार बदमाशों ने सवाई माधोपुर जिले के सूरवाल थाना क्षेत्र में भी पुरानी रंजिश के चलते एक व्यक्ति पर फायरिंग की है। वहां अमर सिंह नाम के व्यक्ति के पैर में गोली मारकर आरोपी फरार हो गए थे। सूरवाल थाना पुलिस की सूचना पर नाकाबंदी करवाई गई। इसके बाद बौंली थाना पुलिस ने फायरिंग कर भाग रहे बदमाशों को पकड़ लिया। सूरवाल थाना पुलिस ने कातिलाना हमले के मामले में तीनों आरोपियों को राउंडअप किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल थार गाड़ी और देसी कट्टा भी बरामद किया है। दोनों घटनाओं के संबंध में पुलिस आगे की जांच कर रही है।

6 जवानों को ''कांस्टेबल ऑफ द मंथ'' सम्मान मिला

अक्टूबर 2026 में उत्कृष्ट कार्य करने पर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने सम्मानित किया

जयपुर (कासं)। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की ओर से उत्कृष्ट, सराहनीय और समर्पित सेवाओं के लिए छह पुलिसकर्मियों को अक्टूबर 2026 के 'कांस्टेबल ऑफ द मंथ' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने पुलिस आयुक्तालय में आयोजित कार्यक्रम में सभी चयनित पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि सम्मानित होने वालों में जवाहर सर्किल थाने के कांस्टेबल मनोज कुमार ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी विक्रम मीणा को गिरफ्तार करवाने तथा लूट के मामले में आरोपी तन्मय कुमार पारीक और विवेक सैन को पकड़वाने में अहम भूमिका निभाई। सिंधी कैंप थाने के कांस्टेबल सतवीर ने मोबाइल चोरी और छीनाझपटी करने वाली गैंग के सरगना मोईन उर्फ शाहरुख सहित मोहम्मद अनस, मोहम्मद गालिब और हसीब मेव को गिरफ्तार करवाया। आरोपियों से चोरी और छीनाझपटी के 20 मोबाइल फोन तथा वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की गई।

- **अपराधियों की गिरफ्तारी से लेकर चोरी की रकम बरामद करने तक में निभाई अहम भूमिका**



पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने उत्कृष्ट सेवाओं पर छह जवानों को सम्मानित किया।

नाहरगढ़ थाने के कांस्टेबल विजय कुमार ने बैग से चोरी हुए 20 लाख रुपये में से 18 लाख 93 हजार रुपये बरामद करवाने और तीन आरोपियों को गिरफ्तार करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अन्य चोरी के मामलों में आरोपी की गिरफ्तारी, चोरी के वाहन के इंजन और चेसिस नंबर मिटाकर फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले आरोपी को पकड़ने तथा एक नाबालिग बालिका को दस्तयाब करवाने में भी सहयोग किया।

सांगानेर सदर थाने के कांस्टेबल रामवतार ने महिला की हत्या के ब्लाइंड मामले का खुलासा करने, लूट के मामले में फरार चार इनामी अपराधियों को गिरफ्तार करवाने तथा सॉफ्टवेयर में सेंध लगाकर करीब दो करोड़ रुपये के जीएस उपकरण चोरी करने के मामले में दो आरोपियों को पकड़वाने में अहम भूमिका निभाई।

यातायात उत्तर के कांस्टेबल राजेश कुमार ने वनस्थली मार्ग चौराहे पर रेड लाइट के दौरान ऑटो में बैठी सवारी से एक लाख रुपये से भरा बैग छीनकर भाग रहे मोटरसाइकिल सवार दो बदमाशों को पकड़ लिया। उन्होंने रुपयों से भरा बैग संबंधित व्यक्ति को लौटाया और दोनों बदमाशों को मोटरसाइकिल सहित जालूपुरा थाना पुलिस के सुपुर्द किया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (लाइसेंसिंग एवं लीगल) कार्यालय के कांस्टेबल दिनेश कुमार को दीपावली पर आतिशबाजी के भंडारण और बिक्री के लिए जारी किए गए अस्थायी लाइसेंस से संबंधित कार्य को मेहनत, लगन और ईमानदारी से संपन्न करने के लिए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. अजय सिंह, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (यातायात एवं प्रशासन) प्रदीप मोहन शर्मा, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (क्राइम) डॉ. रामेश्वर सिंह, पुलिस उपायुक्त (क्राइम) योगेश गोयल और पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) अनुष्ठा कालिया मौजूद रहे।

ऑडिट वीक में विद्यार्थियों-युवाओं को किया जाएगा जागरूक

जयपुर । भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) कार्यालय की ओर से ऑडिट वीक के तहत 19 से 27 नवंबर तक विभिन्न शैक्षिणक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें सरकारी वित्तीय प्रबंधन, लेखांकन और सार्वजनिक ऑडिट की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में रिमोट एवं हाइब्रिड ऑडिटिंग, डिजिटलीकरण और डिजिटल साक्ष्यों पर विशेषज्ञ सत्र होंगे। ट्रेजरी, डीडीओ, पेंशन अधिकारियों और सार्वजनिक निर्माण विभाग के इंजीनियरों के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। विद्यार्थियों एवं युवाओं को सार्वजनिक वित्त और ऑडिट में करियर की संभावनाओं से भी परिचित कराया जाएगा। आगामी 19, 23 और 26 नवंबर को स्कूलों में नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। 23 नवंबर को आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा। वहीं, 25 नवंबर को कक्षा 3 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए तीन श्रेणियों में चित्रकला प्रतियोगिता होगी। 27 नवंबर को समापन समारोह में विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

हॉर्न बजाने पर बदमाशों ने पत्थर से कार के शीशे फोड़े

- **10-15 लोगों ने मिलकर युवक और उसके परिजनों से मारपीट की**

जयपुर । खोरा बीसल इलाके में बीच सड़क खड़ी कार को हटवाने के लिए हॉर्न बजाना एक युवक को भारी पड़ गया। आरोप है कि इससे नाराज युवकों ने अपने परिवार और परिचितों के साथ मिलकर युवक की कार में पत्थर मारकर तोड़फोड़ की। उसे कार से बाहर खींचकर बाल पकड़े और मुंह पर मुक्के मारकर दांत तोड़ दिया। बीच-बचाव करने आए युवक की बहन, जीजा और उनके छोटे भाई के साथ भी मारपीट की गई। पीड़ित ने खोरा बीसल थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

एएसआई शैतान सिंह के अनुसार झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी निवासी अभिषेक शर्मा (24) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि वह भाईदूज के त्यौहार पर अपनी बहन के घर निवारू रोड स्थित विश्वनाथ धाम कॉलोनी आया था। दोपहर करीब तीन बजे वह बहन के घर के पास पहुंचा तो बीच सड़क पर काले रंग की एक एसयूवी खड़ी थी। रास्ता देने के लिए उसने हॉर्न बजाया। इस पर घर के अंदर से दो युवक बाहर आए और गाली-गलौच करने लगे। कुछ ही देर में उनके परिवार और परिचितों के करीब 10-15 लोग वहां पहुंच गए और हॉर्न बजाने को लेकर विवाद करने लगे। आरोप है कि हमलावरों ने पत्थर उठाकर अभिषेक की कार के शीशे तोड़ दिए। इसके बाद उसे कार से बाहर निकालकर बाल पकड़े और मुंह पर मुक्के मारे, जिससे उसका दांत टूट गया। शोर सुनकर बहन, जीजा और उनके छोटे भाई बचाने पहुंचे तो उनके साथ भी मारपीट की गई। अभिषेक के अनुसार, वह किसी तरह वहां से भागकर घर में घुसा और अपनी जान बचाई। बाद में लहूलुहान हालत में अस्पताल पहुंचकर प्राथमिक उपचार करवाया। पुलिस जांच में जुटी है।

ARBiT
it happens here...



Celebrating Tangy Traditions

National Pickle Day is a fun celebration of one of the world's most beloved tangy treats. Observed annually, this day honours the art of pickling, a culinary tradition that spans cultures and centuries. From crisp cucumbers to spicy mangoes and zesty mixed vegetables, pickles add flavour, character, and a bit of nostalgia to meals. Beyond taste, pickles reflect cultural heritage and homegrown ingenuity in preserving foods. On this day, enthusiasts celebrate by tasting, sharing, and even making their own pickles, reminding us that small bites of flavour can bring big joy and connect us to tradition.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
14 November 2026
A-B

#THINKING OF YOU

The Pigeon That Brought a Pebble Every Morning

"Sophie, if you're reading this, it means I've been gone a long time. But if he's still flying, then he kept his promise."



Every morning for eleven years, Sophie opened her front door to find the same quiet surprise waiting on her doormat, a small, smooth pebble. Without fail, a white pigeon with a single grey wing would land nearby, drop the pebble, and fly away. Sophie would smile, pick it up, and place it carefully into a large glass jar on the windowsill. The ritual never changed.

At first, she couldn't understand why the bird kept returning. Her husband, Edward, had raised pigeons for more than forty years. He knew every bird by name, understood their habits, and treated them like family. When Edward passed away eleven years earlier, the loft fell silent. One by one, the pigeons disappeared into the sky never to return.

Except one.

A white pigeon with a grey wing.

Every morning since Edward's death, it arrived with a pebble in its beak.

Sophie never questioned it. She simply accepted the little gifts, believing that some mysteries didn't need explaining. The growing jar of pebbles became a quiet reminder that even after loss, something beautiful could remain.

Every Sunday, her granddaughter Lily visited.

"It's just a bird, Grandma," she would laugh. "Probably, a habit. Nothing more."

Sophie would only smile and gently place another pebble into the jar.

"I think some promises are too important to be forgotten," she would reply.

Years passed.

The seasons changed.

The pigeon grew older.

Then, one crisp autumn morning, something was different. The pebble lying on the doormat wasn't smooth like all the others. It was rough and slightly larger. Tied around it with a faded piece of string was a tiny brass ring.

Attached to the ring was a tightly folded note.

Sophie's heart began to race. With trembling hands, she unfolded the fragile paper.

The handwriting stopped her breath.

It was Edward's.

"Sophie, if you're reading this, it means I've been gone a long time. But if he's still flying, then he kept his promise."

Tears blurred the words as she continued.

"I trained him while I was still here. One pebble every day. Not because the pebbles matter, but because I never wanted a single morning to pass without you knowing someone was thinking of you."

Sophie pressed the note against her heart.

The pigeon watched quietly from the garden fence.

Edward's letter continued.

"When the day comes that he can no longer fly, he'll bring you this note instead. That will be his final journey. By then, I hope you've collected enough pebbles to remember that love isn't counted in grand moments. It's built one small act at a time."

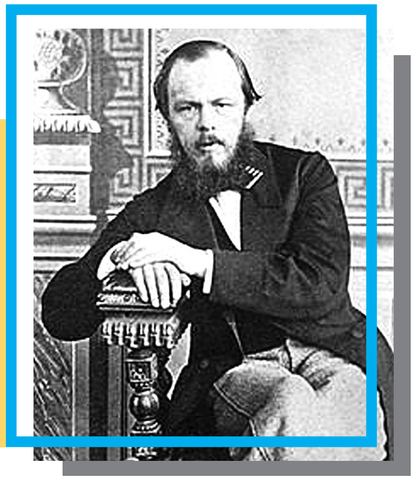
Sophie looked towards the glass jar. Inside were thousands of smooth stones, each one marking a day she had never truly spent alone. She stepped outside slowly. The old pigeon remained where it was, its feathers worn with age, its eyes gentle and familiar. For a long moment, they simply looked at one another. Then, the bird spread its tired wings.





The Woman Who Saved Dostoevsky

She was the first solo female publisher in Russian history, founded one of Russia's first successful book distribution businesses, and created the F. M. Dostoevsky Memorial Museum, the first of its kind in Russia. Anna produced one of the most extensive bibliographies ever created of works written by and about Dostoevsky. After the writer's death, she published seven editions of Dostoevsky's Complete Collected Works, an enterprise that became so well-known and respected that it attracted the attention of Leo Tolstoy's wife, who approached Anna for advice on how she could set up a similar operation for her husband.



Verna Mohon

On October 4, 1866, a 20-year-old woman in a simple black cotton dress paused outside a shop in St. Petersburg to buy a few extra pencils. She wanted to appear professional. She was on her way to meet a client, a meeting she believed would be just another assignment. Instead, it would change the course of literary history and consume the rest of her life.

Her name was Anna Grigorievna Snitkina.

The man waiting for her was Fyodor Dostoevsky.

He was 44 years old, twice her age. A former convict who had survived a Siberian prison camp, a widower haunted by grief, an epileptic plagued by seizures, and a literary genius standing on the edge of financial ruin.

Dostoevsky had signed a disastrous contract with a predatory publisher. If he failed to deliver a new novel by November 1, he would lose the rights to everything he had written, and everything he would write, for the next nine years. It was a sentence almost as cruel as the one that had once sent him to Siberia.

There were only 26 days left.

He had not written a single page.

Anna climbed the stairs to his apartment and rang the bell.

Years later, she recalled the moment vividly:

"A terribly tormented, broken man opened the door."

She saw someone carrying immeasurable sorrow, someone who looked as though he had already lost everything worth living for.

The first meeting was uncomfortable. The atmosphere was heavy. She later admitted that she did not like him at first. He seemed gloomy, exhausted, and emotionally crushed. He, in turn, made her feel deeply depressed.

Yet, work began immediately.

Day after day, Dostoevsky paced the room, dictating while Anna captured every word in shorthand with astonishing speed. Each evening, she transcribed the pages into clean manuscripts and returned the next day ready for more.

Together, they raced against the impossible deadline.

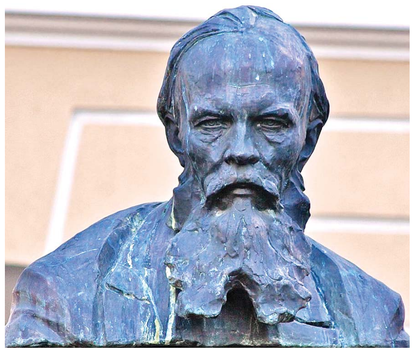
With only two days to spare, they completed the novel *The Gambler*, saving Dostoevsky's literary future.

What began as professional collaboration gradually became something neither expected.

Only four months later, Dostoevsky proposed.

Anna accepted.

Marriage, however, did not rescue her into comfort. It invited her into hardship. Her husband suffered violent epileptic seizures. During each attack, Anna would cradle his head in her hands, placing her own body between him and the floor so that he would not strike it and injure himself. She became nurse as much as wife.



He also carried crushing debts and an uncontrollable gambling addiction.

During their honeymoon abroad, his compulsive gambling became so severe that they lacked enough money to return home. Again and again, he lost everything at the roulette table.

They pawned possessions to survive.

First went Anna's wedding ring. It was redeemed, only to be pawned once more.

Eventually, they were so impoverished that Anna had to pawn her own underwear.

Still, she remained beside him.

Then, tragedy struck.

Their first daughter died in Geneva before reaching her first birthday. Dostoevsky was devastated. Anna became his strength, comforting him through grief that seemed impossible to endure.

Even in poverty, she preserved her dignity. She wrote lighthearted verses mocking their financial misery, insisting that wealth was never their greatest possession. "The only thing we have," she believed, "is our conscience."

Amid debt, illness, exile, bereavement, and constant uncertainty, Dostoevsky created the masterpieces that would define world literature.

- The Idiot.
- Demons.
- The Brothers Karamazov.

Behind every page stood Anna, not as a silent shadow, but as secretary, editor, financial manager, protector, and unwavering companion. She shielded him from creditors, organized his manuscripts, managed contracts, and created the stability that allowed his genius to flourish.

When Fyodor Dostoevsky died in 1881, Anna was only 34 years old.

She never remarried.

When people asked why, her answer was simple in spirit, if not always in words:

"Whom should I marry after Dostoevsky?"

Instead of seeking another life, she dedicated herself to preserving his.

She became one of Russia's first successful female publishers, taking complete control of her husband's literary legacy. She published seven complete editions of Dostoevsky's works, proving herself an exceptional businesswoman at a time when few women occupied such roles.

She helped establish Russia's first literary memorial museum dedicated to him.

She founded hospitals and schools in his name.

She built a village school that educated generations of peasant children, especially girls, offering opportunities many had never imagined possible.

Outside of Slavic scholarly circles, the story of their turbulent and fascinating marriage is unfamiliar to most. Even among many scholars, the complexity of their relationship and extent of Anna's extraordinary accomplishments are only vaguely understood. To name just a few: she was the first solo female publisher in Russian history, founded one of Russia's first successful book distribution businesses, and created the F. M. Dostoevsky Memorial Museum, the first of its kind in Russia. Anna produced one of the most extensive bibliographies ever created of works written by and about Dostoevsky. After the writer's death, she published seven editions of Dostoevsky's Complete Collected Works, an enterprise that became so well-known and respected that it attracted the attention of Leo Tolstoy's wife, who approached Anna for advice on how she could set up a similar operation for her husband.

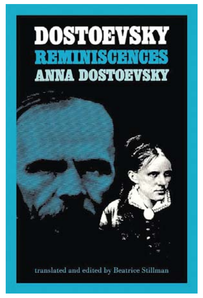
Anna's venture was a commercial success, as well, netting five million dollars in today's money. Anna lent her personal and financial support to charities, libraries, schools, and museums. She founded and funded one of the first provincial parish schools for peasant children that had graduated a thousand peasant girls who might otherwise never have had access to a good education. Anna was the author of *Reminiscences*, a memoir about her life with the writer that, when it appeared seven years after her death, was immediately recognized as an important literary event and still remains a bedrock of Dostoevsky studies.

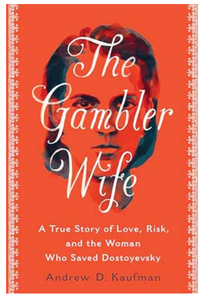
Anna, for her part, was personally and professionally ambitious; like the man she married, she was also a kind of gambler, but, as it turned out, far shrewder and more strategic one than he. As a teenager, she'd fallen in love with Dostoevsky's visionary and humane prose; *Notes from the House of the Dead* and *The Insulted and Injured* were among her two favourite works. The job she took with Dostoevsky was also her path to financial independence, which was important to this proud, self-described emancipated "girl of the sixties." History remembers Fyodor Dostoevsky as one of humanity's greatest novelists.

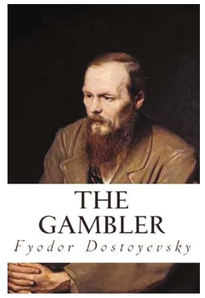
It should also remember Anna Grigorievna Snitkina. Without the young woman who stopped to buy extra pencils on an October morning in 1866, there might have been no The Gambler, no The Idiot, no Demons, and perhaps, no The Brothers Karamazov. Sometimes, history is changed not only by those who write great books, but by those who quietly make it possible for those books to be written.

rajeshsharma1049@gmail.com

#ANNA SNITKINA







> Anna's venture was a commercial success, as well, netting five million dollars in today's money. Anna lent her personal and financial support to charities, libraries, schools, and museums. She founded and funded one of the first provincial parish schools for peasant children that had graduated a thousand peasant girls who might otherwise never have had access to a good education. Anna was the author of *Reminiscences*, a memoir about her life with the writer that was immediately recognized as an important literary event.



#DRY CLEANING

What Every Saree Owner Should Know

Dry clean a silk saree only when it is genuinely soiled or stained. If the saree has only been worn briefly, simply airing it before storing it may be sufficient

Silk is one of the most luxurious and delicate natural fibres, prized for its lustrous sheen, smooth texture, and elegant drape. Whether it is a treasured Kanjeevaram, Paithani, Banarasi, or Mysore silk, proper care is essential to preserve its beauty for generations. Among silk owners, one common belief is that dry cleaning is the safest and gentlest method of cleaning. While dry cleaning certainly has its advantages, it is important to understand how it actually works and how repeated dry cleaning can affect silk over time.

Dry Cleaning Doesn't Mean "Dry"

One of the biggest misconceptions is that dry cleaning involves no liquid. In reality, the process uses liquid chemical solvents instead of water.

The most commonly used solvents are perchloroethylene (commonly called "perc") or hydrocarbon-based cleaning solutions. During the process, the garment is immersed in the solvent and placed inside a specialised cleaning drum. As the drum rotates, the solvent dissolves oils, perspiration, body residues, and dirt trapped within the fabric.

Once the cleaning cycle is complete, the solvent is filtered and recovered, while the remaining traces are evaporated from the garment, leaving it clean and dry.

Why Dry Cleaning Works Well for Silk

Dry cleaning offers several advantages, especially for delicate fabrics like silk.

Since water is not used, there is a lower risk of colour bleeding or dye migration. This is particularly beneficial for richly coloured silk sarees with contrasting borders and pallus.

The chemical solvent is highly effective at removing oily stains, perspiration, dust, and accumulated grime without subjecting the fabric to excessive moisture. This helps maintain the saree's overall appearance and prevents many of the problems associated with improper washing.



The Hidden Drawbacks

Although dry cleaning cleans silk effectively, it is not completely without consequences.

Silk is a protein-based natural fibre, composed primarily of fibroin. Like all natural protein fibres, silk responds differently to chemical exposure than synthetic fabrics. Repeated exposure to dry-cleaning solvents can gradually strip away some of silk's natural softness and sheen. Over time, a silk saree may begin to feel less supple, becoming slightly rougher and stiffer than when it was new.

With frequent dry cleaning over many years, the fibres may also become more brittle. As the silk loses some of its natural flexibility, it becomes more susceptible to wear, especially along folds, pleats, and areas subjected to repeated stress. This does not mean that dry cleaning damages silk immediately. Rather, the effects are cumulative and become noticeable after repeated cleaning cycles.

How to Care for Silk More Wisely

The key to preserving silk is not to avoid dry cleaning altogether, but to use it judiciously.

Dry clean a silk saree only when it is genuinely soiled or stained. If the saree has only been worn briefly, simply airing it in the shade before storing it may be sufficient. Avoid dry cleaning after every single use unless absolutely necessary. Limiting the number of cleaning cycles helps preserve the silk's natural lustre, softness, and strength. Proper storage also plays an important role. Fold the saree carefully, refold it periodically to avoid permanent creases, store it in a breathable cotton or muslin cloth rather than plastic, and keep it away from direct sunlight and excessive humidity.



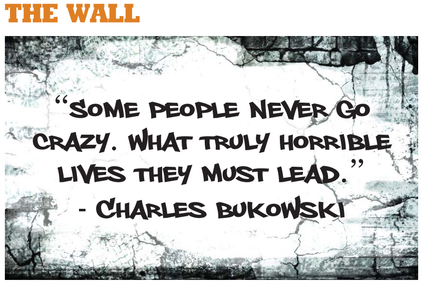
The Bottom Line

Dry cleaning remains one of the safest cleaning methods for valuable silk garments because it effectively removes oils and dirt while minimizing the risk of colour bleeding. However, it should not be viewed as a completely harmless process. Since silk is a delicate protein-based fibre, repeated exposure to chemical solvents can gradually reduce its natural shine, softness, and flexibility, eventually making the fabric feel rougher and more brittle.

The best approach is moderation. Reserve dry cleaning for occasions when it is truly needed, and rely on proper airing and careful storage between wears. By limiting unnecessary cleaning, you can help ensure that your cherished silk sarees retain their beauty, elegance, and longevity for decades to come.



THE WALL



BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman



पंचायत आम चुनाव की तैयारियों सम्बंध में राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह भरतपुर पहुंचे

भरतपुर (निसं)। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह शुक्रवार को भरतपुर पहुंचे। यहां सर्किट हाउस में जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने उनकी अगवानी की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा, एएसपी धर्मेंद्र यादव और एडीएम राजीव शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। राज्य निर्वाचन आयुक्त जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारियों के साथ बैठक कर पंचायत आम चुनाव की तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा।



चुनाव के सम्बंध में भरतपुर पहुंचे राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह का जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने स्वागत किया।

- **प्रदेश में अब तक करीब 11 हजार पंचायतों के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। केवल जोधपुर जिले की बिलाड़ा पंचायत समिति की एक पंचायत में पुनर्मतदान की स्थिति बनी है, जिसे 15 नवंबर को कराया जाएगा**

इस दौरान राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने कहा कि राजस्थान में वन स्टेट, वन इलेक्शन की दिशा में निकाय चुनाव शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुए हैं। वहीं पंचायत आम चुनाव के तीन चरण भी सफलतापूर्वक संपन्न हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान कुछ स्थानों पर छोटी-मोटी विवाद की स्थितियां सामने आईं, लेकिन कहीं भी बड़ी हिंसात्मक घटना नहीं हुई।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक करीब 11 हजार पंचायतों के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। केवल जोधपुर जिले की बिलाड़ा पंचायत समिति की एक पंचायत में पुनर्मतदान की स्थिति बनी है, जिसे 15 नवंबर को कराया जाएगा। पंचायत चुनाव के चौथे चरण में प्रदेशभर में करीब 3500 पंचायतों के चुनाव संपन्न कराए जा रहे हैं।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि भरतपुर के साथ धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, डीग और टोंक जिलों का दौरा करने का उद्देश्य चुनावी व्यवस्थाओं का जायजा लेना है। इसके तहत जिला प्रशासन से कानून व्यवस्था, चुनाव प्रबंधन, मतदान दलों के गठन, उनके प्रशिक्षण और रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया की जानकारी ली जाएगी। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि मतदान दलों के गठन और रेंडमाइजेशन में राजनीतिक दलों को शामिल किया गया या नहीं। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता की पालना, मतदान दलों के ठहरने और आवागमन की व्यवस्था सहित चुनाव से जुड़ी सभी तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। इसके अलावा 20 नवंबर को होने वाली मतगणना को लेकर की गई व्यवस्थाओं की भी जानकारी ली।

अलवर में ऑल राजस्थान कबड्डी प्रतियोगिता का आगाज

अलवर। शहर के इंदिरा गांधी स्टेडियम में बुधवार से 36वीं ऑल राजस्थान कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। 12 से 15 नवंबर तक आयोजित होने वाली इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेशभर के 48 जिलों की बालक एवं बालिका टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता में 16 वर्ष से कम आयु वर्ग के खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता में बालिका वर्ग की 20 जिलों की 20 टीमें तथा बालक वर्ग की 28 जिलों की 28 टीमें भाग ले रही हैं। इस तरह कुल 48 टीमें खिताब के लिए मुकाबला कर रही हैं। स्टेडियम में कबड्डी के रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए खेल प्रेमियों में भी खासा उत्साह है। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में महासचिव तेजस्विनी सिंह गहलोत और राजस्थान कबड्डी संघ के महासचिव जगदीश फौजी सहित अन्य अतिथियों ने शिरकत की। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा खेल भावना और अनुशासन के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का संदेश दिया।

सार-समाचार

चौथे चरण की वोटिंग के लिए मतदान दल रवाना



टोंक। पंचायतीराज आम चुनाव के चौथे चरण के तहत टोंक जिले की 4 पंचायत समितियों एवं जिला परिषद के वार्डों में 14 नवम्बर को होने वाले मतदान के लिए शुक्रवार को राजकीय महाविद्यालय टोंक से अंतिम प्रशिक्षण के उपरांत मतदान दल ईवीएम, बैलेट पेपर एवं निर्वाचन संबंधी आवश्यक सामग्री के साथ उनके निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना हुए। मतदान दलों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार चुनाव सामग्री उपलब्ध कराई गई तथा सामग्री प्राप्त करने के बाद उन्हें संबंधित मतदान केन्द्रों के लिए रवाना किया गया। मतदान दलों की सुविधा के लिए वाहन पार्किंग एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) टीना डाबी, एडीएम विनोद कुमार मीना, सीईओ राकेश कुमार मीना एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) टीना डाबी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदान केन्द्रों पर मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष, स्वतंत्र, सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने बताया कि चौथे चरण में टोंक, मालपुरा (आंशिक), निवाई एवं टोडारायसिंह पंचायत समितियों के 74 वार्डों तथा जिला परिषद के 13 वार्डों में मतदान होगा। इन क्षेत्रों में कुल 414 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं। चौथे चरण में कुल 3 लाख 76 हजार 570 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 1 लाख 92 हजार 961 पुरुष तथा 1 लाख 83 हजार 609 महिला मतदाता शामिल हैं। जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य पदों के लिए शनिवार, 14 नवम्बर को प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान होगा। उन्होंने बताया कि पंच एवं सरपंच पदों के लिए रविवार, 15 नवंबर को नामांकन प्रक्रिया संपन्न होगी। इसके बाद सोमवार, 16 नवंबर को प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान कराया जाएगा। उपसरपंच का चुनाव मंगलवार, 17 नवंबर को निर्धारित है।

पालिकाध्यक्ष ने रेलवे अधिकारियों को सौंपा मांग पत्र

फुलेरा। फुलेरा रेलवे जंक्शन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार एवं लंबित विकास कार्यों को गति देने की मांग को लेकर फुलेरा पालिकाध्यक्ष राजू दाधीच, व्यापार महासंघ अध्यक्ष मनोज आहुजा के नेतृत्व में उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पंकज शर्मा के फुलेरा आगमन पर फुलेरा जंक्शन की प्रमुख आवश्यकताओं एवं समस्याओं की ओर रेलवे प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए शीघ्र समाधान की मांग की गई है। मांग पत्र में प्रमुख रूप से फुलेरा जंक्शन पर स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने, प्लेटफॉर्म संख्या एक पर शेड, बैठने एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था करने की मांग की गई है। इसके साथ ही अमृत भारत योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने तथा पुराने एवं नवनिर्मित फुट ओवरब्रिज पर एस्केलेटर अथवा लिफ्ट लगाने की मांग उठाई गई है। पत्र में फुलेरा रेलवे स्टेशन को हेरिटेज स्टेशन के रूप में विकसित करने, रेलवे स्टेशन के पास खाली पडी रेलवे भूमि पर युवाओं एवं बच्चों के लिए खेल मैदान विकसित करने तथा यात्रियों और कर्मचारियों की सुविधाओं में विस्तार करने का सुझाव भी दिया गया है। इस अवसर पर पालिका उपाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह शेखावत, दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत अध्यक्ष अशोक वासदेव, पार्षद प्रतिनिधि दिलीप सुरोलिया, गणेश परिहार, पूरण सैनी , मनीष शर्मा, राजकुमार सिंह, तारा सोनी व अन्य लोग मौजूद रहे।

अलवर मिनी सचिवालय सौर ऊर्जा से रोशन हुआ पूरा परिसर

अलवर। सरकारी कार्यालयों में सौर ऊर्जा के उपयोग से बिजली खर्च कम करने की दिशा में अलवर मिनी सचिवालय ने मिसाल पेश की है। यहां स्थापित 400 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट से नवंबर माह में पूरे परिसर की बिजली खपत की भरपाई हो गई। इसके चलते बिजली बिल में नेट बिल्ड यूनिट और ऊर्जा शुल्क शून्य रहा। परिसर की जरूरत पूरी होने के बाद बची अतिरिक्त बिजली जयपुर विद्युत वितरण निगम के ठिाड को भी दी गई। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि राज्य सरकार की मॉडल योजना के तहत मिनी सचिवालय में स्थापित सोलर प्लांट से परिसर की बिजली जरूरतें पूरी हो रही हैं। इससे सरकारी बिजली खर्च में प्रतिमाह करीब 4 लाख रुपए की बचत हो रही है। सौर ऊर्जा के उपयोग से सरकारी राजस्व की बचत के साथ विद्युत ग्रिड पर भी भार कम हुआ है।उन्होंने बताया कि नवंबर माह में परिसर की संपूर्ण विद्युत आवश्यकता सौर ऊर्जा से पूरी होना महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे स्वच्छ और हरित ऊर्जा को बढावा देने के साथ सरकारी कार्यालयों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी मदद मिल रही है।जेवीवीएनएल के अधीक्षण अभियंता जेपी बैरवा ने बताया कि जिला प्रशासन के सहयोग से सोलर प्लांट जून 2026 में चालू किया गया था। इसके बाद से लगातार अच्छा विद्युत उत्पादन हो रहा है। अनुमान है कि करीब चार साल में प्लांट की स्थापना लागत वसूल हो जाएगी। इसके बाद अगले 25 साल तक इससे बिजली उत्पादन का लाभ मिलता रहेगा।

सुरक्षा के लिए प्रशासन ने किए विशेष इंतजाम

निवाई। निवाई पंचायत समिति के 29 वार्डों में शनिवार को होने वाले मतदान के लिए 174 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। पंचायत राज चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर गंभीर सिंह ने बताया कि निवाई पंचायत समिति क्षेत्र में कुल 29 वार्ड हैं, जिनके लिए 92 प्रत्याशी मैदान में हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में मतदान को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए निर्वाचन विभाग ने 52 ग्राम पंचायतों में 26 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 4 एरिया मजिस्ट्रेट व एक आब्जर्वर नियुक्त किया है। रिटर्निंग ऑफिसर गंभीर सिंह ने बताया कि निवाई पंचायत समिति क्षेत्र में 13 मतदान केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है। इन पर सुरक्षा के विशेष इंतजामात किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 13 संवेदनशील मतदान केन्द्रों में राहोली, जोधपुरिया, डांगरथल, मूंडिया, हरभांवता, ललवाड़ी, झिलाय, जामडोली नटवाड़ा, बस्सी, दतवास, तुर्किया व अरनिया मतदान केंद्र संवेदनशील घोषित किए गए हैं। इन मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं।

महिला मतदाताओं को दिलाई मतदान की शपथ

निवाई। पंचायतराज चुनावों को लेकर मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से स्वीप अभियान के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा कलश यात्रा निकाल कर मतदाता जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने गांवों एवं ढाणियों में घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क किया एवं उन्हें लोकतंत्र में मतदान के महत्व की जानकारी दी। महिला एवं बाल विकास अधिकारी संगीता दीपक व महिला पर्यवेक्षक अनुजा शर्मा ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने विशेष रूप से महिलाओं एवं युवा मतदाताओं को मतदान प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही सामूहिक रूप से मतदाता जागरूकता रैली एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित कर सभी मतदाताओं को निर्भीक, निष्पक्ष एवं अनिवार्य रूप से मतदान करने का संदेश दिया।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह कल

निवाई। अखिल भारतीय विजयवर्गीय वैश्य महासभा के तत्वावधान में रविवार को झिलाय रोड पर स्थित मॉडल स्कूल के पीछे विजयवर्गीय छात्रावास संस्थान में दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। जितेन्द्र विजय ने बताया कि समारोह में विधायक रामसहाय वर्मा व पालिकाध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा एवं विजयवर्गीय समाज की प्रदेश व राष्ट्रीय कार्यकारणी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सहित समाज के सभी लोग सपरिवार भाग लेंगे एवं आपसी प्रेम, भाईचारे व सामाजिक एकता का संदेश देंगे।

सार-समाचार

पेट्रोल डालकर हमला करने वाले फरार दो आरोपी गिरफ्तार

सांभरझील, (निसं)। शराब नहीं देने की बात को लेकर आपसी रंजिश में पेट्रोल डालकर जानलेवा हमला करने के मामले में फरार हुए दो आरोपियों को पुलिस टीम ने करीब 400 किलोमीटर तक पीछा कर बहादुरगढ़ हरियाणा से डिटेन कर गिरफ्तार कर लिया। हनुमान प्रसाद, पुलिस अधीक्षक, जिला जयपुर ठाामीण ने बताया कि दिनांक 10.11.2026 को विजय सिंह सोनी पुत्र रामोवतार सोनी जाति सुनार उम्र 19 साल निवासी हरसोली पुलिस थाना रेनवाल जिला जयपुर ने थाना रेनवाल पर रिपोर्ट दर्ज करवायी कि यंशवत सिंह के करड रोड किशनगढ रेनवाल जिला जयपुर स्थित शराब गौदाम पर मैं और कैलाश सिंह कर्मचारी है। 2-3 दिन पहले किशन लाल मीणा पुत्र नामालूम निवासी मिण्डा रोड, किशनगढ रेनवाल पुलिस सुरजीत सिह पुत्र नामालुम, राहुल सिंह पुत्र नामालुम जाति राजपूत निवासी ड्योड्या रामसिंहपुरा पुलिस थाना रेनवाल एक राय कर उक्त शराब गौदाम पर आये और कैलाश सिंह को शराब देने के लिए धमकाने लगे तो कैलाश सिंह ने शराब गौदाम से शराब देने से मना कर दिया तो उक्त आरोपीगण कैलाश सिंह को 2 दिन में सबक सिखाने की धमकी देकर चले गये और उक्त आरोपीगण दिनांक 10.11.2026 को एकराय कर तथा बोतल मे पेट्रोल भरकर मोटरसाईकिल से समय करीबन 1.00 बजे दोपहर उक्त गौदाम पर आये। एक व्यक्ति बाईक पर बैठा रहा और अन्य दोनो आरोपियों ने पेट्रोल की बोतल चैनल गेट के बाहर से अन्दर की तरफ फेंक दी और माचिस से आग लगा दी, जिससे कैलाश सिंह का शरीर लगभग 80 प्रतिशत जल गया जो एसएमएस हास्पिटल जयपुर मे दौराने ईलाज है। रिपोर्ट पर पुलिस थाना रेनवाल ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। घटना को गंभीरता से लेते हुए प्रकरण में वांछित आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) नीरज पाठक व वृत्ताधिकारी जोबनेर पन्नालाल जांगीड के निकटतम सुपरविजन में तथा थानाधिकारी रेनवाल राजेन्द्र कुमार, डीएसटी टीम प्रभारी सुहेल खान मय जाप्ता के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा अथक प्रयास करते हुए दिनांक 12.11.2026 को करीबन 400 किलोमीटर तक आरोपियों का पीछा कर बहादुरगढ हरियाणा से प्रकरण में जानलेवा हमला करने वाले वांछित दो आरोपी सुरजीत सिंह शेखावत उर्फ राहुल उर्फ रांकी, व योगेन्द्र सिंह शेखावत उर्फ रवि को डिटेन किया।

बिना पेनल्टी बिल देने पर बनी सहमति

फुलेरा। शहर में जलदाय विभाग की ओर से पानी के बिल वितरित नहीं किए जाने और उपभोक्ताओं के मोबाइल पर पेनल्टी सहित बिल जमा करवाने के मैसेज भेजे जाने का मामला सामने आया है। इस समस्या को लेकर शुक्रवार को वार्ड नंबर 14 की पार्षद शिवानी सिंह की ओर से जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता को ज्ञापन देकर समस्या से अवगत करवाया गया। वार्ड नं 14 निवासी महेश शर्मा गार्ड ने बताया कि पूरे फुलेरा शहर में पानी के बिलों का वितरण नहीं हुआ है, इसके बावजूद उपभोक्ताओं के मोबाइल पर पेनल्टी सहित बिल जमा करवाने के संदेश आ रहे हैं। इससे आमजन में असमंजस और परेशानी की स्थिति बनी हुई है। मामले को लेकर वार्ड नंबर 14 के पार्षद प्रतिनिधि विशाल सिंह के नेतृत्व में न्यू गार्डन कॉलोनी के निवासियों ने कनिष्ठ अभियंता से मुलाकात कर समस्या रखी। चर्चा के बाद सहमति बनी कि आगामी बिल प्रिंट करवाकर उपभोक्ताओं को वितरित किए जाएंगे तथा बिना पेनल्टी के बिल जमा करवाने की व्यवस्था की जाएगी। इस अवसर पर वीरसिंह बाबा, गिरधरगोपाल बूमरा, दिनेश कुमार सोनी, राजीव दत्त गौड़, भीकमचंद, कमल शर्मा, राजेश कुमार शर्मा सहित अन्य कॉलोनीवासी मौजूद रहे।

पंचायतीराज चुनावों के तहत धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू

टोंक। पंचायतीराज आम चुनाव-2026 शांतिपूर्वक, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित रुप से सम्पन्न कराए जाने को लेकर जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट टीना डाबी ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के आदेश जारी किए है। उन्होंने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के घोषित कार्यक्रम के अनुसार टोंक जिले में चौथे चरण के तहत 14 व 16 नवम्बर को चुनाव होने है। इसी के तहत जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच व पंच पद के लिए मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व की अवधि में चुनाव प्रचार प्रतिबंद्धित रहेगा। इस अविध के दौरान किसी भी व्यक्ति अथवा समूह द्वारा विधि विरुद्ध जमाव, जनसभा करने अथवा उसमें भाग लेना पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्य के लिए शनिवार 14 नवम्बर साय: 6 बजे तक (मतदान समाप्ति) तथा सरपंच व पंच के लिए शनिवार 14 नवम्बर साय: 6 बजे से सोमवार 16 नवम्बर साय: 6 बजे तक (मतदान समाप्ति) की अवधि के दौरान सभाओं पर प्रतिबंध और सार्वजनिक बैठको पर रोक लगाने के आदेश जारी किए गए है। यह आदेश मतदान क्षेत्रो के लिए लागू होंगे। उन्होंने बताया कि इस अवधि में डोर टू डोर भ्रमण प्रतिबंधित नहीं होगा। मतदान केन्द्रों के 200 मीटर की परिधि में किसी भी अभ्यर्थी, राजनैतिक दल की ओर से मतदान सहायता केन्द्र स्थापित नही किया जाएगा। मतदान दिवस पर कोई भी व्यक्ति मतदान केन्द्र से 100 मीटर की परिधि के अंदर मोबाईल, सेलफोन, वायरलेस का उपयोग नही करेगा

मतदान बहिष्कार की चेतावनी

निवाई। राज्य निर्वाचन आयोग राजस्थान की पंचायत चुनाव निर्वाचक नामावली में जिला निर्वाचन आयोग द्वारा मतदान बूथों के नाम व पते में हुई त्रुटि को लेकर गांव सीपुरा के ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त करते हुए शीघ्र संशोधन की मांग को लेकर निर्वाचन अधिकारी गंभीर सिंह को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय पर सुधार नहीं किया गया तो समस्त ग्रामवासी शनिवार को आयोजित चुनाव में मतदान का बहिष्कार करेंगे। ज्ञापन में ग्रामीणों ने बताया कि मतदान बूथ संख्या 163, बूथ संख्या 164 व बूथ संख्या 165 के पते में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुरावदा अंकित कर दिया गया है, जबकि इस नाम का कोई विद्यालय नहीं है।

मूसाखेड़ा में मोना बनी गांव की सरपंच, परिवार में खुशी

किशनगढ़ बास। पंचायत समिति किशनगढ़ बास की 32 ग्राम पंचायतों में हाल ही में संपन्न हुए सरपंच चुनाव में मुसाखेड़ा गांव ने इतिहास दोहरा कर गोयल परिवार की बहूं को अपना सरपंच चुना है। करीब 55 साल बाद फिर गोयल परिवार में खुशी लोटी है। यह जीत की खुशी मुसाखेड़ा से लेकर किशनगढ़ बास तक छाई है।

55 साल पहले मोना अठावाल के परदादा ससुर रामसहाय गोयल 27 गांव के सरपंच रह चुके हैं। अब उनकी परपोती बहू मोना गोयल ने मुसाखेडा से सरपंच पद पर जीत हासिल कर परिवार की उस गौरवशाली परंपरा को फिर से जीवित कर दिया है। गांव में इसे विरासत की वापसी के रूप में देखा जा रहा है। नवनिर्वाचित सरपंच मोना अग्रवाल एम.ए. पास हैं। उनके पति दिपेश उर्फ दीपू गोयल किशनगढ़ बास में रेडीमेड कपड़ों की दुकान करते हैं। वहीं चाचा ससुर विनय गोयल की कपड़े की दुकान है। शिक्षित बहू के सरपंच बनने से गांव के लोगों में विकास की नई उम्मीद जगी है।



मुसाखेड़ा में नवनिर्वाचित सरपंच मोना अग्रवाल का अग्रवाल समाज के लोगों ने मिठाई बांट कर सम्मान किया।

मोना अग्रवाल के सरपंच बनने पर किशनगढ़ बास अग्रवाल समाज के लोग गांव पहुंचे और मोना अठावाल को जीत की बधाई देते हुए मुंह मीठा कराया और सम्मान किया। इस दौरान सरपंच परिवार के सत्यनारायण, विनय गोयल सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने घर पहुंचे समाज बंधुओं का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया।

समाज के लोगों ने कहा कि 32 पंचायतों पर हुए चुनाव में समाज की एक बेटी ने चुनाव लड़ा और जीत हासिल कर समाज व परिवार का मान बढाया है। 55 साल बाद फिर परिवार में सरपंची आना पूरे समाज के लिए गर्व की बात है। समाज के लोगों ने कहा कि शिक्षित सरपंच मोना अग्रवाल के नेतृत्व में मुसाखेडा गांव शिक्षा, सफाई, सड़क, पानी और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में विकास की नई मिसाल बनेगा।

इस दौरान अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुनील सिंघल, किराना व्यापार मंडल अध्यक्ष मदन लाल अग्रवाल, संजय सिंघल, मनोज मित्तल, हरीश गोयल, सन्तोष गोयल, गिर्राज प्रसाद, सागर सिंघल, नरेन्द्र कुमार सहित समाज के लोग मौजूद रहे।

प्रागपुरा के मुख्य बाजारों में जल्द लगेंगे स्पीड ब्रेकर

पावटा। प्रागपुरा कस्बे के मुख्य बाजारों में तेज रफ्तार वाहनों के कारण बढ़ते हादसों की आशंका को देखते हुए अब स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग ने जोर पकड़ लिया है।

कस्बे में रोजाना कार और मोटरसाइकिल तेज गति से गुजरती हैं। कई बार सड़क हादसे भी हो चुके हैं, वहीं कुछ वर्ष पूर्व तेज रफ्तार के चलते जनहानि की घटना भी सामने आ चुकी है। हाल ही में दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर की घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी। इसी समस्या को गंभीरता से लेते हुए कस्बे के मुख्य बाजारों में जगह-जगह स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग को लेकर पूर्व जिला पार्षद ललित गोयल ने मुख्यमंत्री कार्यालय में अतिरिक्त सचिव अखिल अरोड़ा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि मुख्य बाजारों में वाहनों की तेज रफ्तार आमजन, दुकानदारों और राहगीरों की सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई है।

राजस्व प्रकरणों के निस्तारण में देरी बर्दाश्त नहीं : डॉ. आर्तिका शुक्ला

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने राजस्व अधिकारियों को लंबित राजस्व प्रकरणों और न्यायालयों में विचाराधीन मामलों का गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयावधि में निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आमजन को राहत पहुंचाने के लिए अधिकारी सक्रियता से काम करें। प्रकरणों के निस्तारण में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला कलक्टर शुक्रवार को मिनी सचिवालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक ले रही थीं। उन्होंने राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों, राजस्व प्रकरणों और संपर्क पोर्टल पर दर्ज परिवादों की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सरकारी प्रयोजन के लिए भूमि आवंटन के लंबित मामलों में जिला स्तरीय अधिकारी संबंधित उपखंड अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर समय पर निस्तारण कराएं, ताकि जनहित से जुड़े विकास कार्यों को गति मिल सके। अधीनस्थ न्यायालयों में लंबित राजस्व मामलों का नियमानुसार समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए उपखंड अधिकारियों और तहसीलदारों को निर्देशित किया। बैठक में राजस्व वाद निस्तारण, जीसीएमएस पोर्टल, भूमि संपरिवर्तन, आम रास्तों, सीमाज्ञान और कुर्रेजात रिपोर्ट सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। कलक्टर ने संपर्क पोर्टल पर लंबित शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि प्रत्येक परिवादी से संपर्क कर उसकी समस्या का संतुष्टिदायक समाधान किया जाए। उपखंड अधिकारी पोर्टल पर दर्ज परिवादों की साप्ताहिक समीक्षा करें। मुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्य सचिव कार्यालय तथा ठााम पंचायत, ब्लॉक और जिला स्तरीय जनसुनवाई से संबंधित शिकायतों एवं स्टार मार्क प्रकरणों का भी निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए । बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम योगेश डागुर, अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर अंबालाल मीणा सहित समस्त उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और अधिशासी अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

- **संपर्क पोर्टल के लंबित परिवादों की भी समीक्षा, परिवादियों से संवाद कर संतुष्टिदायक समाधान के निर्देश**
- **बैठक में राजस्व वाद निस्तारण, जीसीएमएस पोर्टल, भूमि संपरिवर्तन, आम रास्तों, सीमाज्ञान और कुर्रेजात रिपोर्ट सहित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई**

व्यापारी प्रतिनिधियों ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का जताया आभार

हर त्योहार पर स्थायी रूप से हाट बाजार लगाने का सुझाव दिया

अलवर। दीपावली पर कंपनी बाग रोड पर हाट बाजार की सुव्यवस्थित व्यवस्था और शहर के मुख्य बाजारों को अतिक्रमण मुक्त कराने की पहल को लेकर व्यापारियों ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का आभार जताया है। शुक्रवार को मंत्री के कार्यालय पर कंपनी बाग हाट बाजार सहित शहर के विभिन्न बाजारों के व्यापारी प्रतिनिधियों ने पहुंचकर उन्हें धन्यवाद दिया। व्यापारियों ने कहा कि इस व्यवस्था से जहां फड व्यापारियों को बेहतर सुविधाएं मिलीं, वहीं मुख्य बाजारों में भी खरीदारी के लिए आने वाले नागरिकों को राहत मिली और परंपरागत व्यापारियों का कारोबार भी प्रभावित नहीं हुआ।

अलवर टाइगर मैराथन एवं अलवर दिवाली उत्सव के संयोजक अरुण जैन ने बताया कि हर वर्ष दीपावली के अवसर पर शहर के प्रमुख बाजारों में फड़ व्यापारियों की संख्या बढ़ जाती है। ये छोटे व्यापारी तपती धूप और सर्द रातों में जमीन पर बैठकर अपना कारोबार करते हैं। बाजारों में जगह सीमित होने के कारण दीपावली से पहले ऐसी स्थिति बन जाती है कि लोगों के लिए पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है। इसका असर फड़ व्यापारियों के साथ बाजार के स्थायी दुकानदारों के कारोबार पर भी पडता है। आम नागरिक भी भीड और अव्यवस्था के कारण बाजारों में जाने से कतराते हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के सुझाव और प्रेरणा से इस बार फड व्यापारियों को कंपनी बाग रोड पर व्यवस्थित हाट बाजार में स्थानांतरित किया गया। यहां उनके बैठने के लिए उचित स्थान, छायादार दुकानों के साथ पेयजल और शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। विभिन्न समाजसेवियों ने भी समय-समय पर व्यापारियों के लिए भोजन की व्यवस्था की। इससे छोटे व्यापारियों को सम्मानजनक और सुविधाजनक माहौल में कारोबार करने का अवसर मिला।

- **मुख्य बाजारों अतिक्रमण हटने से खरीदारी के लिए आने वाले नागरिकों को राहत मिली**



दीपावली पर हाट बाजार की सुव्यवस्थित व्यवस्था व अतिक्रमण मुक्त कराने की पहल को लेकर व्यापारियों ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का आभार जताया है।

कोटा में जेके लोन अस्पताल के ईसीजी टेक्नीशियन इंचार्ज ने घर पर आत्महत्या की

मौके पर एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें तीन जनों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है

कोटा, (निसं)। जेके लोन अस्पताल के ईसीजी टेक्नीशियन इंचार्ज ने शुक्रवार को रेलवे कॉलोनी थाना इलाके के महात्मा गांधी कॉलोनी स्थित अपने घर पर ही सुसाईड कर लिया। मौके पर एक सुसाईड नोट मिला है, जिसमें 3 जनो पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है, परिजन मृतक के शव को लेकर अस्पताल पहुंचे और मामले मे निष्पक्ष कार्यवाही की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। परिजनों का आरोप है कि सतीश कुमार से डे और नाईट ड्यूटी करवाई जा रही थी। हंगामे की सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और परिजनों से समझाईश की। बाद में परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले में जांच शुरू कर दी है।

- **परिजन मृतक के शव को लेकर अस्पताल पहुंचे और मामले मे निष्पक्ष कार्यवाही की मांग को लेकर प्रदर्शन किया**
- **परिजनों का आरोप है कि सतीश कुमार से डे और नाईट ड्यूटी करवाई जा रही थी**

जानकारी के अनुसार रेलवे कॉलोनी इलाके के महात्मा गांधी कॉलोनी निवासी सतीश कुमार चांदसी ने घर पर ही फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। घटना का पता उस समय लगा जब सतीश की पत्नी ने अपने पीहर से सतीश को फोन किया तो उसने फोन नहीं उठाया, जिस पर उसने पड़ोस में रहने वाली परिचित को फोन किया जिस पर वह मौके पर पहुंची तो सतीश को फंदे पर लटका देखा, बाद में युवक को उतारकर अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर मृतक की पत्नी अस्पताल पहुंची, जेके लॉन अस्पताल परिसर में परिजनों ने मृतक के शव को रखकर प्रदर्शन किया और काफी देर तक गहमागहमी जैसा माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलने के बाद जेके लोन अस्पताल की चौकी से पुलिसकर्मी और बाद में पुलिस अधिकारी व रेलवे कॉलोनी व नयापुरा थाने से पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा और परिजनों से समझाइश की गई।

पुलिस उप अधीक्षक राजेश टेलर ने बताया कि घटनाक्रम रेलवे कॉलोनी थाना इलाके की महात्मा गांधी कॉलोनी में हुआ है, मृतक जेके लोन अस्पताल में ईसीजी टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत था, महात्मा गांधी कॉलोनी निवासी सतीश कुमार चांदसी (35) ने घर पर ही सुसाइड कर लिया, मौके पर एक सुसाइड नोट भी मिला है।

रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा ने बताया कि मामले में मृतक के पास सुसाईड नोट मिला है जिसमें 3 जनों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगा गया है। मृतक के परिजनों की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच पुलिस उपअधीक्षक राजेश टेलर द्वारा की जा रही है।

मामले में जेके लोन अस्पताल की अधीक्षक डॉ. निर्मला शर्मा का कहना है कि ईसीजी टेक्नीशियन के इंचार्ज सतीश कुमार के परिजन बॉडी लेकर अस्पताल आए थे, घटना पूरी तरह से दुर्भाग्यपूर्ण है इस संबंध में नर्सिंग अधीक्षक से रिपोर्ट मांगी है। प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि सतीश कुमार खुद इंचार्ज थे और उनके अधीन 6 ईसीजी टेक्नीशियन काम करते थे ऐसे में उनकी ड्यूटी लगाने का काम खुद करते थे फिर भी इस पूरे प्रकरण में जांच रिपोर्ट ले रहे हैं।

जोधपुर में बाइक की टक्कर से आरटीओ एजेंट की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के महामंदिर पुलिस थाना क्षेत्र आरटीओ के सामने बाइक सवार ने आरटीओ एजेंट को टक्कर मार दी। हादसे में घायल आरटीओ एजेंट की एमडीएम अस्पताल में मौत हो गई। इस बारे में उसके साले की तरफ से महामंदिर थाने में अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ रिपोर्ट दी गई है। पुलिस ने शव को कार्रवाई के उपरांत शव परिजन को सौंपा। घटना गुरूवार की है।

महामंदिर थाने के एएसआई गणपत सिंह ने बताया कि मूलत: पीलवा, लोहावट हाल बीजेएस कॉलोनी निवासी बन्नेसिंह यहां आरटीओ में एजेंट था। वह गुरूवार को आरटीओ से अपने घर की तरफ पैदल जा रहा था। तब आरटीओ के सामने ही किसी बाइक सवार ने टक्कर मार दी। इससे वह घायल हो गया। बाद में उसे आसपास के लोगों की मदद से एमडीएम अस्पाल भेजा गया। मगर यहां पर उसकी मौत हो गई। एएसआई गणपतसिंह के अनुसार मृतक शरीर के बाहर कोई बड़ी चोट नजर नहीं आई, संभवत: सिर में स्लॉट बनने से उसकी मौत हो गई। बाइक सवार का पता लगाया जा रहा है। शव का पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द किया गया है। घटना को लेकर उसके साले धेलिया बाप फलोदी निवासी सुरेंद्र सिंह पुत्र मालम सिंह की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। अग्रिम अनुसंधान जारी है।

लोक सूचना अधिकारी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया

पाटन, (निसं)। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मांगी गई सूचनाएं निर्धारित समय पर उपलब्ध नहीं करवाना तथा द्वितीय अपील में राज्य सूचना आयोग की ओर से जारी आदेशों की पालना नहीं करना ग्राम पंचायत ठीकरिया के लोक सूचना अधिकारी को भारी पड़ गया। राजस्थान राज्य सूचना आयोग, जयपुर ने पांच अलग-अलग प्रकरणों में कार्रवाई करते हुए लोक सूचना अधिकारी विकास कुमार मीणा पर कुल 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

- **आरटीआई के तहत मांगी गई सूचनाएं उपलब्ध नहीं करवाने पर कार्रवाई की**
- **पांच प्रकरणों में 5-5 हजार रुपये की शास्ति अधिरोपित**

प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवादी बनवारी लाल जाट की ओर से ग्राम पंचायत ठीकरिया, पंचायत समिति नीमकाथाना से संबंधित सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत पांच अलग-अलग प्रकरण प्रस्तुत किए गए थे। इन मामलों में राजस्थान राज्य सूचना आयोग ने 4 मई 2026 को संबंधित सूचनाएं उपलब्ध करवाने के आदेश जारी किए थे, लेकिन निर्धारित आदेशों के बावजूद परिवादी को सूचनाएं उपलब्ध नहीं करवाई गईं। मामले को गंभीरता से लेते हुए आयोग ने 14 अक्टूबर को पांचों प्रकरणों में अलग-अलग 5-5 हजार रुपये की शास्ति अधिरोपित की। इस प्रकार लोक सूचना अधिकारी पर कुल 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आयोग ने आदेश दिए हैं कि जुर्माने की राशि दोषी अधिकारी के वेतन से कटौती कर 30 दिवस के भीतर राजस्थान राज्य सूचना आयोग में जमा करवाई जाए।

चंबल नदी में कूदे युवक का सुराग नहीं लगा

रावतभाटा, (निसं)। रावतभाटा स्थित सबमर्सिबल ब्रिज से गुरुवार शाम चंबल नदी में छलांग लगाने वाले युवक का घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिल सका है। लापता युवक की पहचान रावतभाटा के आरपीएस निवासी 20 वर्षीय प्रिंस जयपाल पुत्र मनोज जयपाल के रूप में हुई है। शुक्रवार को भी सुबह से ही एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस के गोताखोरों की संयुक्त टीमें नदी में लगातार सघन सर्च अभियान चला रही हैं, लेकिन देर शाम तक युवक का पता नहीं चल पाया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गुरुवार शाम को प्रिंस जयपाल सबमर्सिबल पुलिया पर पहुंचा था और कुछ देर तक वहां शांत बैठा रहा। वहां मौजूद कुछ लोगों से उसने सामान्य बातचीत भी की,

- **लापता युवक की पहचान रावतभाटा के आरपीएस निवासी प्रिंस जयपाल के रूप में हुई**

लेकिन इसके कुछ ही देर बाद वह अपनी जगह पर जाकर बैठा और चप्पल उतारकर अचानक चंबल नदी के गहरे पानी में छलांग लगा दी।

युवक को नदी में कूदते देख मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया और तत्काल पुलिस प्रशासन को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचे, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई और पुलिया के आसपास लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

घटना की सूचना के बाद गुरुवार देर रात तक एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस के स्थानीय गोताखोरों ने नावों और आधुनिक उपकरणों की मदद से नदी में तलाश की, लेकिन अंधेरे और पानी के बहाव के कारण सफलता नहीं मिल सकी। रेस्क्यू ऑपरेशन को आसान बनाने और नदी के तेज बहाव को कम करने के लिए प्रशासन ने तत्काल पनबिजलीघर से छोड़े जा रहे 7,428 क्यूसेक पानी की निकासी को भी अस्थायी रूप से बंद करवाया। शुक्रवार सुबह एक बार फिर से रेस्क्यू अभियान तेज किया गया है। अब एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस के साथ एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर मोर्चा संभाले हुए है।

राजधानी एक्सप्रेस की चपेट से युवक की मौत

हिंडौन स्टेशन पर प्लास्टिक की बोतलें इकट्ठा कर रहा था

हिंडौन सिटी, (निसं)। रेलवे स्टेशन की डाउन लाइन पर राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। उसकी पहचान दूसरे दिन हुई।

जीआरपी चौकी प्रभारी एएसआई जितेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान ताली निवासी बाबू सिंह (35), पुत्र भग्गो सिंह के रूप में हुई। उनके भाई भरत सिंह ने शव की पहचान की। शुक्रवार शाम पांच बजे जिला अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखे शव का मेडिकल ज्यूरिस्ट ने पोस्टमॉर्टम किया। पुलिस के मुताबिक, युवक का शव ट्रैक पर मिला था। उसे जिला अस्पताल लाकर मोर्चरी में रखवाया गया था। पहचान के लिए पुलिस ने सोशल मीडिया पर मृतक का हुलिया पोस्ट किया था। शुक्रवार को भरत सिंह और अन्य परिजनों ने उसकी पहचान की। परिजनों के मुताबिक, बाबू सिंह कचरा बीनने का काम करते थे और घटना के समय डाउन लाइन पर प्लास्टिक की बोतलें इकट्ठा कर रहा था। वह कई साल से गांव नहीं गया था और अविवाहित था।

- **परिजनों के अनुसार बाबू सिंह कई साल से गांव नहीं गया था और अविवाहित था**

घायल की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती इंद्रोका गांव में स्कूटी सवार व्यक्ति स्लीप होकर गिर गया। गंभीर रूप से घायल होने पर उसे अस्पताल ले जाया गया, मगर बाद में उसकी मौत हो गई। इस बारे में मृतक के परिजन की तरफ से सूरसागर थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। सूरसागर पुलिस ने बताया कि वैष्णव नगर बीआर बिड़ला स्कूल के पास चौपासनी हाउसिंग बोर्ड के रहने वाले लक्ष्मण सुथार पुत्र रामजानी सुथार की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि उसके बड़े पिता घेवरराम पुत्र सांगाराम सुथार स्कूटी लेकर इंद्रोका गांव से निकल रहे थे।

कोटा रेलवे स्टेशन पर शातिर को पकड़ा

कोटा, (निसं)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने सतर्कता दिखाते हुए रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की जेब टटोलकर चोरी की फिराक में घूम रहे एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया। पकड़े गये आरोपी के पास से चोरी के दो मोबाइल भी बरामद किये गये, जिनकी कीमत करीब 80 हजार रूपये बताई गई है। जांच में सामने आया कि आरोपी के विरुद्ध पहले से ही चोरी सहित विभिन्न अपराधों के 11 मामले दर्ज हैं।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि कोटा स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक पर स्थित बुकिंग के समीप मुसाफिर खाने में आरपीएफ टीम गश्त कर रही थी। इसी दौरान एक व्यक्ति यात्रियों की जेबों में हाथ डालने का प्रयास करते दिखाई दिया। उसकी संदिग्ध गतिविधियां देखकर आरपीएफ टीम ने मौके पर ही पकड़ लिया। पूछताछ में उसने चोरी के इरादे से यात्रियों की जेब टटोलने की बात स्वीकार की।

मां-बेटे के शव बावड़ी में तैरते मिले

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। किशनगढ़ सिटी थाना अंतर्गत गांव सरगांव में घर से लापता मां व दो वर्षीय बेटे का शव पानी से भरी नाड़ी में तैरता हुआ मिला। मृतकों की पहचान सरगांव

- **मृतकों की पहचान सरगांव निवासी 26 वर्षीय ममता गुर्जर दो वर्षीय दिव्यांशु के रूप में हुई**

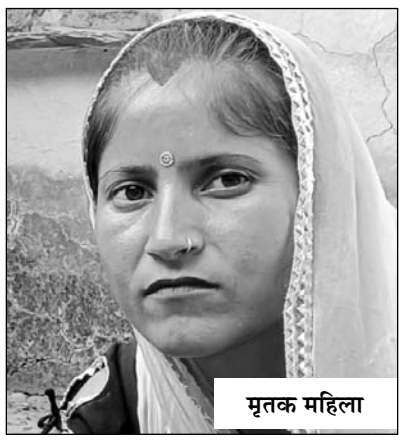
निवासी 26 वर्षीय ममता गुर्जर दो वर्षीय दिव्यांशु के रूप में हुई है। गुरुवार को दोपहर के समय दोनों घर से लापता हो गये। देवाराम गुर्जर के घर पहुंचने पर पत्नी व बेटा वहां नहीं मिले। संभावित ठोर ठिकानो पर तलाश किये जाने के बावजूद इन दोनों का कोई सुराग नहीं लग पाया। दूसरे दिन दोनों के शव मिलने पर परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराने के बाद दोनों शव परिजनों के सुपुर्द कर दिए।

कथित झोलाछाप डॉक्टर के इंजेक्शन के बाद महिला की जयपुर में मौत

हिंडोली क्षेत्र के काछोला गांव में परिजनों ने झोलाछाप डॉक्टर पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया तथा कार्रवाई की मांग की

बूंदी, (निसं)। हिंडोली क्षेत्र के काछोला गांव में कथित झोलाछाप डॉक्टर द्वारा लगाए गए इंजेक्शन के बाद एक महिला की तबीयत बिगड़ने और उपचार के दौरान जयपुर में मौत होने का मामला सामने आया है। मृतका के परिजनों ने संबंधित व्यक्ति पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाते हुए हिंडोली थाने में रिपोर्ट दी है तथा मामले में कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस को दी गई रिपोर्ट में कराड़खेड़ी निवासी राजकुमार रैगर ने बताया कि 24 सितंबर को उनकी बड़ी बहन कौशल्या रैगर और जीजा चेतन रैगर को बुखार आने पर काछोला गांव में बबलू बंगाली से उपचार करवाया गया था। परिजनों का आरोप है कि उपचार के दौरान दोनों को इंजेक्शन लगाए गए, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और दोनों के कूल्हों में सूजन आ गई। परिजनों के अनुसार, 30 सितंबर को दोनों को बूंदी मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया,



मृतक महिला

जहां करीब 10 दिन तक उपचार चला और सूजन के कारण ऑपरेशन भी किया गया। इसके बावजूद स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर उन्हें अन्य अस्पतालों में उपचार के लिए ले जाया गया। बाद में दोनों को कोटा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। वहां भी उपचार के बाद 18 अक्टूबर से जयपुर में उपचार जारी था। इसके बाद कौशल्या रैगर को जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां गुरुवार रात करीब दो बजे उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटना के बाद हिंडोली थाना पुलिस ने परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर मर्ग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। फिलहाल कथित झोलाछाप डॉक्टर पर लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों और जिम्मेदारी की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

भीलवाड़ा : अस्पताल के पालना गृह में लावारिस नवजात बच्ची मिली

बाल कल्याण समिति ने नवजात बच्ची का काल्पनिक नाम 'दीया' रखा

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के महात्मा गांधी चिकित्सालय परिसर स्थित पालना गृह में शुक्रवार को एक लावारिस नवजात शिशु प्राप्त हुई। पालना गृह का सायरन बजते ही अस्पताल प्रशासन ने संवेदनशीलता और मानवता का परिचय देते हुए नवजात को तत्काल नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया। अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सकों डॉ. इंद्रा सिंह और नर्सिंग प्रभारी सुनील पोरवाल के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने तुरंत शिशु का स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक गहन चिकित्सा उपचार प्रारंभ कर दिया है। डॉक्टरों के अनुसार, नवजात बच्ची का वजन 1 किलो 900 ग्राम है और फिलहाल उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।



बालिका को नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया।

घटना की जानकारी मिलते ही बाल कल्याण समिति (न्यायपीठ), भीलवाड़ा की अध्यक्ष चन्द्रकला ओझा एवं सदस्य विनोद राव ने मामले पर स्वत: प्रसंज्ञान लिया। समिति के पदाधिकारी तुरंत महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचे और एन.आई.सी.यू. में भर्ती नवजात के स्वास्थ्य का जायजा लिया। अध्यक्ष चन्द्रकला ओझा ने मौके पर मौजूद चिकित्सकों को निर्देशित किया कि नवजात को सभी आवश्यक चिकित्सीय सुविधाएं और समुचित देखभाल प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराई जाएं। इसके साथ ही चिकित्सा अधीक्षक को नवजात शिशु की 24 घंटे देखभाल सुनिश्चित करने के लिए विशेष यशोदा कर्मचारी तैनात करने के निर्देश दिए गए।

शुक्रवार के दिन पालना गृह में आने के कारण बाल कल्याण समिति ने नवजात बच्ची का काल्पनिक नाम दीया रखा है। शिशु की सुरक्षा के दृष्टिगत बाल कल्याण समिति ने सख्त रुख अपनाया है। किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत बच्ची की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर एन.आई.सी.यू. वार्ड में महिला पुलिस गार्ड तैनात करने की सिफारिश की गई है। बाल कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि नवजात बच्ची के पूर्ण स्वस्थ होने के बाद उसकी सुरक्षा, संरक्षण और पुनर्वास हेतु कार्यवाही की जाएगी।

हैंगिंग ब्रिज पर कोटा-बूंदी के निजी वाहनों की मुफ्त यात्रा पर रोक लगी

कोटा, (निसं)। नेशनल हाइवे-27 पर स्थित हैंगिंग ब्रिज टोल प्लाजा पर कोटा और बूंदी के निवासियों के लिए नि:शुल्क निकलना बंद हो गया है। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सालाना टोल का पास लागू किया है। अब यहां से गुजरने वाले यात्रियों को या तो टोल देना पड़ेगा या फिर उन्हें सालाना पास बनवाना पड़ेगा। चंबल नदी पर हैंगिंग ब्रिज बनने के बाद कुन्हाड़ी, सकतपुरा व नांता इलाके में आना-जाना भी आसान हुआ है।

गौरतलब है कि नांता इलाका नए कोटा के रावतभाटा रोड की कॉलोनी से नजदीक है। यह हैंगिंग ब्रिज की वजह से ही है। ऐसे में कोटा शहर के दोनों हिस्से हैंगिंग ब्रिज की वजह से मिले हुए हैं। इसलिए कोटा के स्थानीय नागरिकों को यहां से फ्री निकाला जा रहा था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के निर्देश पर ही यह व्यवस्था चल रही थी। अब अचानक से बंद होने से कोटा के निवासियों को परेशानी हो रही है। उन्हें या तो महंगा टोल देना पड़ रहा है या फिर सालाना पास की ट्रिप कटवानी पड़ रही है।

नांता स्थित रीको पर्यावरण इंडस्ट्रियल एरिया में फ्लाई ऐश ब्रिक फैक्ट्री संचालित करने वाले संजय शर्मा का कहना है कि उन्हें रोज फैक्ट्री आना-

- **नई टोल पॉलिसी आसपास के बीस किलोमीटर तक के दायरे के लिए ही बनाई गई है**
- **नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सालाना टोल का पास लागू किया है**
- **यहां से गुजरने वाले यात्रियों को या तो टोल देना पड़ेगा या फिर सालाना पास बनवाना पड़ेगा**

जाना पड़ता है, कभी-कभी दिन में दो बार जाना पड़ता है। ऐसे में चार ट्रिप हो जाती हैं। पहले वह निशुल्क निकल रहे थे, अब टोल देकर जाना पड़ता है। अब या तो दूसरे ज्यादा ट्रैफिक वाले रास्ते से निकलते हैं या फिर एनुअल पास से टोल का पैसा कट रहा है। कोटा दो हिस्सों में बसा हुआ है। एक हिस्सा कुन्हाड़ी इलाके में चंबल नदी पार है। दूसरा नदी के इस तरफ है। आबादी नदी के पार भी काफी हो गई है और कॉलोनियां बढ़ रही हैं। नया एयरपोर्ट भी शंभूपुरा इलाके में बन रहा है। वहीं कोटा विकास प्राधिकरण का काफी हिस्सा उधर भी है। वहां नई कॉलोनियां और ट्रांसपोर्ट नगर भी प्रस्तावित हैं। एयरोसिटी भी वहां बनाई जा रही है। ऐसे में लोगों का आना-जाना लगा रहेगा और हैंगिंग ब्रिज टोल प्लाजा से टोल देना भी उनके लिए चुनौती होगा।

नदी पार युवा विकास समिति के सदस्य और कुन्हाड़ी इलाके में रहने वाले अभिषेक मोतियानी का कहना है कि दशहरे मेले के समय नए कोटा में जाने के लिए हैंगिंग ब्रिज काफी मुफीद था क्योंकि गढ़ से सीएडी जाने वाला रास्ता जाम रहता था। कई बार त्योहारों के अवसर पर भी ऐसा होता है। वहीं नए कोटा की कॉलोनियों से शंभूपुरा-नांता इलाका काफी टच में है। वहां से काफी लोग आते-जाते हैं। इसलिए निशुल्क टोल शुरू रहना चाहिए था। हाइवे पकड़ने के लिए भी यहां से गुजरते हैं।

नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के कोटा प्रोजेक्ट डायरेक्टर संदीप अग्रवाल ने बताया कि एनएचएआई स्थानीय निवासियों को राहत देने के लिए एक टोल का 3000 रुपए सालाना पास लेकर आई है। यह नगरीय निकायों के अर्बन एरिया के लिए है जबकि ग्रामीण एरिया के लिए 1500 रुपए का पास है। इस पास को पूरे देश में लागू किया गया है। इसके बाद स्थानीय लोग इन पास के जरिए ही निकल सकते हैं। उनकी यात्रा इस पास से कट जाएगी। इसमें लगभग असीमित यात्राएं एक टोल प्लाजा से की जा सकती हैं, इसीलिए हैंगिंग ब्रिज टोल प्लाजा पर इस पास को भी लागू कर दिया है। आसपास 20 किमी में रहने वाले लोग इस पास से गुजर सकेंगे। एनएचएआई के सभी टोल पर लागू होने वाले 3075 रुपए के एनुअल पास के जरिए भी निकला जा सकता है। यह वार्षिक पास देशभर के टोल प्लाजा पर काम करता है। यहां से 200 बार निकला जा सकता है। ऐसे में हैंगिंग ब्रिज टोल प्लाजा से भी निकला जा सकता है। एक बार गुजरने पर एक ट्रिप कट जाएगी। जबकि 3000, 1500 और 360 का पास केवल एक टोल के लिए है। बिना पास के वर्तमान में हैंगिंग ब्रिज से निकलने पर एक ट्रिप के 85 रुपए और आने-जाने की यात्रा 24 घंटे में पूरी करने पर 125 रुपए देने पड़ते हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को कराया अवगत :- चंबल नदी पर बने हैंगिंग ब्रिज से गुजरने वाले कोटा और बूंदी जिले के हजारों वाहन चालकों के लिए एनएचएआई ने एक नवंबर से स्थानीय नागरिकों को मिलने वाली 90 दिनों की निशुल्क पास सुविधा अचानक समाप्त कर दी है। इस सुविधा को निरंतर बहाल किए जाने को लेकर भाजपा प्रदेश प्रवक्ता पंकज मेहता ने भारत सरकार में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर कोटा बूंदी के लोगों को राहत प्रदान करने की मांग की है।

वहीं पंकज मेहता ने इस मामले को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का भी ध्यान आकर्षित किया है। मेहता ने बताया कि इस बदलाव से ब्रिज के टोल को पार करने वाली स्थानीय गाड़ियों के फास्टैग से प्रति चक्कर 85 रुपए तक कटने शुरू हो गए हैं, कोटा और बूंदी के पंजीकृत वाहनों को एक निर्धारित फॉर्म और कागजात जमा कराने पर 3 माह तक असीमित बार निशुल्क आवागमन की छूट मिलती थी, लेकिन मंत्रालय की नई गाईडलाईन का हवाला देते हुए टोल प्रबंधन ने इस रियायत को खत्म कर दिया, जो सरासर गलत है। पंकज मेहता ने कहा कि उन्होंने संदीप अग्रवाल, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एनएचएआई से भी बात की है और पूर्व की भांति टोल में राहत देने के लिए कहा है। मेहता ने कहा कि आमजन को राहत प्रदान करने का पूरा प्रयास किया जाएगा।

हिंडौन में दो भाइयों पर चाकू से हमला

हिंडौन सिटी, (निसं)। महवा मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज के नीचे गुरुवार रात झगड़े के दौरान चाकू से दो भाईयों पर हमला हुआ। इसमें उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ निवासी दो सगे भाई घायल हो गए।

जिला ड्यूटी डॉक्टर मनोज जांगिड़ ने बताया कि घायलों की पहचान अजय कुमार (20) और उनके भाई कुलजीत (18) के रूप में हुई है। अजय के पेट में चाकू से गहरा घाव था। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें दूसरे अस्पताल रेफर किया गया। कुलजीत ने बताया कि रात में उनका परिवार रेलवे ओवरब्रिज के नीचे डेरे पर था। इस दौरान दूसरे डेरे के कुछ लोग आए और झगड़ा करने लगे कहासुनी के बाद हाथापाई हुई और दूसरे पक्ष ने चाकू से हमला कर दिया। कुलजीत के अनुसार दोनों पक्षों के बीच बच्चों के झगड़े को लेकर विवाद हुआ था। उनका परिवार खेल-तमाशा दिखाकर जीवनयापन करता है।

कार्यालय सदस्य सचिव राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ़ सोसायटी एवं अधीक्षक सर पदमपत नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य संस्थान जयपुर

क्रमांक-एसपीआईएनपीएच/रामेरिसो/लेखा/निविदा/2026/5345 दिनांक-06/11/26

ई निविदा सूचना संख्या : 5344/06-11-2026

सदस्य सचिव एवं अधीक्षक सर पदमपत नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य संस्थान, जयपुर द्वारा अग्निशमन प्रणाली (फायरफाइटिंग सिस्टम) के लिए एक साल के व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (कॉम्प्रिहेन्सिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट) हेतु दो-चरणीय ई-निविदाएं (ई-बिड) आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत राशि रूपये 15 लाख है तथा निविदा की विस्तृत नियम व शर्तों की जानकारी उपापन पोर्टल eproc.rajasthan.gov.in एवं State Public Procurement Portal Government of Rajasthan की वेबसाइट sppp.rajasthan.gov.in के UBN No. SMS2627SLOB00241 पर भी देखी जा सकती है।

DIPR/C/18340/2026 सदस्य सचिव एवं अधीक्षक

कार्यालय महाप्रबंधक राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर

कार्यालय का पता -सागररोड, एल.आई.सी.ऑफिस के सामने, बीकानेर-334002

Email ID -gmbikaner@rajasthan.gov.in / वेबसाईट-www.forest.rajasthan.gov.in

क्रमांक: एफ.9(03) ठेका-नीलामी/मप्र/2026/1477 दिनांक:- 10.11.2026

विशेष लकडी नीलामी विज्ञप्ति

सर्व साधारण विशेषण लकडी के व्यापारियों, प्लाई एवं पेपर मिलों को सूचित किया जाता हैं कि महाप्रबन्धक राजस्थान राज्य वन विकास लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर के क्षेत्राधीन विभागीय विक्रय केन्द्र, घड़साना पर इमारती तथा जलाऊ लकडी के 20 चट्टो का विक्रय खुली नीलामी दिनांक 17.11.2026 को प्रातः 10.00 बजे की जानी प्रस्तावित है। अतः इच्छुक क्रेतागण FMDSS पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने के पश्चात् नियत तिथि व समय पर व्यक्तिशः उपस्थित होकर या मुद्रित पत्र पर अधिकृतकर अपने प्रतिनिधि को भेजकर अमानत राशि रूपये 25000/-(अखरे रूपये पच्चीस हज़ार मात्र) का डी.डी. महाप्रबन्धक राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय बीकानेर के नामजद जमा करवाकर खुली नीलामी भाग ले सकते हैं। नीलामी की शर्ते व नियम FMDSS पोर्टल एवं विभागीय विक्रय केन्द्र पर किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती है।

महाप्रबंधक
राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड
क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर

राज.संवाद/सी/26/13137



पंचायती राज चुनाव में

कमल खिलाना है

समर्थ महिला - समृद्ध राजस्थान

सबसे बड़ी उपलब्धि

20 लाख महिलाएं बनीं लखपति दीदी

25,000 महिलाएं सोलर दीदी हेतु चिह्नित

बेटियों को संबल

₹1.50 लाख	तक की सहायता लाडो प्रोत्साहन योजना में, 9.93 लाख बालिकाएं लाभान्वित
45,986	छात्राओं को स्कूटी
13.85 लाख	बालिकाओं को साइकिल
33,484	परिवारों को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना का लाभ

मातृत्व, पोषण व सम्मान

₹6,500	गर्भवती महिलाओं को सहायता, दिव्यांग गर्भवती महिलाओं को ₹10,000
15 लाख	आंगनबाड़ी बच्चों को सप्ताह में 5 दिन गर्म दूध
₹450	में रसोई गैस सिलेंडर — 68 लाख परिवार, 7.22 करोड़ रिफिल पर ₹1,544 करोड़ सब्सिडी
4.17 लाख	महिलाओं को राष्ट्रीय विधवा पेंशन, लगभग ₹691 करोड़







सुरक्षा का भरोसा

14,647	सीसीटीवी कैमरे सार्वजनिक एवं शैक्षणिक संस्थानों में स्थापित
65	एंटी रोमियो स्क्वॉड सक्रिय
600	कालिका पेट्रोलिंग यूनिट सक्रिय
2,216	पद स्वीकृत, महिला सुरक्षा को और सशक्त बनाने हेतु

आर्थिक आत्मनिर्भरता

₹614 करोड़	का ऋण 81,937 महिलाओं को, ऋण सीमा बढ़कर ₹1.50 लाख
₹788 करोड़	का ऋण 1.64 लाख स्वयं सहायता समूहों को
₹396 करोड़	के ऋण 3,808 महिला उद्यमियों को स्वीकृत
₹2,500	प्रति हेक्टेयर सहायता, नमो ड्रोन दीदी योजना

कमल का बटन दबाएं **भाजपा को जिताएं**

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

ATUL



पूरी टीम को गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी होने का दावा 100 प्रतिशत गलत है। उन्होंने ख्वाजा के आरोपों को पूरी तरह बकवास करार दिया। - पैट कमिंस

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान, उस्मान ख्वाजा के दावों को खारिज करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

आकाश चोपड़ा



पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने रिंकू सिंह को टीम की कप्तानी सौंपने की सलाह दी है। उनका मानना है कि यदि नीलामी में कोई उपयुक्त विकल्प नहीं मिलता है, तो विदेशी खिलाड़ी की बजाय रिंकू को कप्तान बनाया जाना चाहिए। रिंकू को कप्तान बना दीजिए। आपने उन्हें उपकप्तान बनाया था, है ना? तो अब उन्हें कप्तान बना दीजिए। वह यूपी टी20 लीग में अपनी टीम की कप्तानी करते हैं। कभी-कभी आपको खिलाड़ियों को बड़ी जिम्मेदारी देकर गहरे पानी में उतारना पड़ता है और देखना होता है कि वे कैसा प्रदर्शन करते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने घरेलू मैदान पर लगातार 15 टेस्ट सीरीज जीतने का रिकॉर्ड बनाया है।

आज खेला जाएगा अंडर-19 एशिया कप 2026 का फाइनल

नई दिल्ली, 13 नवंबर। भारत को अगर नौवीं बार अंडर-19 एशिया कप का खिताब जीतना है तो उसे मौजूदा चैंपियन पाकिस्तान के खिलाफ शनिवार को अल अमीरात में होने वाले फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा, जिसमें टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर आर्यवीर सहवाग और ईशान सूद जैसे खिलाड़ियों की भूमिका अहम होगी। पिछले साल पाकिस्तान ने भारत को 151 रन से हराकर अपना दूसरा खिताब जीता था। भारतीय टीम की निगाह उस हार का बदला चुकता करने और इस बार के लीग फेज में मिली हार का बदला लेने के साथ-साथ नौवीं बार ट्रॉफी जीतकर अपने रिकॉर्ड को और बेहतर करने पर होगी। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने अब तक चार मैचों में 101 के औसत से 303 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। वह अब तक टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। हालांकि, रायचंदानी और राजपूत ने एक-एक अच्छी पारी खेली है। राजपूत ने जहां ग्रुप चरण में पाकिस्तान के खिलाफ शतक बनाया था। वहीं, रायचंदानी ने अफगानिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में 93 रन की शानदार पारी खेली थी। इस मैच में विनीत ने भी अर्धशतक बनाया था। जहां तक भारतीय गेंदबाजी का सवाल है तो अभी तक सूद ने ही अधिकांश जिम्मेदारी संभाली है। सूद को स्पिनरों राजपूत और मनल चौहान से और अधिक सहयोग की जरूरत होगी। इन दोनों ने अभी तक पांच-पांच विकेट लिए हैं, लेकिन उनमें से तीन विकेट एक ही मैच में आए हैं।

हरमनप्रीत कौर के वैक्स स्टैच्यू का अनावरण, अब नाहरगढ़ के हिस्टोरिका में होगा स्थापित



जयपुर, 13 नवंबर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान और स्टार क्रिकेटर हरमनप्रीत कौर के वैक्स स्टैच्यू का शुक्रवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में भव्य अनावरण किया गया। हरमनप्रीत ने स्वयं अपने वैक्स स्टैच्यू से पर्दा हटाया। इसके साथ ही वह दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं, जिनका वैक्स स्टैच्यू तैयार किया गया है। यह प्रतिमा अब नाहरगढ़ किले स्थित हिस्टोरिका-स्टेप इनटू हिस्ट्री (पूर्व में जयपुर वैक्स म्यूजियम) में स्थायी रूप से प्रदर्शित की जाएगी। अनावरण समारोह में जयपुर के नन्हे और युवा क्रिकेटरों ने बल्ले उठाकर हरमनप्रीत को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से बातचीत की, उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं और मेहनत के साथ अपने सपनों को पूरा करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में हरमनप्रीत के जीवन पर आधारित एक विशेष फिल्म भी प्रदर्शित की गई। इसमें पंजाब के मोगा शहर से भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी तक के उनके संघर्ष और उपलब्धियों को दर्शाया गया। साथ ही वर्ष 2025 में उनकी कप्तानी में भारतीय टीम के पहला महिला वनडे विश्व कप खिताब जीतने के ऐतिहासिक सफर को भी दिखाया गया। इसी उपलब्धि और उनके योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से यह वैक्स स्टैच्यू तैयार किया गया है।

बॉल बैडमिंटन : जयपुर की बालिका टीम सेमीफाइनल में, बालक टीम क्वार्टर फाइनल में

जयपुर, 13 नवंबर। 8वीं जूनियर राज्य स्तरीय बॉल बैडमिंटन चैंपियनशिप में दूसरे दिन जयपुर की बालिका टीम ने श्रीगंगानगर को 35-17, 35-18 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बालिका वर्ग में जयपुर के अलावा चूरू, टोंक और हनुमानगढ़ की टीमें भी सेमीफाइनल में पहुंचीं। चूरू ने झुंझुनूं को, हनुमानगढ़ ने बीकानेर को और टोंक ने ब्यावर को हराया। वहीं बालक वर्ग में जयपुर की टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। क्वार्टर फाइनल में जयपुर का मुकाबला ब्यावर से होगा। अन्य मुकाबलों में श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़, टोंक-जोधपुर और चूरू-करौली आमने-सामने होंगे। प्रतियोगिता के अंतिम दिन बालिका वर्ग के सेमीफाइनल व फाइनल तथा बालक वर्ग के क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

अखिल भारतीय अंतर विवि. क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप में राजस्थान विवि. को स्वर्ण पदक



जयपुर, 13 नवंबर। कर्नाटक के मंगलौर विश्वविद्यालय में 7 नवंबर को आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय क्रॉस कंट्री (पुरुष) चैंपियनशिप में राजस्थान विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर कुलगुरु प्रो. भागवती प्रसाद सारस्वत ने विजेता खिलाड़ियों और टीम को अपने आवास पर सम्मानित करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने खिलाड़ियों को व्यक्तिगत रूप से सम्मानित करते हुए उनकी उपलब्धि की सराहना की और भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर खेल मंडल सचिव डॉ. प्रतिमा सिंह रतन ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि आगामी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं में भी राजस्थान विश्वविद्यालय के खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करेंगे। टीम के प्रशिक्षक श्री विष्णु मीणा व सुश्री नेहा मीणा तथा श्री निशु पारिक रहे। टीम के कप्तान राजेश मानिया थे। टीम में राजेश गुर्जर, पवन कुमार, सत्ययम, अभिषेक और निखिल प्रजापत शामिल रहे।

चौथे वनडे में भारत की शर्मनाक हार, न्यूजीलैंड ने 244 रन से रौंदा

// 89 रन पर सिमटी भारतीय टीम, यंग का शतक, मैट हेनरी ने झटके 6 विकेट //





पांच मैचों की सीरीज में भारत 2-1 से आगे

माउंट माउंगानुई, 13 नवंबर। न्यूजीलैंड ने चौथे वनडे मुकाबले में शुक्रवार को भारतीय क्रिकेट टीम को 244 रन से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की सीरीज में वापसी की। हालांकि इस शर्मनाक हार के बावजूद भारत सीरीज में 2-1 से आगे है। तीसरा मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। अब दोनों टीमों के बीच आखिरी मैच 15 नवंबर को खेला जाएगा। बे ओवल मैदान पर 334 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 26.4 ओवर में महज 89 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने घातक गेंदबाजी करते हुए छह विकेट झटके और भारतीय बल्लेबाजी क्रम को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। विल यंग के शानदार शतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 333 रन बनाए थे।

रनों के लिहाज से भारत को वनडे में मिली दूसरी सबसे बड़ी हार

रनों के अंतर से यह वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार है। इससे पहले भारतीय टीम को 29 अक्टूबर 2000 को शारजाह में श्रीलंका के खिलाफ 245 रन से हार का सामना करना पड़ा था। उस मुकाबले में श्रीलंका ने सनथ जयसूर्या के 189 रन की बदौलत 299 रन बनाए थे, जिसके जवाब में भारतीय टीम 26.3 ओवर में महज 54 रन पर ढेर हो गई थी। अब न्यूजीलैंड के खिलाफ 244 रन की हार इस सूची में दूसरे स्थान पर आ गई है।

पहले ओवर में ही तीन बड़े झटके

334 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने पहले ही ओवर में भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। उन्होंने पहली गेंद पर रोहित शर्मा को पवेलियन भेजा। इसके बाद विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर भी खाता खोले बिना आउट हो गए। इस तरह भारतीय टीम ने पहले ही ओवर में बिना कोई रन बनाए तीन महत्वपूर्ण विकेट गंवा दिए। शुरुआती झटकों से भारतीय टीम उबर नहीं सकी। रुतुराज गायकवाड़ पांच रन बनाकर आउट हुए। ईशान किशन ने 53 गेंदों पर 27 रन बनाकर कुछ देर संघर्ष किया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। अक्षर पटेल और नमन धीर ने 21-21 रन बनाए। आकिब नबी ने पांच और गुरनूर बरार ने दो रन बनाए, जबकि कुलदीप यादव एक रन बनाकर आउट हुए। अर्शदीप सिंह खाता खोले बिना नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 9.4 ओवर में 27 रन देकर छह विकेट हासिल किए। मैथ्यू फिशर ने तीन विकेट झटके। इस तरह भारतीय पारी 89 रन पर समाप्त हो गई और न्यूजीलैंड ने मुकाबला 244 रन से अपने नाम कर लिया।

यंग के शतक व सेफर्ट की पारी से न्यूजीलैंड का बना बड़ा स्कोर

इससे पहले भारतीय कप्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाज विल यंग और टिम सेफर्ट ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 85 रन जोड़े। सेफर्ट ने 48 गेंदों पर छह चौके और तीन छक्कों की मदद से 58 रन बनाए। फिन एलन ने भी आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। उन्होंने 30 गेंदों पर 41 रन बनाए। वहीं, दूसरे छोर पर विल यंग ने भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया और शानदार शतक जड़ा। यंग ने 108 गेंदों पर 125 रन की पारी खेली, जिसमें 14 चौके और चार छक्के शामिल रहे। यंग के अलावा माइकल ब्रेसवेल ने 15, कप्तान मिचेल सैंटनर ने 24 और क्रिस्टियन क्लार्क ने 22 रन बनाए। काइल जैमीसन 19 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित 50 ओवर में 333 रन बनाने में सफल रही। भारत की ओर से अक्षर पटेल, गुरनूर बरार और आकिब नबी ने दो-दो विकेट हासिल किए। अर्शदीप सिंह और नमन धीर को एक-एक सफलता मिली। शानदार शतकीय पारी के लिए विल यंग को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

हमें चिंता करने की जरूरत है, क्योंकि यहां के हालात वर्ल्ड कप जैसे हैं : गौतम गंभीर



नई दिल्ली, 13 नवंबर। टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे मैच में 244 रनों से हार मिली। ये हार वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट की भारत की रनों के हिसाब से दूसरी सबसे बड़ी हार थी। भारतीय टीम 89 रनों पर ढेर हो गई थी। इसको लेकर टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर बल्लेबाजों से नाखुश हैं, क्योंकि पिछले मैच में भी 111 रन पर 7 विकेट भारत ने खो दिए थे। गंभीर ने कहा है कि ये वर्ल्ड कप जैसे हालत हैं और इस तरह का प्रदर्शन चिंता का विषय है।

गौतम गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "जब आप 90 रन के आस-पास आउट हो जाते हैं तो आप हमेशा परेशान रहते हैं। मैं क्यों परेशान नहीं होऊंगा? ये ऐसे हालात हैं जो वर्ल्ड कप के दौरान हमें मिलने वाले हालात के सबसे करीब होंगे। बड़ी चिंता रन नहीं है। बड़ी चिंता यह है कि हम कितनी जल्दी आउट हो गए, लगभग 26 या 27 ओवर में। यह हमेशा चिंता की बात होती है।"

इस मुकाबले में न्यूजीलैंड की टीम ने टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी करते हुए भले ही सारे विकेट खोए, लेकिन आखिरी विकेट भी आखिरी गेंद पर गिरा और स्कोर तब तक 333 मेजबानों का हो चुका था। इसके जवाब में भारतीय टीम 89 रनों पर ढेर हो गई, जिसमें मैट हेनरी ने 6 विकेट निकाले, जबकि मैथ्यू फिशर ने 3 सफलताएं अपने नाम कीं। भारत के 8 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा तक नहीं छू पाए। पहले तीन बल्लेबाज तो खाता भी नहीं खोल सके। इनमें रोहित शर्मा, विराट कोहली और श्रेयस अय्यर का नाम शामिल है।

भारतीय टीम इस सीरीज के दूसरे मैच में भी अच्छी स्थिति में नहीं थी। 111 रन पर 7 विकेट भारत ने गंवा दिए थे। गौतम गंभीर ने इसको लेकर कहा है कि बल्लेबाजों को तैयार रहना होगा कि गेंद मूव कर रही है या नहीं। गौतम गंभीर ने कहा, "इंटरनेशनल क्रिकेट में कोई भी ऐसी गेंद नहीं होती जिसे खेला न जा सके। मैट हेनरी ने अच्छे एरिया में गेंद डाली, लेकिन हमें उसे नकारना चाहिए। पिछले गेम में भी हमने सात विकेट गंवाए थे, यह चिंता की बात है। उन्होंने कहा, "अगर आप पहले 10 ओवर में बिना कोई विकेट खोए 35 या 40 रन बना लेते हैं, तो वह भी काफी है। यहां, शायद यह सबसे मुश्किल समय है।" गंभीर ने यह भी कहा कि भारत को न्यूजीलैंड के पेसर मैट हेनरी और काइल जैमीसन की इस्तेमाल की गई लेंथ के खिलाफ और ज़्यादा डिसाइसिव होने की ज़रूरत है, खासकर उन गेंदों के खिलाफ जो बैट्समैन को आगे बढ़कर खेलने और बैकफुट पर खेलने के बीच कन्फ्यूज कर देती हैं। भारतीय कोच ने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि खिलाड़ी अगले मैच में मजबूती से उतरेंगे। यह जरूरी है कि इस हार का उन्हें दर्द महसूस हो। मेरा हमेशा मानना रहा है कि इस तरह के प्रदर्शन के बाद ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों को निराशा महसूस होनी चाहिए। अगर उन्हें इस हार का दर्द है तो वे निश्चित रूप से मजबूती से वापसी कर सकते हैं।

जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे लक्ष्य, जापान के तनाका को सीधे गेमों में हराया

कुमामोटो, 13 नवंबर। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स 2026 के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में जापान के युशी तनाका को सीधे गेमों में 21-16, 21-15 से हराया। यह मुकाबला 40 मिनट तक चला। लक्ष्य ने पहले गेम में मध्यांतर तक 11-8 की बढ़त बना ली थी।

हालांकि, तनाका ने वापसी करते हुए मुकाबले को चुनौतीपूर्ण बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने सही समय पर अपना खेल तेज किया और 21-16 से पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम की शुरुआत में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला और स्कोर 4-4 से बराबर था। इसके बाद लक्ष्य ने बढ़त बनाई और मध्यांतर तक 11-9 से आगे रहे। भारतीय



खिलाड़ी ने इसके बाद अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए 21-15 से गेम और मुकाबला जीत लिया। लक्ष्य पूरे टूर्नामेंट में शानदार लय में नजर आए हैं। उन्होंने पहले दौर में चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर अभियान की शुरुआत की थी।

इसके बाद दूसरे दौर में चीन के डोंग तियान याओ को केवल 35 मिनट में 21-8, 21-14 से शिकस्त दी। सेमीफाइनल में लक्ष्य का सामना अब इंडोनेशिया के एल्वी फरहान से होगा। इससे पहले शुक्रवार को भारत के किदांबी श्रीकांत पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्हें जापान के कोकी वतनबे ने 22-24, 15-21 से हराया।

क्वार्टर फाइनल में हारे श्रीकांत, वतनबे ने सीधे गेमों में दी मात

भारत के अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का जापान मास्टर्स में सफर शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें जापान के कोकी वतनबे के खिलाफ 22-24, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। मुकाबला 41 मिनट तक चला। पहला गेम बेहद रोमांचक रहा और दोनों खिलाड़ियों के बीच 20 अंकों के बाद भी कड़ा मुकाबला जारी रहा। घरेलू दर्शकों के समर्थन से खेल रहे वतनबे ने दबाव के क्षणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 24-22 से पहला गेम अपने नाम किया।

पाक का पहला मैच हुआ ड्रॉ, श्रीलंका के खिलाफ सऊद शकील शतक से चूके

नई दिल्ली, 13 नवंबर। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच खेला गया पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा। सऊद शकील लगातार दूसरे मैच में शतक से चूक गए, लेकिन उनकी 97 रन की जुझारू पारी से पाकिस्तान ने शुक्रवार को पांचवें और अंतिम दिन श्रीलंका की जीत की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए पहला टेस्ट ड्रॉ कराया। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा चक्र में यह पाकिस्तान का पहला ड्रॉ मुकाबला रहा। इससे पहले खेले गए नौ टेस्ट मैच में पाकिस्तान को सात में हार और दो में जीत मिली थी। शकील ने पाकिस्तान की नौ विकेट पर 434 रन की घोषित पहली पारी में 93 रन बनाए थे। दूसरी पारी में भी उन्होंने लगभग पूरे अंतिम दिन क्रीज पर टिककर बल्लेबाजी की। हालांकि, पांचवें दिन के अंतिम सत्र में 210 गेंदों का सामना करने के बाद लाहिरू कुमारा ने उन्हें बोल्ड कर दिया। उस समय तक पाकिस्तान ने आठ विकेट पर 284 रन बना लिए थे और उसकी कुल बढ़त 272 रन हो गई थी।

भारतीय खिलाड़ी दीप्ति ने जीता प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार, मार्का ने भी मारी बाजी



नई दिल्ली, 13 नवंबर। भारत की हरफनमौला खिलाड़ी दीप्ति शर्मा और दक्षिण अफ्रीका के हरफनमौला खिलाड़ी मार्का यानसन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बाद अक्टूबर के लिए आईसीसी पुरुष और महिला खिलाड़ी चुना गया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत के घरेलू दौरे में बल्ले और गेंद दोनों से महत्वपूर्ण योगदान देने के बाद शर्मा ने महिला पुरस्कार अर्जित किया। आईसीसी महिला चैम्पियनशिप वनडे सीरीज में, उन्होंने स्कोर किया। अपने एकमात्र बल्लेबाजी अवसर में नाबाद 106 रन बनाए और 3.42 की इकोनॉमी रेट से पांच विकेट लिए, जिससे भारत ने 3-0 से क्लीनस्वीप पूरा किया।

दूसरी बार दीप्ति ने जीता अवॉर्ड - उनकी सफलता में टी20 सीरीज शामिल है, जहां उन्होंने फिर से केवल एक बार बल्लेबाजी की, 37 गेंदों पर 49 रन बनाए, जबकि अपनी ऑफ-स्पिन गेंदबाजी से दो विकेट लिए। यह पुरस्कार दिसंबर 2023 में उनके पहले सम्मान के बाद, शर्मा के दूसरे आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ सम्मान का प्रतीक है। उन्हें बांग्लादेश की शोभना मोस्टरी और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड से पहले चुना गया था, जिन्होंने महिलाओं की शॉर्टलिस्ट पूरी की थी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बल्ले और गेंद से यानसन के निर्णायक योगदान ने उन्हें आईसीसी पुरुष टेस्ट प्लेयर रैंकिंग की दो श्रेणियों में शीर्ष पर पहुंचने में मदद की, जबकि शर्मा ने भारत की जिम्बाब्वे की व्हाइट-बॉल स्वीप में कई प्रभावशाली प्रदर्शन किए।

रेलवे को हराकर राजस्थान की कंपाउंड टीम ने जीता कांस्य पदक



बीकानेर, 13 नवंबर। मेघालय के शिलांग में आयोजित सीनियर राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में राजस्थान की कंपाउंड टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। पदक के लिए खेले गए मुकाबले में राजस्थान ने रेलवे की मजबूत टीम को हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। राजस्थान की ओर से प्रद्युम्न यादव, यशवंत सैनी, राहुल मीणा और वासु यादव ने शानदार निशानेबाजी करते हुए टीम को जीत दिलाई। चारों खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल और खेल कौशल का प्रदर्शन कर रेलवे को शिकस्त दी। राजस्थान टीम के मुख्य प्रशिक्षक अनिल जोशी ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेश को एक और बड़ी उपलब्धि मिली है। आगामी मार्च में आयोजित होने वाले नेशनल गेम्स के लिए राजस्थान की महिला एवं पुरुष, दोनों कंपाउंड टीमों ने क्वालीफाई कर लिया है। इससे नेशनल गेम्स में राजस्थान की पदक उम्मीदें भी मजबूत हुई हैं। राजस्थान तीरंदाजी संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने कहा कि प्रदेश के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर राजस्थान का गौरव बढ़ा रहे हैं।

डीडीसीए में नए चुनाव की मांग, 27 सदस्यों ने बीसीसीआई सचिव को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 13 नवंबर। नवीन जिंदल और रमन सलूजा की अगुआई में दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ के 27 सदस्यों ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया को पत्र लिखकर राज्य क्रिकेट संघ में नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की है। सदस्यों का कहना है कि मौजूदा अध्यक्ष रोहन जेटली शीर्ष पद पर छह साल का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं और संविधान के अनुसार अब उन्हें अनिवार्य रूप से तीन साल के 'कूलिंग ऑफ पीरियड' (पद से अनिवार्य विराम) पर जाना होगा। जिंदल के पत्र पर डीडीसीए के 25 अन्य सदस्यों के हस्ताक्षर भी हैं जबकि सलूजा ने अलग से अपनी मांग रखी है। गौरतलब है कि बीसीसीआई अभी राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के अंतर्गत नहीं आता है और लोढ़ा समिति की सिफारिशों के आधार पर तैयार किए गए संविधान का पालन करता है। बीसीसीआई के संविधान के अनुसार, राज्य संघ या बीसीसीआई में किसी भी पदाधिकारी के छह साल पूरे होने पर उसे अनिवार्य रूप से तीन साल के 'कूलिंग ऑफ पीरियड' पर जाना होता है।

डेब्यू मैच में महली बियर्डमैन ने छह विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड पर दिलाई जीत

पर्थ, 13 नवंबर। ऑस्ट्रेलिया के युवा तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन ने अपने वनडे करियर का यादगार आगाज करते हुए पदार्पण मैच में छह विकेट झटके। उनकी घातक गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहले वनडे में इंग्लैंड को सात विकेट से करारी शिकस्त दी। पर्थ में खेले गए मुकाबले में इंग्लैंड की टीम 33.4 ओवर में महज 131 रन पर सिमट गई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 23.3 ओवर में तीन विकेट खोकर 132 रन बनाते हुए 159 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की। 21 वर्षीय बियर्डमैन ने 7.4 ओवर में 24 रन देकर छह विकेट हासिल किए। यह वनडे पदार्पण पर किसी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पाकिस्तान में बल्लेबाजी के अनुकूल परिस्थितियों में खेलने के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंची इंग्लैंड की टीम को पर्थ की तेज और उछाल भरी पिच पर काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। 132 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को गस एटकिंसन ने शुरुआती झटका दिया। उन्होंने ट्रैविस हेड को पहली ही गेंद पर बोल्ड कर दिया। हेड एक बार फिर गेंद को अपने विकेटों पर खींच बैठे। हालांकि, इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने इंग्लैंड के गेंदबाजों पर जवाबी हमला बोला। उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की और महज 30 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। उनकी पारी में चार छक्के और चार चौके शामिल रहे। मार्श का विकेट जेमी ओवरटन ने लिया, लेकिन तब तक ऑस्ट्रेलिया जीत के करीब पहुंच चुका था।

आईओए ने हॉकी इंडिया को चेताया

नई दिल्ली, 13 नवंबर। भारतीय ओलंपिक संघ ने हॉकी इंडिया को जांच समिति के लिए अब तक धनराशि जारी नहीं करने पर फटकार लगाते हुए कहा कि भोलानाथ सिंह पर लगे उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए गठित समिति का काम धन की कमी के कारण रुका हुआ है और हॉकी इंडिया का यह रवैया अस्वीकार्य है। भारतीय ओलंपिक संघ ने शुक्रवार को हॉकी इंडिया को जांच समिति के लिए धनराशि जारी नहीं करने पर फटकार लगाई। आईओए ने कहा कि हॉकी इंडिया की यह अस्वीकार्य निष्क्रियता समिति के कामकाज में बाधा डाल रही है। इस समिति को हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह पर लगे उत्पीड़न के आरोपों की जांच करनी है।

राजस्थान-उत्तरप्रदेश के बीच सैयद मुश्ताक अली टी-20 मुकाबला आज

मुंबई में राजस्थान टीम ने किया अभ्यास

जयपुर, 13 नवंबर। बीसीसीआई की सीनियर सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी में राजस्थान और उत्तर प्रदेश के बीच मुकाबला शनिवार को मुंबई में खेला जाएगा। मैच से पहले शुक्रवार को राजस्थान की टीम ने मुंबई में जमकर अभ्यास किया और मुकाबले की तैयारियों को अंतिम रूप दिया। दोनों टीमों के बीच अब तक खेले गए 11 मुकाबलों में राजस्थान का पलड़ा भारी रहा है। राजस्थान ने छह मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि उत्तर प्रदेश को चार मैचों में सफलता मिली है। एक मुकाबला रद्द रहा। राजस्थान ने 2006-07 में जयपुर में खेले गए पहले मुकाबले में चार विकेट से जीत दर्ज की थी। इसके बाद 2010-11 में जयपुर में 16 रन, 2014-15 में इंदौर में 16 रन, 2016-17 में जयपुर में 16 रन, 2017-18 में रायपुर में चार विकेट और 2019-20 में करियावटम में पांच विकेट से जीत हासिल की। उत्तर प्रदेश के खिलाफ राजस्थान का एक पारी में सर्वाधिक स्कोर 169/7 रन रहा, जो 31 जनवरी 2017 को जयपुर में बना था। वहीं न्यूनतम स्कोर 103 रन रहा। राजस्थान की ओर से राजेश बिश्नोई ने कानपुर में नाबाद 87 रन की सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत पारी खेली। गेंदबाजी में रोहित शर्मा का 7 रन देकर 3 विकेट का प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहा।

अंडर-23 टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी में पांच टीमों की जीत

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) की ओर से आयोजित अंडर-23 टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी में शुक्रवार को विभिन्न मैदानों पर मुकाबले खेले गए। केएल सैनी स्टेडियम में टीम एफ ने टीम जी को 35 रन से हराया। टीम एफ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 174/2 रन बनाए। सचिन



लखेसर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 115 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि शोभित मिश्रा ने 50 रन बनाए। जवाब में टीम जी 139 रन पर ऑलआउट हो गई। सचिन शर्मा ने 59 और हर्षित दक ने 23 रन बनाए। गेंदबाजी में अभिषेक कुमार, शोभित मिश्रा और रामेश्वर लाल गायरी ने तीन-तीन विकेट लिए। इसी मैदान पर टीम आई ने टीम एच को 130 रन से हराया। टीम आई ने 233/5 रन बनाए। सुमित गोदारा ने 162 रन की विस्फोटक शतकीय पारी खेली। जवाब में टीम एच की टीम 103 रन पर सिमट गई। करण दवे ने 44 रन बनाए। टीम आई की ओर से दीपेंद्र, आभास और आयुष ने दो-दो विकेट लिए। लक्ष्य ग्राउंड पर टीम जे ने टीम ई को तीन विकेट से हराया। टीम ई ने 152/6 रन बनाए। शुभम राठौर ने नाबाद 38, पुलकित गुप्ता ने 38 और अंकित ने 33 रन बनाए। जवाब में टीम जे ने 155/3 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। तोषित भाटिया ने 60, परवेज ने नाबाद 42 और मुकेश ने नाबाद 23 रन बनाए। अमन और प्रशांत ने दो-दो विकेट लिए। इसी मैदान पर टीम डी ने टीम सी को आठ विकेट से शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम सी ने 180/6 रन बनाए। मोहित भगतानी ने 94 और गौरव चंदर ने 63 रन की पारियां खेलीं। जवाब में टीम डी ने 181/2 रन बनाकर जीत हासिल की। अमित भारद्वाज ने 64, जयवर्धन सिंह ने 47, जतिन ने नाबाद 36 और भावित कुमावत ने नाबाद 31 रन बनाए। यह मुकाबला पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अनंतम ग्राउंड पर खेला जाना था, लेकिन मैदान गीला होने के कारण इसे लक्ष्य ग्राउंड पर स्थानांतरित किया गया। अनंतम ग्राउंड पर टीम ए ने टीम बी को 71 रन से हराया। टीम ए ने 212/3 रन बनाए। आदित्य सैनी ने नाबाद 98 रन की शानदार पारी खेली, जबकि नावेद ने 49 और शिवांग ने 23 रन का योगदान दिया। जवाब में टीम बी 141/9 रन ही बना सकी। देवांश जैसवाल ने 44 और देवकृत शर्मा ने 34 रन बनाए। टीम ए के आयुष वर्धन ने 23 रन देकर चार विकेट झटके, जबकि नावेद और राहुल ने दो-दो विकेट लिए।

अंडर-14 राज्य स्तरीय ट्रॉफी 17 से

आरसीए की ओर से राज्य स्तरीय अंडर-14 क्रिकेट ट्रॉफी का आयोजन आगामी 17 से किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्रदेश के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। वहीं अंडर-23 टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी के मुकाबले भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेंगे।

सूखा ग्रस्त क्षेत्रों में राहत के लिये 9321 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज - भजनलाल

वार्षिक औसत से 20 प्रतिशत वर्षा कम होने से 15 जिलों की 87 तहसीलें सूखाग्रस्त घोषित

जयपुर, 13 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राजस्थान के सूखाग्रस्त क्षेत्रों में राहत पहुंचाने के लिए राज्य सरकार ने 9 हजार 321 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज की व्यवस्था की है। उन्होंने आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्यों की निरंतर मॉनिटरिंग करने के दिशा-निर्देश प्रदान किए हैं। उन्होंने प्रभावित जिलों में जिला प्रशासन से निरंतर संपर्क बनाए रखने एवं आमजन, किसानों व पशुपालकों के लिए पेयजल, सिंचाई व चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिन जिलों में सामान्य से कम वर्षा हुई है, वहां आवश्यकतानुसार चारा डिपो का सुव्यवस्थित संचालन किया जाए। साथ ही, गोशालाओं के माध्यम से भी पशुओं के लिए पेयजल व चारे की समुचित व्यवस्था रखी जाए।

उन्होंने कहा कि प्रभावित जिलों में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा वीबी-जीराम-जी, राजीविका एवं आवासीय योजनाओं के माध्यम से रोजगार एवं आजीविका संबंधी कार्यों का संचालन किया जाए। उन्होंने प्रभावित जिलों में खरीफ फसल खराबे की गिरदावरी के आधार पर आंकलन रिपोर्ट तैयार करने तथा काश्तकारों को राहत पहुंचाने के संबंध में भी आवश्यक निर्देश प्रदान किए हैं।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आपदा प्रबन्धन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग की बैठक में आमजन, किसानों व पशुपालकों के लिये पेयजल, सिंचाई और चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।**

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कंटीजेन्सी प्लान के आधार पर पेयजल की समुचित व्यवस्था की जाए। वहीं, विद्युत विभाग द्वारा नलकूप के विद्युत कनेक्शन प्राथमिकता से जारी किए जाएं। उन्होंने आवश्यकतानुसार पेयजल परिवहन की समुचित व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान में मानसून सत्र में औसत वार्षिक वर्षा लगभग 20 प्रतिशत कम होने के कारण, कुल 15 जिलों की 87 तहसीलों को सूखाग्रस्त घोषित किया गया है। इन तहसीलों में से 73 तहसील गंभीर सूखाग्रस्त श्रेणी एवं 14 तहसील मध्यम सूखाग्रस्त श्रेणी में शामिल हैं।

अगले साल तेल की कीमत 70 हजार प्रति बैरल हो सकती है

नई दिल्ली, 13 नवंबर। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2027 में कच्चे तेल की कीमतें कम होकर लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल तक आ सकती हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिसमें अमेरिका-

- **स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट का आंकलन।**

ईरान संघर्ष के ठंडा पड़ने, पश्चिम एशिया से कच्चे तेल के निर्यात में वृद्धि और वैश्विक तेल बाजारों पर दबाव कम होना शामिल है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि उसके एलटीएसएम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले 10 दिनों में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में नरमी आ सकती है और औसत कीमत लगभग 87 डालर प्रति बैरल रह सकती है। एलटीएसएम एक डीप लर्निंग तकनीक है, जिसका उपयोग पुराने और क्रमबद्ध डेटा के आधार पर भविष्य की घटनाओं या आंकड़ों का सटीक अनुमान लगाने के लिए किया जाता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि बाहरी माहौल में सुधार उन कारकों में से एक है, जिसके आधार पर एसबीआई ने आरबीआई की आगामी मौद्रिक नीति के फैसले का आकलन किया है।

कांजीरंगा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से बढ़ रही है और कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने कहा, "घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए पहले से ही नौ एम्बुलेंस तैनात हैं।

माइक्रोसॉफ्ट की सेवाओं ने कई देशों में काम अटकाये

ऑस्ट्रेलिया, जापान, फिलीपींस में सरकारी प्रणालियों व अदालत के कामकाज में अड़चनें आईं

वॉशिंगटन, 13 नवंबर। माइक्रोसॉफ्ट की वैश्विक आउटेज के कारण शुक्रवार को कई देशों में कारोबार और सरकारी कामकाज प्रभावित हुए। हांगकांग में बैंकिंग सेवाएं बाधित हुईं, ऑस्ट्रेलिया और जापान में सरकारी प्रणालियों को समस्याओं का सामना करना पड़ा और फिलीपींस की अदालतों में कामकाज में देरी की सूचना मिली।

गुरुवार को शुरू हुई इस रुकावट के कारण लाखों उपयोगकर्ताओं को आउटलुक, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स और अन्य माइक्रोसॉफ्ट 365 एप्लिकेशन जैसी जरूरी सेवाओं का उपयोग करने में परेशानी का सामना करना पड़ा।

अमेरिकी टेक कंपनी द्वारा इस समस्या की पहली बार जानकारी दिए जाने के 12 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी, इसके इंजीनियर सेवाओं को पूरी तरह से बहाल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे। माइक्रोसॉफ्ट ने कुछ प्रगति की जानकारी दी, लेकिन यह भी माना कि सर्विस को बेहतर बनाने की कोशिशें उम्मीद के मुताबिक काम नहीं कर रही हैं। कंपनी ने कहा कि उसे इस रुकावट के पीछे किसी भी तरह की दुर्भावनापूर्ण गतिविधि का कोई सबूत नहीं मिला है।

मॉर्गन स्टेनली और गोल्डमैन सैक्स जैसे बड़े वित्तीय संस्थानों के कर्मचारियों ने बताया कि वे ईमेल और माइक्रोसॉफ्ट टीम्स का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उनके काम में रुकावट आ रही है। सीएनएन से बात करते हुए एक बैंकर ने बताया कि कुछ ईमेल तो आ रहे हैं, लेकिन लाखों संदेश संभवत: बैकलाग में फंस गए हैं। इस रुकावट का असर उन व्यवसायों पर भी पड़ा है, जो विदेशी ग्राहकों के साथ बातचीत पर निर्भर हैं।

ऑस्ट्रेलिया में स्कूलों, अदालतों और सरकारी सेवाओं में कामकाज प्रभावित हुआ। कर्मचारियों को आउटलुक और अन्य माइक्रोसॉफ्ट एप्लिकेशन खोलने में दिक्कत आ रही थी। ऑस्ट्रेलिया के गृह मामलों के मंत्री टोनी बर्क ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट ने इस घटना की तुलना जुलाई 2024 में हुए क्राउडस्ट्राइक आउटेज से की है।

- **अमेरिका के एक बैंकर के अनुसार, कुछ ईमेल तो आ रहे हैं, लेकिन लाखों संदेश संभवत: बैकलॉग में फंस गये हैं।**

प्रधानमंत्री ने बेंगलुरु मैट्रो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मौके पर साथ-साथ नजर आए। पीएम मोदी और कर्नाटक के सीएम ने पहले टिकट काउंटर से मेट्रो का टिकट लिया और साथ में ही मेट्रो में सफर किया। मेट्रो में सफर के दौरान प्रधानमंत्री और राज्य के मुख्यमंत्री साथ में बात करते नजर आए।

प्रधानमंत्री ने मेट्रो की सभी सेवाओं को खुद इस्तेमाल करके देखा। मेट्रो का यह एलिवेटेड (ऊपर बना) सेक्शन छह स्टेशनों को जोड़ेगा। इस मेट्रो रूट के शुरू होने के साथ ही, बेंगलुरु का चालू मेट्रो नेटवर्क पहली बार 100 किलोमीटर से अधिक का हो गया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, कलेना अग्रहारा से तावरेकेरे तक की पिंक लाइन को लगभग 3,470 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है।

सऊदी अरब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की कि वह रियाद और जेद्दा आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानों को 30 नवंबर तक निलंबित रखेगी।

बंगाल की खाड़ी में एक और चक्रवाती तूफान की संभावना बढ़ी

नई दिल्ली, 13 नवंबर। देश भर में बदलते मौसम के कारण एक तरफ जहां अलग-अलग क्षेत्रों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं, वहीं दूसरी तरफ दिल्ली-एनसीआर में दिन-ब-दिन धुंध और कोहरा बढ़ ने का अनुमान है। इसके अलावा, मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने दबाव के क्षेत्र के एक चक्रवाती तूफान में तब्दील होकर और अधिक तीव्र होने की प्रबल संभावना है।

- **मौसम विभाग ने रविवार को कई राज्यों में वर्षा व आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया**

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को कुछ बादल छाए रहने के आसार हैं। सुबह के समय अधिकतर जगहों पर हल्का कोहरा रहने की संभावना है। यहां का अधिकतम तापमान 27-29 डिग्री सेल्सियसलय और न्यूनतम तापमान 16-18 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।

'प्र.मंत्री मेरा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुरक्षा, जैसे मुद्दों पर खुली चर्चा की मांग कर रहे हैं।

भाजपा नेताओं ने बार-बार गांधी की बहस की चुनौतियों को खारिज किया है और उन पर संसद में महत्वपूर्ण मुद्दों पर ठोस बहस से बचने का आरोप लगाया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पहले सवाल उठाया था कि जब संसद में चर्चा के लिए जगह मौजूद है, तो गांधी प्रधानमंत्री से बहस के लिए कोई दूसरी जगह चुनने को क्यों कह रहे हैं।

अकाली दल व भाजपा गठबंधन इसी माह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टियों को अलग-अलग लड़ने पर 10 से 20 प्रतिशत के बीच वोट मिले हैं। साथ मिलकर वो एक मजबूत चुनावी ताकत बन सकते हैं, हालांकि एक पार्टी के वोट दूसरी पार्टी को कितने ट्रांसफर होंगे, यह अभी निश्चित नहीं है।

अकाली दल गठबंधन के लिए इसलिए भी तैयार हुआ है, क्योंकि चुनावों में उसे लगातार हार का सामना करना पड़ा है और अब उसके सामने अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने तथा प्रासंगिकता बनाए रखने की चुनौती है। 2020 में गठबंधन टूटने के बाद, दोनों दलों को अलग-अलग चुनाव लड़ने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। अकाली दल की संगठनात्मक ताकत कम हुई है तथा उस पर मतदाताओं का भरोसा भी कम हुआ है।

पार्टी के सूत्रों और नेताओं ने संकेत दिया है कि वे वैचारिक रूप से समान सोच वाले दलों के साथ गठबंधन करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन से इनकार किया है। उनका मानना है कि भाजपा के साथ गठबंधन राजनीतिक रूप से पार्टी के फिर से मजबूत होने का व्यावहारिक रास्ता हो सकता है।

इस घटनाक्रम की पृष्ठभूमि में अगस्त 2026 में सुखबीर बादल की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हुई मुलाकात भी शामिल है। इस मुलाकात ने, कृषि कानूनों (जो अब रद्द किये जा चुके हैं) को लेकर दोनों दलों के बीच 2020 में हुए तीखे मतभेद और गठबंधन टूटने के बाद सुलह की बातचीत को चुपचाप फिर से शुरू कर दिया है। इसके बाद, अमित शाह के उन बयानों से भी भाजपा के रुख में नरमी के स्पष्ट संकेत मिले, जिनमें उन्होंने राज्य में एनडीए सरकार का उल्लेख किया था। यह संकेत भाजपा के पहले के उस रुख से अलग था, जिसमें वह पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने की बात कर रही थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908